हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● सोमवार ● 06.04.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 249 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

सिलेंडर फटने से 3 की मौत, दो घायल

धनबाद : पुटकी थाना क्षेत्र में देर रात एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां लोहा काटने के दौरान हुए सिलेंडर ब्लास्ट में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में एक को बेहतर इलाज के लिए रांची भेजा गया है, वहीं एक घायल इलाज के दौरान अस्पताल से फरार हो गया। घटना पुटकी थाना क्षेत्र के मुनीडीह इलाके की है, जहां कथित तौर पर अवैध रूप से लोहा कटिंग का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक सिलेंडर ब्लास्ट हो गया, जिसकी चपेट में आकर तीन युवकों आनंद कुमार, संजय यादव और अजहरुद्दीन की जान चली गई।

बीजेपी कार्यालय पर ग्रेनेड हमला मामले में पांच गिरफ्तार

चंडीगढ़ : पंजाब पुलिस की काउंटर-इंटेलिजेंस विंग ने चंडीगढ़ स्थित बीजेपी कार्यालय पर ग्रेनेड हमले में शामिल पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। काउंटर-इंटेलिजेंस विंग ने चंडीगढ़ पुलिस के साथ मिलकर एक संयुक्त अभियान में यह सफलता हासिल की। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से एक हैंड ग्रेनेड, .30 बोर की जिगना पिस्तौल और गोला-बारूद जब्त किया गया है। आरोपियों की पहचान बलविंदर लाल उर्फ शमी, जसवीर सिंह उर्फ जस्सी, चरणजीत सिंह उर्फ चन्नी, रुबल चौहान और मनदीप उर्फ अभिजीत शर्मा के रूप में हुई है।

उत्तराखंड में महसूस हुए भूकंप के झटके

बागेश्वर : उत्तराखंड में बागेश्वर में रविवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए। इस दौरान लोगों के बीच भूकंप के झटके चर्चा का विषय बना रहा। जबकि कुछ लोगों के बीच डर का माहौल भी दिखा। भूकंप का केंद्र कपकोट के पास बताया गया है। गमीनत रही कि इस भूकंप में किसी भी प्रकार की कोई हानि नहीं हुई। हालांकि झटकों के बाद आपदा प्रबंधन विभाग सक्रिय हो गया है।

राहुल दुबे गैंग के सात गुर्गे गिरफ्तार

रामगढ़ : जिले में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में कुख्यात राहुल दुबे गैंग के सात सदस्यों को गिरफ्तार करके एक बड़ी आपराधिक साजिश को नाकाम कर दिया है। यह कार्रवाई एसपी अजय कुमार के निर्देश पर पतरातू अनुमंडल क्षेत्र में चलाए गए एक विशेष अभियान के दौरान की गई। पुलिस ने एक देसी पिस्टल, चार जिंदा कारतूस, एक कार, एक लैपटॉप और आठ मोबाइल फोन भी जब्त किए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तुषार सिंह, मिथुन कुमार और अमन अंसारी के तौर पर हुई है। तलाशी के दौरान तुषार के पास से एक लोडेड देसी रिवॉल्वर और दो जिंदा कारतूस मिले। पूछताछ में आरोपियों ने ओवरब्रिज साइट पर हुई पिछली फायरिंग की घटना में शामिल होने की बात मानी और बताया कि वे इस घटना को दोहराने की योजना बना रहे थे।

असम में रह रहे लाखों आदिवासियों के अधिकारों के समर्थन में मुख्यमंत्री ने खोला मोर्चा, कहा

असम के चाय बागान श्रमिकों के साथ 'राष्ट्रीय स्तर का अन्याय'

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने असम में रह रहे लाखों आदिवासियों के अधिकारों को लेकर एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है। रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के माध्यम से अपनी बात रखते हुए उन्होंने असम के चाय बागानों में पीढ़ियों से रह रहे आदिवासी समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा न मिलने को 'राष्ट्रीय स्तर का अन्याय' करार दिया।

'खून-पसीने से सींची अर्थव्यवस्था, फिर भी हक से वंचित'

मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए कहा कि ब्रिटिश शासन के दौरान इन आदिवासियों को उनके पैतृक घरों से दूर ले जाकर असम में बसाया गया था। इन लोगों ने अपने कठिन परिश्रम और खून-पसीने से असम की अर्थव्यवस्था, विशेषकर चाय उद्योग को मजबूत किया। सोरेन ने दुख जताया कि आजादी के बाद देश में कई सरकारें आईं और गईं, लेकिन इस मेहनतकश समाज के अस्तित्व और पहचान को वह संवैधानिक मान्यता नहीं मिली जिसके वे हकदार हैं।

सीएम के असम दौरे का फाइल फोटो

---

345 भारतीय मछुआरे ईरान से सुरक्षित वापस स्वदेश लौटे

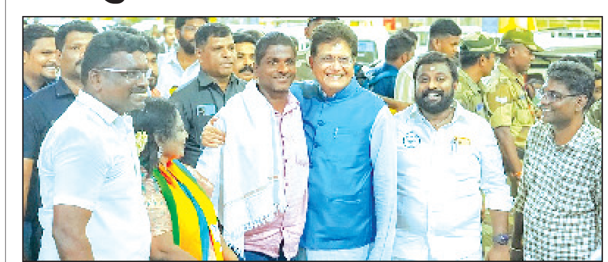

एजेंसी

चेन्नई : ईरान में फंसे 345 भारतीय मछुआरों को सुरक्षित निकालकर चेन्नई पहुंचाया गया है। यह निकासी आर्मेनिया के रास्ते की गई, जहां से उन्हें भारत लाया गया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस अभियान में सहयोग के लिए आर्मेनिया सरकार और अपने समकक्ष अरात मिर्जोयान का आभार जताया।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अब तक 1200 से अधिक भारतीय नागरिकों को ईरान से सुरक्षित निकाला जा चुका है, जिनमें बड़ी संख्या छात्रों की है। यह अभियान आर्मेनिया और अजरबेजान के रास्ते चलाया जा रहा है, जिसमें भारतीय दूतावास और स्थानीय प्रशासन मिलकर काम कर रहे हैं। इस बीच, पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद संयुक्त अरब अमीरात से भारत के लिए सीमित उड़ानें जारी हैं। बड़ी संख्या में लोग इन उड़ानों के जरिए स्वदेश लौट रहे हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, फरवरी के अंत से अब तक इस क्षेत्र से 6.24 लाख से अधिक यात्री भारत वापस आ चुके हैं। हालांकि, क्षेत्र में हालात अब भी संवेदनशील बने हुए हैं, जिसे देखते हुए सरकार लगातार अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास कर रही है।

कूच बिहार के ब्रिगेड ग्राउंड में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा

टीएमसी के पापों का घड़ा भर चुका है

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कूच बिहार (पश्चिम बंगाल) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस पर अब तक का सबसे तीखा हमला बोला। कूच बिहार के ब्रिगेड ग्राउंड में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बंगाल में अब संविधान और कानून की प्रक्रिया भी सुरक्षित नहीं रह गई है। उन्होंने मालदा में न्यायिक अधिकारियों के घेराव की घटना का जिक्र करते हुए इसे 'महा जंगलराज' का जीता-जागता उदाहरण बताया।

प्रधानमंत्री ने राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिस प्रदेश में खुद न्यायिक अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं और उन्हें बंधक बनाया जा रहा है, वहां आम जनता की सुरक्षा की उम्मीद कैसे की जा सकती है? पीएम ने आरोप लगाया कि टीएमसी बंगाल की न्याय व्यवस्था को पूरी तरह नष्ट करने पर तुली हुई है। राज्य में 'कट मनी' और 'भय' की संस्कृति हावी है, जिसका मुकाबला सिर्फ भाजपा का 'भरोसा' ही कर सकता है।

न्यायिक अधिकारियों के घेराव की घटना 'महा जंगलराज' का जीता-जागता उदाहरणः पीएम

महिला आरक्षण और विकास का रोडमैप हो चुका है तैयार

प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को साझा करते हुए कहा कि बजट सत्र को बढ़ाना इस बात का प्रमाण है कि सरकार 33 प्रतिशत महिला आरक्षण कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने संकेत दिया कि आगामी समय में लोकसभा सीटों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी ताकि प्रतिनिधित्व और सशक्त हो सके।

परिवर्तन की लहर से डरी टीएमसी

प्रधानमंत्री ने उमड़ी भीड़ का उत्साह देख कर कहा कि कोलकाता से शुरू हुई परिवर्तन यात्रा ने टीएमसी के 'सिंडिकेट' को डरा दिया है। उन्होंने मतदाताओं को निर्भीक होकर मतदान करने का आह्वान करते हुए कहा कि अगर टीएमसी के गुंडे डराने की कोशिश करें, तो डरो मत, क्योंकि पूरा बंगाल अब 'बदलाव' की ओर बढ़ चुका है।

युवाओं के भविष्य और अर्थव्यवस्था पर प्रहार

पीएम मोदी ने टीएमसी सरकार पर बंगाल की प्रगति को रोकने का आरोप लगाते हुए कहा कि सिंडिकेट राज के कारण राज्य पिछड़ता जा रहा है। उन्होंने कहा एसएससी घोटाले के जरिए टीएमसी नेताओं ने युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। भ्रष्टाचार की वजह से प्रदेश के लोगों की औसत आय में गिरावट आई है और विकास पूरी तरह ठप पड़ गया है।

यूक्रेन पर रूस के ड्रोन हमलों में पांच लोगों की मौत, 30 घायल

एजेंसी

कीव : यूक्रेन पर रूसी हमलों ने एक बार फिर हालात को तनावपूर्ण बना दिया है। रात भर चले ड्रोन हमलों में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की तुर्की यात्रा के दौरान हुए इन हमलों में कई शहरों को निशाना बनाया गया, जिनमें निकोपोल और सूमी शामिल हैं। हमलों से रिहायशी इलाकों, बाजारों और इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति और गंभीर हो गई है।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया एनबीसी के अनुसार यूक्रेनी वायु सेना ने एक ऑनलाइन बयान में बताया कि रूस ने रात भर में यूक्रेन पर 286 ड्रोन दागे, जिनमें से 260 को मार गिराया गया। क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख ओलेक्जेंडर हंझा ने बताया कि निप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र के

निकोपोल शहर में तीन महिलाओं और दो पुरुषों की मौत हो गई। इसके अलावा 19 अन्य लोग घायल हुए, जिनमें एक 14 साल की लड़की भी है। इस हमले में बाजार के स्टॉल और एक दुकान को नुकसान पहुंचा।

ये हमले तब हुए जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के साथ बातचीत के लिए इस्तांबुल गए हुए थे। वह पूर्वी ऑर्थोडॉक्स ईसाइयों के आध्यात्मिक गुरु एक्यूमेनिकल पैट्रिआर्क बाथोलोम्यू से भी मुलाकात करेंगे।

जेल में बंद नाइजीरियन कैदी की मौत

> तीन सौ करोड़ की एमडीए ड्रग्स के साथ हुआ था गिरफ्तार

नोएडा : उत्तर प्रदेश की गौतमबुद्ध नगर (ग्रेटर नोएडा) की जिला जेल में बंद नाइजीरियन कैदी की रविवार को मौत हो गई। वह किडनी की बीमारी से ग्रसित था और वर्ष 2023 में गौतम बुद्ध नगर में 300 करोड़ की एमडीए ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया गया था। गौतमबुद्ध नगर जिला कारागार के जेल सुपरिटेंडेंट बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि नाइजीरियन सोलोमन (66 वर्ष) और उसके कई साथियों को वर्ष 2023 के मई माह में गौतमबुद्ध नगर के थाना बीटा- दो पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इनके पास से करीब 300 करोड़ की एमडीए ड्रग्स बरामद हुआ था। विदेशी नागरिक एनडीपीएस एक्ट के मामले में सोलोमन तभी से जेल में बंद था।

राजद को फिर बनाएंगे राष्ट्रीय पार्टी : तेजस्वी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव का रविवार को रांची के कार्निवल बैंक्वेट हॉल में भव्य अभिनंदन किया गया। इस मौके पर उन्होंने पार्टी को फिर से राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने का संकल्प दोहराया और संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया।

अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि राजद देशभर में अपने विस्तार की दिशा में काम कर रही है।

उन्होंने बताया कि पार्टी केरल में तीन सीटों पर चुनाव लड़ रही है और वहां लेफ्ट अलायंस के साथ गठबंधन में है। उन्होंने कहा कि जहां-जहां पार्टी की ताकत है, वहां चुनाव लड़ा जाएगा और संगठन को मजबूत करना प्राथमिकता है।

असम में जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा

असम को 'एटीएम' की तरह इस्तेमाल कर रही है भाजपा

एजेंसी

बिश्वनाथ (असम) : कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा और केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। बिश्वनाथ में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि मुख्यमंत्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी और एक दिन उन्हें असम की जनता से

हाथ जोड़कर माफी मांगनी होगी। राहुल गांधी ने अपने संबोधन की शुरूआत असम की महान विभूतियों को याद करते हुए की। उन्होंने कहा यह भूमि श्रीमंत शंकरदेव, अजान फकीर, तरुण गोगोई और जुबीन गर्ग की है। जुबीन गर्ग ने हमेशा समाज को जोड़ने का काम किया है, जबकि भाजपा बांटने की राजनीति कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार असम को एक 'एटीएम' की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। राहुल ने कहा कि यहां के किसानों और आम जनता की जमीन छीनकर गौतम अडानी और बाबा रामदेव जैसे उद्योगपतियों को सौंपी जा रही है।

बरेली में टैंकर से टकराई बोलेरो 4 की मौत व कई घायल

एजेंसी

बरेली : नगर के सीबीगंज थाना क्षेत्र के परधौली गांव के पास रविवार दोपहर एक तेज रफ्तार बोलेरो सड़क किनारे खड़े टैंकर में पीछे से घुस गई। हादसा इतना भीषण था कि बोलेरो के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बोलेरो लखनऊ की ओर से आ रही थी। वाहन की रफ्तार काफी तेज थी। परधौली के पास चालक अचानक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और

बोलेरो सीधे सड़क किनारे खड़े टैंकर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो में बैठे लोग अंदर ही फंस गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सीबीगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया।

आचार संहिता के दौरान 5 राज्यों से 651 करोड़ जब्त

एजेंसी

नयी दिल्ली : आगामी विधानसभा चुनावों और उपचुनावों को लेकर निर्वाचन आयोग ने अपनी कमर कस ली है। आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक आयोग ने सख्त कार्रवाई करते हुए पांच चुनावी राज्यों से कुल 651.51 करोड़ रुपये मूल्य की नकदी, शराब और अन्य अवैध सामग्री बरामद की है। आयोग का कहना है कि यह कदम चुनावों में धन-बल के दुरुपयोग को रोकने और मतदान को निष्पक्ष बनाने के लिए उठाया गया है।

चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 26 फरवरी से शुरू हुई इस कार्रवाई में इलेक्ट्रॉनिक सीजर मैनेजमेंट सिस्टम के जरिए नकदीः 53.2 करोड़ रुपये, शराबः 79.3 करोड़ रुपये, मादक पदार्थ (ड्रग्स): 230 करोड़ रुपये, कीमती धातुएं (सोना-चांदी): 58 करोड़ रुपये, मुफ्त उपहार (फ्रीबीज): 231.01 करोड़ रुपये सामग्रियां जब्त की गई हैं।

राज्यों के अनुसार बरामदगी

पश्चिम बंगाल	319 करोड़
तमिलनाडु	170 करोड़
असम	97 करोड़
केरल	58 करोड़
पुडुचेरी	7 करोड़

आयोग ने चुनावी शुचिता बनाए रखने के लिए भारी भरकम अमला मैदान में उतारा है। फिलहाल 5,173 फ्लाइंग स्क्वॉड और 5,200 से अधिक स्टैटिक सर्विलांस टीमें चौबीसों घंटे नाकेबंदी और तलाशी अभियान चला रही हैं।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि जांच के दौरान आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी न हो, इसके लिए जिला स्तर पर शिकायत निवारण समितियां बनाई गई हैं। इसके साथ ही, आयोग ने मतदाताओं से अपील की है कि यदि वे कहीं भी आचार संहिता का उल्लंघन देखते हैं, तो तुरंत सी-विजिल ऐप के माध्यम से इसकी रिपोर्ट करें। शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई का भरोसा भी दिया गया है।

अपनी हार छुपा रहे ट्रंप, अमेरिका की ताकत निकली खोखली : ईरान

एजेंसी

तेहरान : ईस्ट में जारी युद्ध के बीच अमेरिका और ईरान के बीच टकराव और तेज हो गया है। हाल ही में अमेरिकी लड़ाकू विमान को गिराए जाने के बाद उसका एक पायलट लापता हो गया था, जिसे अब अमेरिकी सेना ने बचा लिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस ऑपरेशन को अमेरिकी इतिहास का सबसे साहसी रेस्क्यू मिशन बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका अपने किसी भी सैनिक को पीछे नहीं छोड़ता और यह मिशन उनकी सैन्य ताकत का बड़ा उदाहरण है।

ईरान का पलटवार-यह जीत नहीं, हार है

ईरान ने ट्रंप के दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया। ईरानी सैन्य मुख्यालय ने कहा कि यह ऑपरेशन अमेरिका की कड़वी हार को छुपाने की कोशिश है। उनका दावा है कि ईरानी बलों ने दक्षिणी इस्फहान क्षेत्र में अमेरिकी सेना को भारी नुकसान पहुंचाया और एक विमान को भी मार गिराया, जो रेस्क्यू मिशन में शामिल था। जोल्फाघरी ने कहा अमेरिका अपनी असफलता को छुपाने के लिए झूठी जीत की कहानी गढ़ रहा है। दोनों तरफ से युद्ध के अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं।

एक नजर

बड़कागांव में बिजली कई घंटे रही बंद, मरम्मत के बाद हुआ बहाल

बड़कागांव : बड़कागांव आने वाले 33 हजार बिजली केबल डेमोटांड़ स्थित डेंटल कॉलेज के पास खराब हो गया। बड़कागांव एवं केरेडारी प्रखंड में शनिवार शाम 6:00 से लेकर सुबह 11:00 तक बजे तक तकरीबन 17 घंटे बिजली बंद रहा। जिसके कारण बिजली ग्रामीणों को कई कठिनाइयों से गुजरना पड़ा। रोजमर्रा के कामकाज में प्रयोग आने वाले पानी मोटर, एसी ,मोबाइल चार्ज, कूलर, पंखा, इनवर्टर आदि मशीन बंद रहे। हालांकि बिजली अचानक बंद हो जाने की जानकारी बिजली विभाग को मिलते ही बिजली विभाग के बड़कागांव एवं केरेडारी के कनीय अभियंता प्रदीप प्रजापति के नेतृत्व में कर्मी रात भर छापामारी करते रहे, तब कहीं डेमोटांड़ स्थित डेंटल कॉलेज के पास बिजली गड़बड़ी पकड़ में आई। दूसरे दिन रविवार को सुबह से ही बिजली कर्मी मरमती में लग गए थे तब कहीं जाकर 11:00 बजे बिजली बहाल हो पाई।

वन विभाग में ग्रामीणों के बीच धुंआ रहित चूल्हे का किया वितरण

बड़कागांव : बड़कागांव वन क्षेत्र कार्यालय में नए बड़कागांव वन क्षेत्र पदाधिकारी रामबाबू कुमार की अगुवाई में बड़कागांव वन क्षेत्र अंतर्गत सुदूर ग्रामीण क्षेत्र निरी एवं बरबनिया गांव के दर्जनों ग्रामीणों के बीच धुंवा रहित चूल्हे का वितरण किया गया। जिसमें मुख्य रूप से प्रशिक्षु आईएफएस मोहित बंसल, सहायक वन संरक्षक प्रमोद कुमार, बड़कागांव वंचित पदाधिकारी रामबाबू कुमार के हाथों लोगों के बीच धुंवा रहित चूल्हे का वितरण किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को वन विभाग के द्वारा चूल्हे को जलाने की तरकीब एवं उसके फायदे को भी विस्तार से जानकारी दी गई। धुंवा रहित चूल्हे के वितरण के मौके पर बड़कागांव वन क्षेत्र के तमाम वन कर्मी उपस्थित थे।

नरैना उत्क्रमित मध्य विधालय में बीती रात हुई चोरी

चलकुशा : थाना क्षेत्र में चोरी की एक घटना सामने आई है। उत्क्रमित मध्य विद्यालय, नरैना में बीती रात अज्ञात चोरों ने विद्यालय के किचन का दरवाजा तोड़कर मिड-डे मील बनाने में उपयोग होने वाले चार गैस सिलेंडर चोरी कर लिए। घटना की जानकारी मिलते ही विद्यालय के शिक्षकों ने मुखिया प्रतिनिधि रामजीत रजक और स्थानीय पुलिस प्रशासन को सूचित किया। सूचना पर एएसआई अजीज अंसारी एवं संजय पासवान मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है।

श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा 11वीं में नामांकन की बढ़ती रुचि, डेमो क्लास आज से

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : देवचंदा मोड़ स्थित श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा क में नामांकन को लेकर अभिभावकों एवं विद्यार्थियों की रुचि लगातार बढ़ती जा रही है। नए शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ के बाद विद्यालय में एडमिशन प्रक्रिया ने गति पकड़ ली है। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, विज्ञान एवं मानविकी संकाय में नामांकन जारी है और सीमित सीटों के कारण जल्द एडमिशन लेने की अपील की गई है। प्रबंधन ने बताया कि 6 अप्रैल से डेमो क्लास शुरू की जा रही है, जिसमें छात्र-छात्राओं के साथ अभिभावक भी शामिल होकर शिक्षण व्यवस्था, शिक्षकों की गुणवत्ता एवं कक्षा के वातावरण का प्रत्यक्ष अनुभव कर सकते हैं। विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ JEE Mains, NEET, CLAT एवं CUET जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को अपने करियर की दिशा तय करने में मदद मिलेगी। प्राचार्य कैलाश कुमार ने कहा कि "हमारा उद्देश्य सिर्फ पढ़ाई कराना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को उनके लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए सही मार्गदर्शन देना है। कक्षा क से ही यदि सही दिशा मिल जाए तो छात्र बड़े लक्ष्य आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। वहीं विद्यालय प्रबंधक विकास सिंह ने कहा कि "हम बच्चों को ऐसा माहौल देते हैं जहां अनुशासन, गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धी परीक्षा की तैयारी एक साथ मिलती है। अभिभावकों से अपील है कि सीमित सीटों को ध्यान में रखते हुए जल्द नामांकन कराएं।

खनन विस्थापित संघर्ष विकास समिति की बैठक संपन्न, कई अहम प्रस्ताव पारित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव लगांतु स्थित समिति कार्यालय में खनन विस्थापित संघर्ष विकास समिति की एक आवश्यक बैठक रविवार को आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष गोविंद महतो एवं संचालन अनवर अली ने किया। इस दौरान क्षेत्र के कई गांवों के प्रतिनिधि एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित सदस्यों के हस्ताक्षर भी दर्ज किए गए, जिसमें विभिन्न पंचायतों एवं गांवों के टीम के सदस्यों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। बैठक का मुख्य उद्देश्य विस्थापितों की समस्याओं पर चर्चा करना और उनके समाधान के लिए ठोस निर्णय लेना था। बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी पारित किए गए जिसमें पिछले बैठक जो 7 मार्च 2026 में निर्णय लिया गया था कि कंपनी के प्रबंधक के साथ बैठक होगी कंपनी प्रबंधन द्वारा दिए गए आश्वासनों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने पर नाराजगी जताई गई। साथ ही टीम के सदस्यों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने का प्रस्ताव पारित किया गया। जिन सदस्यों का भुगतान रोक दिया गया है। उनके भुगतान को जल्द से जल्द सुनिश्चित करने की बात कही गई। जिसको लेकर आगामी 8 अप्रैल को प्रबंधक के साथ बैठक कर समस्याओं का निदान हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। बैठक में वक्ताओं ने एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करने पर जोर दिया। बैठक शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई और अंत में अध्यक्ष द्वारा सभी सदस्यों का धन्यवाद किया गया। बैठक में मुख्य रूप से प्रेम यादव, नवलेश यादव, मनोज विश्वकर्मा, कृष्ण राम, मो० रफीक अंसारी, मो० मुज्जफर, मो, मुख्तार, मो० कलाम, बालेश्वर महतो, राम शरण महतो, शिशु मिश्रा, सुबोध गिरी, अलख देव सिंह, लखन साव, बजरंगी साव, मुकेश चौरसिया, आयूब अली, मजहर आलम, लखन साव, सोनू साव, अजय यादव सहित दर्जनों टीम के सदस्य उपस्थित थे।

नशामुक्त कोनरा पंचायत बनाने को लेकर ग्रामीणों की बैठक, नशेड़ियों की अब खैर नहीं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : कोनरा पंचायत के दरगाह मोहल्ला में बढ़ते नशा को रोकने और नशामुक्त अभियान चलाए जाने को लेकर एक अहम बैठक दरगाह मोहल्ला पंचायत कमिटी एवं पंचायत प्रतिनिधियो के साथ ग्राम वासियों के द्वारा किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता दरगाह मोहल्ला पंचायत कमिटी के अध्यक्ष मोहम्मद खुर्शीद के द्वारा किया गया एवं संचालन कोषाअध्यक्ष मोहम्मद अशफाक ने किया। बैठक में मुख्य रूप से युवाओं में बढ़ते ब्राउन शुगर, ड्रग्स, गांजा जैसे जानलेवा नशा के बढ़ते प्रकोप से मुक्ति को लेकर विशेष रूप से चर्चा किया गया। मौके पर एक समिति बना कर नशा करने वालों पर नकेल कसने के लिए जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन से सहयोग लेकर सबक सिखाने एवं लगातार नशा मुक्ति अभियान चलाए जाने की बात पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। इसे मूर्त रूप देने के लिए कोनरा पंचायत के विभिन्न मोहल्ले में भी जल्द बैठक किया जाएगा। मौके पर कोनरा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मोहम्मद ताजुद्दीन ने कहा कि यह बहुत चिंता का विषय है कि आज नशा का प्रकोप बहुत तेजी से हमारे युवाओं और कम उम्र के बच्चों में फैल रहा है, जिसे रोकना बहुत जरूरी है। वरना आने वाले समय में बहुत ही दुःखद परिणाम होगा। हम सभी का कर्तव्य बनता हैं कि नशा मुक्ति अभियान में सहयोग करें ताकि युवाओं का भविष्य सुरक्षित रहे। पंसस प्रतिनिधि मोहम्मद सगीर ने कहा कि नशा के कारण घरेलु हिंसा बढ़ रही हैं बहुत से लोग परेशान हैं। नशा पर रोक लगाना बहुत जरूरी हैं। दरगाह मोहल्ला पंचायत कमिटी के अध्यक्ष मोहम्मद खुर्शीद ने कहा कि अगर कोई भी नशा करते या गलत गतिविधि में पकड़ा जाए तो उसे प्रशासन के हवाले कर दिया जाए और उसका सामाजिक बहिष्कार किया जाए ताकि हमारा समाज सुरक्षित रहे। सचिव रिजवान अली ने कहा कि सभी अभिभावक अपने अपने परिवार और बच्चों पर विशेष निगरानी रखें और नशा से होने वाले दुष्परिणाम को बताते हुए नशा से दुर रखें साथ नशामुक्त समाज बनाने में सहयोग करें।

विभावि में 17 कर्मचारियों को कारण बताओं नोटिस जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग प्रशासन में 17 शिक्षककेत्तर कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इसमें से ज्यादातर लोग औचक निरीक्षण के दौरान अपने-अपने दफ्तर में बिना छुट्टी लिए अनुपस्थित पाए गए थे। इस संबंध में जानकारी देते हुए रविवार को कुलसचिव डॉ प्रणिता ने बताया कि कुछ कर्मचारी समय पर नहीं आते हैं और बिना सूचना के अनुपस्थित रहते हैं। इसकी मौखिक शिकायत लगातार मिल रही थी। मौखिक शिकायत पर कार्यवाही करने से पूर्व मैंने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान जो लोग बिना लिखित सूचना के अनुपस्थित पाए गए उनसे स्पष्टीकरण पूछा गया है। उन्होंने बताया कि यह गलत परिपाटी है और इससे विश्वविद्यालय के कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। साथ ही ऐसे लोगों के कारण समय पर आकर निष्ठा के साथ कार्य करने वाले कर्मचारियों का भी मनोबल टूटता है। विश्वविद्यालय का कोई भी कार्य प्रभावित होता है तो उसका सीधा नुकसान हमारे विद्यार्थियों को होता है। यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों से पूछा गया है कि उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों ना किया जाए। उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए तीन दोनों का समय दिया गया है। उनका उत्तर संतोषजनक नहीं होने से इस मसले पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति को अवगत कराया जाएगा। साथ ही उन्होंने बताया कि पिछले दिनों प्रभारी कुलपति डॉ रेनू बोस को कुलपति कक्ष में नहीं बैठने देने की घटना से वह काफी आहत है। मैंने जितना कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा को जाना है वह विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विशेष कर सभी महिलाओं के प्रति बहुत सम्मान भाव रखते हैं। उन्होंने इस तरह का आदेश दिया है यह मुझे विश्वास करने में कठिनाई हो रही है।

थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के द्वारा 12 घंटे में नाबालिग बच्ची बरामद

▸ मां का आंसू जमीन पर गिरने से पहले आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव थाना क्षेत्र में पुलिस की तत्परता का एक शानदार उदाहरण सामने आया है।बड़कागांव थाने में एक नाबालिक बच्ची के परिजन के द्वारा आवेदन देकर यह गुहार लगाई गई की पुलिस कानूनी कार्रवाई करते हुए बच्ची को सकुशल बरामद करने की अपील की गई।मामले को लेकर बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने बताया की आवेदन के आलोक में तत्वरित कार्रवाई करते हुए एक पुलिस टीम का गठन किया।थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने महज 12 घंटे के भीतर एक नाबालिग बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया।और मां के आंसू जमीन पर गिरने से पहले गिरफ्तार युवक पंकज करमाली को जेल भेज दिया।मिली जानकारी के अनुसार एक महिला ने बड़कागांव थाना में आवेदन देकर बताया कि मेरी नाबालिग बेटी को एक युवक के द्वारा बहला-फुसलाकर अपने साथ लेकर फरार हो गया है।मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने उक्त मामले पर तुरंत संज्ञान लिया और टीम को निर्देश दिया कि हर हाल में 24 घंटे के भीतर बच्ची को खोज निकाला जाए।पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विभिन्न संभावित ठिकानों पर छापेमारी शुरू कर दी।

एकल अभियान के दो दिवसीय चिंतन बैठक में छह अंचल के 150 सेवा व्रती कार्यकर्ता हुए शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : एकल अभियान हजारीबाग अंचल की ओर से दो दिवसीय आवासीय भाग स्तरीय कार्यकर्ता चिंतन बैठक का आयोजन किया गया। प्रथम दिन की चिंतन बैठक की प्रथम सत्र का शुभ उद्घाटन अंचल अध्यक्ष भरत यादव, मुखिया मनोज कुमार, अंचल सचिव कृष्णा प्रजापति, अंचल उपाध्यक्ष डॉ सुनील कुमार दत्त, अंचल जागरण प्रमुख प्रो हीरामन साव, अंचल आरोग्य प्रभारी इंद्रदेव गुप्ता, हरि कथा सत्संग समिति सचिव कृष्णा गुप्ता, प्राथमिक शिक्षा प्रभारी सुरेश प्रसाद, राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के अनुमंडल अध्यक्ष कमल शंकर पंडित, समाजसेवी अनिल प्रसाद वर्मा, गणेश साव, तिलक साव, दशरथ मंडल-प्रभाग कार्यालय प्रमुख , जीतलाल हांसदा-संभाग अभियान प्रमुख , कर्ण महतो संभाग प्रशिक्षण प्रमुख, अशोक कुमार महतो धनबाद भाग अभियान प्रमुख दिनेश कुमार महतो धनबाद भाग प्रशिक्षण प्रमुख, राहुल कुमार-धनबाद भाग कार्यालय प्रमुख, धनंजय दास संथाल परगना भाग प्रशिक्षण प्रमुख ने संयुक्त रूप से भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। अंचल टीम की ओर से सभी अतिथियों को अंगवस्त्र एवं बुके के साथ स्वागत किया गया। इसके साथ ही मुखिया मनोज कुमार एवं उपस्थित अंचल टीम की ओर से चिंतन बैठक में उपस्थित सेवा व्रती कार्यकताओं को अंगवस्त्र के साथ स्वागत एवं सम्मान किया गया। प्रथम दिन कार्यकताओं के दायित्व एवं समाज के प्रति उनका कर्तव्य बोध कराया गया। चिंतन बैठक के दूसरे दिन सत्र का उद्घाटन राजू कुमार पांडे केंद्रीय सह युवा प्रमुख, सुनील कुमार राय प्रभाग अभियान प्रमुख, अंचल सचिव कृष्णा प्रजापति, अंचल उपाध्यक्ष डॉ सुनील कुमार दत्त, अंचल युवा प्रभारी राजकुमार यादव, अंचल प्राथमिक शिक्षा प्रभारी सुरेश प्रसाद ने संयुक्त रूप से भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। दूसरे दिन पंचमुखी शिक्षा योजना से संबंधित जानकारी साझा की गई। सेवा व्रती कार्यकताओं के नियमित प्रवास, सनातन संस्कृति की प्रचार प्रसार, धर्मांतरण रोकने तथा ग्राम विकास में कार्यकताओं की भूमिका आदि पर गहन चर्चा किया गया। साथ ही प्रशिक्षण में दिए गए निर्देश का पालन करने की आग्रह की गई। चिंतन बैठक में शामिल कार्यकताओं ने अपनी जिज्ञासा के अनुसार सवाल किए जिसका उत्तर प्रशिक्षक टोली द्वारा दी गई। इस चिंतन बैठक में चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो, गिरिडीह, गोविंदपुर अंचल के लगभग 150 कार्यकर्ता शामिल हुए।

संक्षिप्त खबरें

कोयला ट्रांसपोर्टिंग रोड में बाइक दुर्घटनाग्रस्त युवक घायल, हजारीबाग रेफर

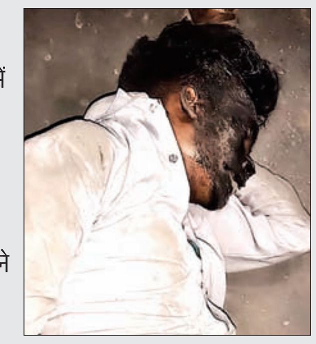

बड़कागांव : एनटीपीसी पकरी बरवाडीह अंतर्गत चेपाकला गांव स्थित कोयला ट्रांसपोर्टिंग रोड में शनिवार रात्रि 10:00 बजे मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिसमें चालक आदित्य कुमार मुंह के बल पर गिरने के कारण गंभीर चोट आई है। आदित्य ऊपरडाड़ी गांव का रहने वाला बताया जाता है। आदित्य के साथ एक अन्य व्यक्ति भी मोटरसाइकिल में सवार था जो मोटरसाइकिल दुर्घटना होने के पश्चात वह आदित्य को घायल अवस्था में छोड़कर फरार हो गया। हालांकि स्थानीय चेपाकला पंचायत मुखिया अनिकेत नायक को घटना की जानकारी मिलते हीं अपनी दायित्व को निभाया और आदित्य को बेहतर इलाज के लिए एंबुलेंस से हजारीबाग ले जाया गया। हजारीबाग आरोग्यं हॉस्पिटल में आदित्य का इलाज किया जा रहा है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान को लेकर भाजपा पश्चिमी मंडल की तैयारी संपन्न

बरही : भारतीय जनता पार्टी, झारखंड प्रदेश एवं हजारीबाग जिला नेतृत्व के निदेर्शानुसार आगामी 06 अप्रैल को 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान' का आयोजन किया जाना सुनिश्चित हुआ है। इसे लेकर बरही पश्चिमी मंडल द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। कार्यक्रम की सफलता को लेकर शनिवार को पंचमाधव स्थित सत्संग भवन में एक विशेष तैयारी बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, मंडल अध्यक्ष नागेश्वर रजक, सांसद प्रतिनिधि रंजीत चंद्रवंशी और स्थानीय मुखिया हरेंद्र यादव ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मंडल अध्यक्ष नागेश्वर रजक ने जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन पंचमाधव के सत्संग भवन में होगा, जो पूर्णतः एक 24 घंटे का आवासीय प्रशिक्षण वर्ग होगा। कार्यक्रम की शुरूआत 06 अप्रैल 2026 को दोपहर 12:30 बजे से होगी, जिसका समापन अगले दिन 07 अप्रैल को दोपहर 12:00 बजे किया जाएगा। इस प्रशिक्षण वर्ग में कार्यकताओं के लिए रात्रि विश्राम, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। सभी प्रतिभागियों को अपने साथ तौलिया, ब्रश, साबुन एवं कपड़े जैसी आवश्यक व्यक्तिगत सामग्री लाने का निर्देश दिया गया है। इस प्रशिक्षण वर्ग में मंडल में निवास करने वाले सभी जनप्रतिनिधि, मंडल कार्यसमिति, शक्ति केंद्र के संयोजक व सह-संयोजक, प्रदेश एवं जिला स्तर के पदाधिकारी, मंडल के सक्रिय सदस्य, सभी बूथ अध्यक्ष एवं SIR हेतु नियुक्त सभी BLA-2 कार्यकताओं की उपस्थिति अनिवार्य है। मंडल अध्यक्ष ने सभी अपेक्षित कार्यकताओं से अपील की है कि वे समय पर पंजीकरण हेतु दोपहर 12:30 बजे तक कार्यक्रम स्थल पर अवश्य पहुंचें और अपने साथी कार्यकताओं को भी इसकी सूचना दें।

5 मुख्य प्रस्ताव के साथ किसान संघर्ष समिति की हुई बैठक

बड़कागांव : बड़कागांव सूर्य मंदिर स्थित सामुदायिक भवन में रविवार को किसान संघर्ष समिति की बैठक रखी गई थी। जिसमें कई बिंदुओं पर चर्चा हुई। जिसमें से मुख्य रूप से गैर-मजरुआ एवं रैयती भूमि पर बिना मुआवजा भुगतान किये कंपनी के द्वारा बाजबरन कब्जा करना, बेरोजगार शिक्षित युवकों को कंपनी के द्वारा रोजगार नहीं दिया जाना। एनटीपीसी गिरदारी परियोजना में हाई कोर्ट के द्वारा मुआवजा बढ़ाने का आदेश दिए जाने के बाद बड़कागांव पनकी बबार्दी परियोजना में भी मुआवजा बढ़ाने हेतु पहल करना ,उपायुक्त हजारीबाग, विधायक बड़कागांव सांसद हजारीबाग और मुख्यमंत्री सभी से इन मुद्दों पर मिलकर अवगत कराना किसानों के इस मुद्दों से मिलकर अवगत कराना। एवं किसानों को एकजुट करना एवं प्रत्येक महीने की 30 तारीख को किसान संघर्ष समिति की बैठक कुछ सुनिश्चित और तमाम मुद्दों को लेकर हाईकोर्ट करने की चल रही तैयारी पर राशि इकट्ठा करना। इंतामम मुद्दों पर गहन विचार विमर्श के बाद प्रस्ताव पारित किया गया। सभी किसानों ने एक स्वर में कंपनी की मनमानी और गैरकानूनी तरीके से भूमि को कब्जा करने को लेकर एक जुटता दिखाई। और एकजुट होकर अपने अधिकार के लिए कंपनी के साथ कानूनी तरीके से लड़ाई लड़ने की बात कही। आज के इस बैठक में मुख्य रूप से समिति के अध्यक्ष पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, उपाध्यक्ष डॉ बालेश्वर महतो ,सचिन लखन महतो, उपसचिव तेजन महतो, कोषाध्यक्ष देव प्रसाद, पत्रकार रंजन कुमार, रिटायर्ड बैंक मैनेजर डि एन कुशवाहा ,सिकंदर महतो, गोकुल महतो ,लखन प्रसाद, चमन महतो ,सरजू महतो, श्यामलाल राय ,रामकुमार महतो, संतोष कुमार ,महेश महतो, अनुज कुमार, समेत सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

क्रिकेट खेल प्रतियोगिता में आरूषि कुमारी का चयन

चलकुशा : झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर-15 महिला क्रिकेट प्रतियोगिता में चलकुशा प्रखंड के लिए गर्व का क्षण सामने आया है। प्रखंड अंतर्गत पंचायत अलगडीहा के ग्राम भिखनाडीह निवासी शिक्षाविद राजेश यादव की सुपुत्री आरुषि कुमारी का इस प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। आरुषि कुमारी वर्तमान में धनबाद के डिगवाडीह स्थित टाटा क्रिकेट मैदान में 3 अप्रैल से 13 अप्रैल तक आयोजित मैचों में हिस्सा ले रही हैं। उनके चयन और प्रदर्शन से पूरे चलकुशा प्रखंड में खुशी और गर्व का माहौल है। आरुषि के पिता राजेश यादव ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बेटियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में भी आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि आरुषि कुमारी फिलहाल कोडरमा के संस्कार इंटरनेशनल स्कूल में रहकर अपनी पढ़ाई के साथ क्रिकेट की तैयारी कर रही हैं। आरुषि की यह उपलब्धि क्षेत्र की अन्य बेटियों के लिए भी प्रेरणादायक साबित हो रही है।

एक नजर

विराट हिंदू सम्मेलन 15 को कांके में

रांची : कांके में 15 अप्रैल को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ता विवेक प्रताप सिंह ने रविवार को बताया कि यह कार्यक्रम हिंदू समाज में जनजागरण और एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन के माध्यम से लोगों को पंच परिवर्तन के संकल्प से जोड़ा जाएगा। इसमें स्वदेशी अपनाना, नागरिक कर्तव्यों का पालन, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और परिवार सशक्तीकरण जैसे मुद्दों पर विशेष बल दिया जाएगा। सम्मेलन में संत-महात्माओं की ओर से धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों को लेकर मार्गदर्शन किया जाएगा। साथ ही नशा मुक्ति, गो संरक्षण, मतांतरण, पारंपरिक हिंदू व्यवसायों पर बढ़ते कब्जे से सचेत करना और सामाजिक कुरीतियों पर भी जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कांके, बुढ़मू और ओरमांझी प्रखंडों में जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। राम भक्तों की टोली गांव-गांव जाकर लोगों को सम्मेलन से जोड़ेगी।

स्टील दुकान में लगी भीषण आग, बड़ा नुकसान

रांची: जिले के सदर थाना क्षेत्र में स्थित एक स्टील दुकान में अचानक आग लग गई। आग लगने की वजह से मौके पर अफरा तफरी मच गई। दमकल वाहनों ने स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। रांची के सदर थाना क्षेत्र के कोकर स्थित अश्विनी स्टील नाम की दुकान में आग लगने की वजह से बड़ा नुकसान हुआ है। शनिवार की देर रात बंद दुकान से अचानक धुंआ निकलने लगा। जिसे देखते हुए राहगीरों ने तुरंत दुकान मालिक और सदर थाना को मामले की जानकारी दी। शुरूआत में स्थानीय लोगों ने पानी डालकर आग पर काबू पाने की कोशिश की लेकिन उसका कोई फायदा नही हुआ। थोड़ी देर बाद दमकल कर्मी और पुलिस दोनों मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया।

मुक्ति संस्था ने 24 अज्ञात शवों का किया अंतिम संस्कार

रांची : रांची में मानवता की मिसाल पेश करते हुए मुक्ति संस्था ने रविवार को जुमार नदी के तट पर 24 अज्ञात शवों का पूरे विधि-विधान के साथ अंतिम संस्कार किया। संस्था के सदस्यों ने राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स)की शव गृह से शवों को सुरक्षित तरीके से निकालकर उन्हें जुमार नदी तट तक पहुंचाया, जहां धार्मिक रीति-रिवाजों का पालन करते हुए अंतिम संस्कार संपन्न कराया गया। कार्यक्रम के दौरान मुक्ति संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने सभी अज्ञात शवों को मुखाग्नि दी। उन्होंने बताया कि संस्था अब तक कुल 2153 अज्ञात शवों का अंतिम संस्कार कर चुकी है। यह कार्य समाज के प्रति संस्था की गहरी संवेदनशीलता और सेवा भावना को दर्शाता है। अंतिम संस्कार के बाद परमजीत सिंह टिंकू द्वारा अरदास की गई। पूरे आयोजन में संस्था के सदस्यों ने मिलकर सक्रिय भूमिका निभाई और इस पुनीत कार्य को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

ईस्टर पर बच्चों ने दिखाई रचनात्मकता

रांची : ईस्टर के अवसर पर रांची में आईफा इंटरनेशनल की ओर से रविवार को बच्चों के लिए रंगारंग ईस्टर एग पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों में कला के प्रति रुचि विकसित करना और उनकी रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम का नेतृत्व संस्थान के निदेशक मोहम्मद साबिर हुसैन ने किया। उन्होंने बच्चों को एग पेंटिंग की तकनीक और आकर्षक डिजाइन बनाने के विभिन्न तरीके समझाए। उनके मार्गदर्शन में बच्चों ने अंडों पर रंग-बिरंगे और सुंदर डिजाइन बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

झारखंड में टेक्नोलॉजी का महाकुंभ

रोबोटिक्स फेस्टिवल से चमकेगा युवाओं का हुनर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में तकनीकी शिक्षा को नई दिशा देने की तैयारी शुरू हो चुकी है। राज्य के विद्यार्थियों के भीतर छिपी प्रतिभा, नवाचार और तकनीकी कौशल को मंच देने के लिए उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग पहली बार झारखंड रोबोटिक्स फेस्टिवल आयोजित करने जा रहा है। यह आयोजन न केवल छात्रों के लिए एक प्रतियोगिता होगी, बल्कि भविष्य की टेक्नोलॉजी दुनिया में कदम रखने का बड़ा अवसर भी साबित होगा। फेस्टिवल की तिथि की घोषणा जल्द की जाएगी, लेकिन इसकी रूपरेखा और महत्व ने अभी से छात्रों और संस्थानों के बीच उत्साह पैदा कर दिया है।

फेस्टिवल में रोबोटिक्स की कुल 11 श्रेणियां

फेस्टिवल में रोबोटिक्स की कुल 11 श्रेणियां रखी गई हैं, जिनमें स्वायत्त ग्राउंड रोबोट, टेली-ऑपरेटेड रोबोट, मल्टी-यूटिलिटी रोबोट, एआई आधारित सेवा रोबोट, अंडरवाटर रोबोट, ड्रोन, मनॉइड रोबोट, रोबोटिक आर्म्स और अन्य अत्याधुनिक मॉडल शामिल हैं। इससे छात्रों को अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार क्षेत्र चुनने का अवसर मिलेगा।

राज्य के सभी स्कूल लेंगे हिस्सा

इस फेस्टिवल में राज्य के सभी सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों के छात्र भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्रों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए तकनीकी मॉडल तैयार करने के लिए प्रेरित करना है। खासतौर पर झारखंड से जुड़ी चुनौतियों जैसे खनन, कृषि, आपदा प्रबंधन या ग्रामीण जरूरतों के समाधान के लिए रोबोट विकसित करने पर जोर दिया जाएगा।

प्रथम स्थान आने वाली टीम को 5 लाख का इनाम

पुरस्कार राशि भी इस फेस्टिवल को खास बनाती है। प्रथम स्थान पाने वाली टीम को पांच लाख रुपये और उनके फैकल्टी मेंटर को 50 हजार रुपये मिलेंगे। द्वितीय स्थान के लिए तीन लाख और तृतीय स्थान के लिए दो लाख रुपये निर्धारित किए गए हैं। इसके अलावा पांच सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे।

प्रत्येक टीम में अधिकतम पांच छात्र होंगे शामिल

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रत्येक टीम में अधिकतम पांच छात्र होंगे और यह अनिवार्य किया गया है कि हर टीम में कम से कम दो छात्राएं शामिल हो। इसके साथ ही, प्रत्येक टीम को एक फैकल्टी मेंटर का मार्गदर्शन मिलेगा, जिससे छात्रों को तकनीकी और शोध आधारित सहयोग प्राप्त हो सके।

पांच चरणों में आयोजन

पूरे आयोजन को पांच चरणों में बांटा गया है, ताकि विचार से लेकर मॉडल तक की यात्रा व्यवस्थित तरीके से पूरी हो सके। पहले चरण में छात्र ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने इनोवेटिव आइडिया प्रस्तुत करेंगे। इसके बाद विशेषज्ञों की टीम इन प्रस्तावों की जांच कर लगभग 120 टीमों को शॉर्टलिस्ट करेगी। तीसरे चरण में ये टीमें अपने विचारों का विस्तृत प्रजेंटेशन देंगी, जिनमें से 40 टीमों का चयन प्रोटोटाइप विकास के लिए किया जाएगा।

अनुदान राशि भी दी जाएगी

चौथे चरण में चयनित 40 टीमों को अपने मॉडल तैयार करने के लिए दो-दो लाख रुपये की अनुदान राशि दी जाएगी। यह राशि छात्रों को अपने आइडिया को वास्तविक रूप देने में मदद करेगी। अंतिम चरण में रांची विज्ञान केंद्र में फाइनल प्रतियोगिता आयोजित होगी, जहां शीर्ष तीन टीमों का चयन किया जाएगा। खास बात यह है कि विजेता टीमों के रोबोट को विज्ञान केंद्र में स्थायी रूप से प्रदर्शित भी किया जाएगा।

बिरयानी दुकान से अवैध रिफिलिंग का खुलासा, 9 गैस सिलेंडर बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के ओरमांझी क्षेत्र में अवैध गैस सिलेंडर रिफिलिंग और कालाबाजारी के खिलाफ जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पूरे नेटवर्क का पदार्फाश किया है। गुप्त सूचना के आधार पर जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर जिला स्तरीय टीम ने ईरवा स्थित एक बिरयानी दुकान में छापेमारी की।

प्रखंड विकास पदाधिकारी ओरमांझी के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई के दौरान दिल्ली दरबार बिरयानी दुकान से कुल 9 व्यवसायिक गैस सिलेंडर बरामद किए गए। इन सिलेंडरों का कुल वजन लगभग 19।02 किलोग्राम दर्ज किया गया, जिनमें एचपी और इंडेन गैस के सिलेंडर शामिल हैं। जांच में सामने आया कि इनमें से कई सिलेंडर सील अवस्था में थे, जबकि कुछ का उपयोग अवैध रिफिलिंग में किया जा रहा था।
दुकान संचालक से पूछताछ में यह खुलासा हुआ कि सिलेंडर एक बिचौलिए द्वारा बैगनआर कार से सप्लाई किए जाते थे। यह बिचौलिया अवैध तरीके से सिलेंडरों की रिफिलिंग कर उन्हें ऊंचे दामों पर बेचता था और मुनाफे में हिस्सेदारी भी तय थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए टीम ने गिरफ्तार व्यक्ति की निशानदेही पर आरोपी के घर (ओरमांझी थाना क्षेत्र) में भी छापेमारी की।
जहां से 19।02 किलोग्राम क्षमता का एक एचपी गैस सिलेंडर बरामद किया गया, जिसमें करीब 10 किलोग्राम गैस भरी हुई थी और उस पर रिफिलिंग नोजल लगा हुआ था। साथ ही एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू भी जब्त किया गया, जिससे इस अवैध धंधे के व्यवस्थित संचालन की पुष्टि होती है। हालांकि छापेमारी के दौरान मुख्य आरोपी घर से फरार मिला, जिसकी तलाश जारी है।
प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस प्रकार की गतिविधियां रेगुलेशन ऑफ सप्लाई एंड डिस्ट्रीब्यूशन ऑर्डर-2000 और आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत गंभीर अपराध की श्रेणी में आती हैं। मामले में ओरमांझी थाना में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों को दी गयी मार्च महीने की राशि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना अंतर्गत रांची जिले में लाभुकों के मध्य मार्च महीने की सम्मान राशि का भुगतान कर दिया गया है। इस योजना के तहत जिले की कुल तीन लाख 89 हजार 296 महिलाओं के बैंक खातों में आधार बेस्ड डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 2500 रुपये प्रति लाभुक की दर से कुल 97 करोड़ 32 लाख 40 हजार रुपये की राशि का भुगतान कर दिया गया है।
मार्च माह में विभिन्न प्रखंड एवं शहरी क्षेत्रों में भुगतान की स्थिति निम्न है। इनमें अनगड़ाझ्र16,701 लाभुक, अरगोड़ा शहरी क्षेत्र 13360 लाभुक, बड़गाईं शहरी क्षेत्र 9,683 लाभुक, बेड़ो 20,571 लाभुक, बुण्डू 8,440 लाभुक, बुण्डू नगर पंचायत 3,502 लाभुक, बुढ़मू 17816 लाभुक, चान्हो19,699 लाभुक, हेहल शहरी क्षेत्र 15,245 लाभुक, ईटकी10,334 लाभुक, कांके 31,548 लाभुक, कांके शहरी क्षेत्र 1,313 लाभुक, खलारी 9,580 लाभुक, लापुंग 11,342 लाभुक, मांडर 23,079 लाभुक, नगड़ी17,856 लाभुक, नगड़ी शहरी क्षेत्र 8250 लाभुक, नामकुम 17847 लाभुक, नामकुम शहरी क्षेत्र 9489 लाभुक, ओरमांझी 18,147 लाभुक, राहे 9,522 लाभुक, रातू 18,545 लाभुक, सिल्ली 21,120 लाभुक, सोनाहातू 13,036 लाभुक, तमाड़झ्र18,491 लाभुक, सदर शहरी क्षेत्र 24,780 लाभुक शामिल है।
उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि जिला प्रशासन की ओर से यह सुनिश्चित किया गया है कि सभी पात्र लाभुकों को योजना का लाभ समय पर एवं पारदर्शी तरीके से प्राप्त हो। संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया है कि भुगतान प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की त्रुटि या विलंब न हो तथा यदि किसी लाभुक को राशि प्राप्ति में समस्या हो तो उसका त्वरित समाधान किया जाए, जिला प्रशासन इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

एसएसपी आवास के पास पेड़ पर दिखा लंबा सांप, जंगल में छोड़ा गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में एसएसपी आवास की बाउंड्री से सटे एक पेड़ पर लंबे सांप के दिखने से कुछ देर के लिए हलचल मच गई। सूचना मिलते ही वन विभाग हरकत में आया और तत्परता दिखाते हुए सांप का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। पेड़ पर सांप देखे जाने की सूचना रांची के डीएफओ श्रीकांत तक पहुंची। उन्होंने तुरंत स्नेक कैचर रमेश कुमार महतो को मौके पर भेजा। सूचना मिलते ही रमेश महतो घटनास्थल पर पहुंचे और सावधानीपूर्वक पेड़ से सांप को नीचे उतारकर सुरक्षित कब्जे में ले लिया। स्नेक कैचर रमेश महतो ने ईटीवी भारत को बताया कि यह

सांप रैट स्नेक कहा जाता है, जो इंसानों के लिए बिल्कुल भी खतरनाक नहीं होता। उन्होंने लोगों से अपील की है कि इस तरह के सांप दिखने पर घबराने की बजाय वन विभाग को सूचित करें।
रैट स्नेक आमतौर पर लंबाई में काफी बड़े होते हैं और पेड़ों पर आसानी से चढ़ सकते हैं। ये विषैले नहीं होते और पर्यावरण के लिए बेहद उपयोगी माने जाते हैं। इनका मुख्य भोजन चूहे होते हैं, जिससे खेती और घरों में चूहों की समस्या कम होती है।

शिक्षकों को दिया गया 'मानसिक स्वास्थ्य' पर प्रशिक्षण, छात्रों के समग्र विकास पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के धुर्वा स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में रविवार को छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से क्षमता संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य ललन कुमार के मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर शिक्षकों को विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन, तनाव प्रबंधन और विद्यालय में सकारात्मक वातावरण के निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में व्यवहारिक पहलुओं पर विशेष जोर दिया गया,

ताकि शिक्षक छात्रों की समस्याओं को बेहतर ढंग से समझकर उन्हें सही दिशा प्रदान कर सकें।
प्राचार्य ललन कुमार ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम शिक्षकों को नई सोच और दृष्टिकोण देते हैं, जिससे विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के निर्माण में मदद मिलती है। उन्होंने शिक्षकों से बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील रहने और उन्हें सहयोग देने की अपील की।
कार्यक्रम में सुरेन्द्रनाथ सेंटेनरी पब्लिक स्कूल के उप-प्राचार्य प्रसेनजीत हाजरा एवं गोविंद राम कटारुका पब्लिक स्कूल के पीजीटी उत्तम कुमार उपस्थित रहे। उन्होंने शिक्षकों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व और उससे जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में झारखंड ने हासिल किया तीसरा स्थान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : छत्तीसगढ़ में आयोजित पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में झारखंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देशभर में तीसरा स्थान हासिल किया है। राज्य के खिलाड़ियों ने 25 मार्च से 3 अप्रैल तक रायपुर, जगदलपुर और सरगुजा में आयोजित इस प्रतियोगिता में कुल 35 पदक अपने नाम किए, जिसमें 16 स्वर्ण, 8 रजत और 11 कांस्य शामिल हैं।

रायपुर के दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित समापन समारोह में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने झारखंड टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस दौरान दुमका के जिला खेल पदाधिकारी तूफान पोद्दार समेत कोच और खिलाड़ी मौजूद रहे। झारखंड के खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स, कुश्ती और तीरंदाजी जैसे खेलों में खासतौर पर दमदार प्रदर्शन किया। एथलेटिक्स में कई खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीतकर राज्य का गौरव बढ़ाया, वहीं कुश्ती और तीरंदाजी में भी झारखंड ने अपनी मजबूत पकड़ साबित की। पुरुष हॉकी टीम और महिला फुटबॉल टीम ने भी शानदार खेल दिखाते हुए फाइनल तक का सफर तय किया और रजत पदक अपने नाम किए। इसके अलावा तैराकी, भारोत्तोलन और कुश्ती में खिलाड़ियों ने कांस्य पदक जीतकर पदक तालिका को मजबूत बनाया।
इस उपलब्धि पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत खेल विभाग के अधिकारियों और खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों को बधाई दी है। यह प्रदर्शन न सिर्फ पदकों की संख्या में झलकता है, बल्कि आदिवासी क्षेत्रों की प्रतिभा और संघर्ष की कहानी भी बयां करता है।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा का स्थापना दिवस आज, बड़ी संख्या में नये सदस्य पार्टी से जुड़े

रांची : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में रविवार को सैकड़ों युवाओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, विधायक नवीन जायसवाल, योगेंद्रगें प्रताप और नरेंद्र सिंह सहित कई कार्यकर्ताउपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बाबूलाल मरांडी ने नये सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंनेन्हों नेकहा कि युवाओं के जुड़ने से पार्टी और मजबूत होगी। उन्होंने नेकहा कि 6 अप्रैल, सोमवार को भाजपा का स्थापना दिवस है। उससे पहले इतनी बड़ी संख्या में लोगों का पार्टी से जुड़ना सकारात्मक संकेत है। श्री मरांडी ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि झारखंड में विकास कार्य प्रभावित हैं। किसान, युवा वर्ग, सहित महिलाएं परेशान हैं। उन्होंने कार्यकताओं से बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने की अपील की। बाबूलाल मरांडी राज्य में खनिज संसाधनों की लूट और कानून व्यवस्था की स्थिति पर भी सवाल उठाये। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि भाजपा विचारधारा आधारित पार्टी है और इसका लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना है। उन्होंनेन्हों नेकेंद्र सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि गरीबों के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंनेन्हों नेआयुष्मान भारत योजना का उदाहरण देते हुए कहा कि इससे गरीबों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है। उन्होंने नेविपक्षी दलों पर वंशवाद की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि वे आम लोगों की समस्याओं को नहीं समझते। साथ ही राज्य सरकार पर भी तंज कसते हुए कहा कि बिना पैसे के सरकारी कार्यालयों में काम नहीं होता। उन्होंनेन्हों नेयुवाओं से पार्टी की विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचाने की अपील की।

राष्ट्रीय उत्सव के रूप में शहीद विश्वनाथ शाहदेव को दी गई श्रद्धांजलि

रांची : देशव्यापी कार्यक्रम के अंतर्गत आजादी के नायकों को श्रद्धांजलि स्वरूप प्रत्येक माह के पहले रविवार को राष्ट्रीय उत्सव के रूप में आयोजित किया गया। 11 वें स्मृति कार्यक्रम के तहत रविवार को अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव चौक सेक्टर तीन गोलचक्कर एचईसी, धुर्वा रांची में आयोजित किया गया। इस अवसर पर परम्परागत रुप अमर शहीद मुंडल सिंह और अमर शहीद बख्तर साय और अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव को माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में प्रमुख अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव के परिवार के वैधानिक प्रतिनिधि उतराधिकारी वंशज और झारखंड सरकार की और से गठित झारखंड सेनानी कोष के सदस्य ठाकुर प्रवीर नाथ शाहदेव, वार्ड परिषद सुचिता रानी राय, स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय नागेश्वर प्रसाद के वंशज रवी दत्त, समारोह समिति के सदस्य पप्पू चक्रवर्ती,सजल बनर्जी, निपुण कुमार, राजेश कुमार, बन्धन उरांव, संध्या सिंह सहित अन्य मौजूद थे। साथ ही 16 अप्रैल को होनेवाले अमर ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव के शहादत दिवस समारोह के आयोजन के संदर्भ में विचार विमर्श किया गया। सर्वसम्मति से निर्णय किया गया कि सामुहिक प्रयास से शहीद दिवस समारोह को सफलता पूर्वक संपन्न किया जाएगा।

महागठबंधन सरकार बालू से तेल निकालने का कर रही काम : अमित मंडल

रांची : भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) में प्रदेश प्रवक्ता सह पूर्व विधायक गोड्डा अमित मंडल ने इंडी गठबंधन सरकार को बालू एवं अवैध खनन के मुद्दे पर जमकर निशाना साधा है। मंडल ने रविवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि झारखंड में प्रति वर्ष हाईवा से मृत्यु की दर काफी चिंताजनक है। हर दिन 12 से 14 लोगों की मौत सड़क हादसे में हो रही है। वर्ष 2025 के आंकड़ों के मुताबिक अब तक 4200 लोगों की मौत हो गई है,वहीं 2023 में 4173 लोगों की मौत हो गई है और 2024 में 3659 लोगों की मौत हो गई है। यानी कोरोना काल में हुई कुल 5331 मौत से अधिक मौंत हर वर्ष हाईवे और हाई स्पीड के कारण झारखंड में हो रही है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन ने वादा किया था कि गैर आयकर दाताओं और गरीब को घर बनाने के लिए बालू मुफ्त दिया जाएगा। क्या आज झारखंड में बालू मुफ्त दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने सदन में यह भी कहा है कि एक व्यक्ति को अधिकतम 2000 सीएफटी लगभग 20 ट्रैक्टर बालू मुफ्त दिया जाएगा। क्या आज मुफ्त बालू क्षेत्र की जनता को मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने सदन के अंदर अवैध खनन पर सख्त निर्देश दिया था एवं उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक को सीधे तौर पर अवैध खनन को रोकने की जिम्मेदारी दी थी एवं प्रत्येक जिले में टास्क फोर्स बनाने की बात कही थी। साथ ही हर एक बालूघाट में सीसीटीवी लगाने की घोषणा भी की थी,परंतु आज कोई भी घोषणा धरातल पर नहीं दिख रही है। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में के राजू (जो झारखंड के कांग्रेस प्रभारी हैं) ने कई मुद्दों पर लेकर राज्य सरकार को खुद ही घेरा है। उन्होंने कहा है कि माइनिंग माफिया का प्रभाव अप्रत्याशित रूप से बढ़ा है और डीसी और एसपी सीधा माइनिंग माफिया के प्रेशर में हैं। साथ ही उन्होंने कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं। भूमि अधिग्रहण कानून का उल्लंघन भी उन्होंने राज्य सरकार पर लगाया है। सरकारी स्कूलों की बदहाल स्थिति पर भी के राजू ने चिंता जाहिर की और गठबंधन की जिम्मेदारियों पर भी उन्होंने टिप्पणी की है। वहीं दूसरी तरफ सुप्रियो भट्टाचार्य जो झामुमो के प्रवक्ता हैं, उन्होंने कांग्रेस की तुलना दोमुंहे विषैले सांप के तौर पर की है। कब कांग्रेस किसको काट ले यह कहना मुश्किल है। ऐसे में यह साफ प्रतीत होता है कि एक दूसरे को लेकर कांग्रेस,झामुमो और राजद में खींचतान की स्थिति बनी हुई है। मंडल ने सारे मुद्दे को असम चुनाव से जोड़ा है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से बिहार चुनाव में झामुमो की फजीहत कांग्रेस और राजद के द्वारा की गई थी उसी के द्वेष भावना को लेकर इस तरह की षड्यंत्र और इस तरह की बयानबाजी देखने को मिल रहा है। कहीं ऐसा तो नहीं इस अवैध कमाई के कारण कांग्रेस को जो पैसे चुनाव में जाना चाहिए था वह झामुमो ने बंद कर दिया और इसी से कांग्रेस बौखला कर इस तरह की बयानबाजी कर रही है।

एक नजर

झुमरी तिलैया में कबड्डी टूर्नामेंट का आगाज

कोडरमा : कबड्डी खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक भव्य कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। इसको लेकर कोडरमा कबड्डी लीग के पदाधिकारी चेयरमैन विशाल सिंह, टूर्नामेंट अध्यक्ष संदीप सिंहा, धर्मेंद्र सिंह द्वारा प्रेस वार्ता आयोजित रविवार को 12:30 की गई।

पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 11 टीमें भाग लेंगी, जिसमें 4 टीमें बालिका वर्ग की और 7 टीमें बालक वर्ग की होंगी। टूनार्मेंट का आयोजन लीग एवं नॉकआउट दोनों फॉर्मेट में किया जाएगा। सेमीफाइनल से पहले तक सभी मुकाबले लीग आधार पर खेले जाएंगे, जबकि सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले नॉकआउट आधार पर होंगे। इस प्रतियोगिता का शुभारंभ 7 तारीख को ट्रॉफी टूर के साथ किया जाएगा, जबकि मुख्य मुकाबले 8, 9 और 10 तारीख को आयोजित होंगे। सभी मैच शाम 6 बजे से रात 11 बजे तक खेले जाएंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कबड्डी जगत के अंतरराष्ट्रीय कोच एवं द्रोणाचार्य अवॉर्ड से सम्मानित बलवंत सिंह शामिल होंगे। इसके साथ ही भारतीय टीम के दिग्गज खिलाड़ी और एंकल होल्ड के मास्टर के रूप में प्रसिद्ध सुरेंद्र नाडा भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे। इसके अलावा झारखंड कबड्डी एसोसिएशन के महासचिव विपिन सिंह तथा झारखंड के गौरव तेज नारायण माधव की भी उपस्थिति रहेगी।

कोडरमा में दो ट्रकों की भीषण टक्कर, दो घायल

कोडरमा : थाना क्षेत्र अंतर्गत रांची-पटना मुख्य मार्ग पर रविवार सुबह नौवां माइल के पास दो ट्रकों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में प्लाई लदे ट्रक के चालक और उपचालक गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, कोयला लदा एक ट्रक रामगढ़ से बिहार की ओर जा रहा था, जिसके पीछे-पीछे प्लाई लदा दूसरा ट्रक भी उसी दिशा में बढ़ रहा था। कोडरमा घाटी के नौवां माइल के पास ढलान वाले हिस्से में प्लाई ट्रक के चालक ने आगे चल रहे कोयला ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी दौरान अत्यधिक ढलान के कारण ट्रक अनियंत्रित हो गया और चालक ब्रेक पर नियंत्रण नहीं रख सका, जिससे पीछे से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कोयला लदा ट्रक सड़क किनारे पलट गया, जबकि प्लाई लदे ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में प्लाई ट्रक में सवार बिहार के बरबीघा निवासी 22 वर्षीय सुधीर कुमार और बिट्टू कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, कोयला ट्रक का चालक खतरे को भांपते हुए पहले ही कूद गया, जिससे उसकी जान बच गई।

दुकानदारों के पक्ष में उतरे जयराम महतो पुनर्वास के बाद ही हटाने की मांग

रजरप्पा : माँ छिन्नमस्तिका मंदिर रजरप्पा क्षेत्र में चल रहे सौंदर्यीकरण कार्य के बीच दुकानदारों को जारी अतिक्रमण नोटिस ने स्थानीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। इस संवेदनशील मुद्दे पर टाइगर जयराम महतो ने हस्तक्षेप करते हुए प्रशासन से मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की अपील की है। अंचल अधिकारी चितरपुर द्वारा अतिक्रमण वाद संख्या 01/2026 के तहत कई दुकानदारों को नोटिस जारी कर 8 अप्रैल 2026 को अंचल कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया गया है। प्रशासन के अनुसार संबंधित भूमि बिहार लोक भूमि अतिक्रमण अधिनियम 1956 के अंतर्गत सार्वजनिक श्रेणी में आती है। नोटिस मिलने के बाद वर्षों से यहां व्यवसाय कर रहे दुकानदारों के सामने रोजगार संकट खड़ा हो गया है। उनका कहना है कि अचानक हटाए जाने से उनके परिवार की आजीविका पर सीधा असर पड़ेगा।

रामगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई लेवी गैंग के सात अपराधी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पतरातु : रामगढ़ पुलिस ने एक बार फिर संगठित अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए लेवी वसूली और फायरिंग की साजिश रच रहे गिरोह के सात सदस्यों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में दहशत फैलाने वाले अपराधियों के मंसूबों पर पानी फिर गया है और आम लोगों ने राहत की सांस ली है। 5 अप्रैल 2026 को पुलिस अधीक्षक अजय कुमार को गुप्त सूचना मिली कि MGCPL कंपनी के कैंप के मुख्य गेट पर 29 मार्च को हुई फायरिंग के बावजूद कंपनी ने बिना लेवी दिए ओवरब्रिज निर्माण कार्य दोबारा शुरू कर दिया है। इससे नाराज राहुल दुबे गिरोह के सदस्य दोबारा फायरिंग की योजना बना रहे हैं और पतरातू अनुमंडल क्षेत्र में वाहन से घूम-घूमकर रेकी कर रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की गई। सहायक पुलिस अधीक्षक-सह-अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गौरव गोस्वामी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई और सभी थाना व ओपी प्रभारियों को एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। पतरातू ओवरब्रिज के पास घेराबंदी, फिल्मी अंदाज में पीछा पुलिस टीम ने पतरातू अनुमंडल के विभिन्न स्थानों पर लगातार वाहन जांच अभियान चलाया। इसी दौरान पतरातू रेलवे ओवरब्रिज फाटक के पास भुरकुंडा की ओर से आ रही एक कार (नंबर JH01FF2503) और उसके पीछे चल रही मोटरसाइकिल को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखते ही दोनों वाहन चालक घबराकर भागने लगे। मोटरसाइकिल सवार दो लोग यू-टर्न लेकर फरार हो गए, जबकि कार चालक वाहन को पीछे करने के दौरान सड़क किनारे रखे लोहे के गार्डर से टकरा गया। दुर्घटना के बाद कार सवार तीन लोग भागने लगे, लेकिन पुलिस ने पीछा कर उन्हें मौके पर ही पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तुषार सिंह (20 वर्ष), मिथुन कुमार (28 वर्ष) और अमन अंसारी (18 वर्ष) के रूप में हुई। तलाशी के दौरान तुषार सिंह के पास से एक लोडेड देशी रिवॉल्वर और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। इसके अलावा तीनों के पास से मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। हथियार के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जा सका। पूछताछ में तीनों ने स्वीकार किया कि 29 मार्च को ओवरब्रिज निर्माण स्थल पर हुई फायरिंग में वे शामिल थे और यह सब राहुल दुबे के निर्देश पर किया गया था। पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि गिरोह के पास और भी हथियार मौजूद हैं, जिन्हें अन्य साथियों के पास रखा गया है। आरोपी दूसरी बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी में थे। मोटरसाइकिल से भागे दो व्यक्तियों के बारे में बताया गया कि उन्हें भुरकुंडा में मिलना था और कोड वर्ड के जरिए पहचान कर उन्हें साथ लेकर घटना स्थल तक जाना था। यह पूरी साजिश पहले से प्लान की गई थी।

झोलाछाप डॉक्टर ने ली महिला की जान, डॉक्टर फरार, क्लीनिक सिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जयनगर प्रखंड के पिपचो बाजार स्थित एक निजी क्लीनिक में इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई मृत्यु का की पहचान निमाड़ीह निवासी सोहवा देवी पति रामी महतो उम्र लगभग 50 वर्ष के रूप में हुई। झोलाछाप डॉक्टर मतीन खान महिला के नस में दो इंजेक्शन लगाए इसके कुछ छन के बाद महिला की मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही मृतका के परिजन दहाड़ मार मार के रोने लगे। घटना की जानकारी मिलते ही अंचल अधिकारी सारांश जैन, इंस्पेक्टर सुजीत कुमार, थाना प्रभारी विकास कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुचे। प्रशासन ने निजी क्लीनिक को सील कर दिया वहीं मृतक के परिजन झोलाछाप डॉक्टर से मैनेज करते हुए अपना बयान को बदल रही है। प्रश्न खड़ा होता है क्या किसी इंसान की जान की कीमत लगाकर मामला को रफा दफा किया जा सकता है? इस घटना को लेकर सिविल सर्जन कोडरमा अनिल कुमार ने कहा मृतक के परिजन के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जांच के उपरांत किसी भी सूरत में दोषी डॉक्टर को बक्सा नहीं जाएगा। इस प्रकार की घटना घटने से झोलाछाप डॉक्टरों में हड़कंप मचा सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार 460000 में मृतका महिला का सौदा हो गया। परिजन शव को लेकर अपने घर निमाड़ीह चले गए। इसकी भनक जब प्रशासन को लगा तो मृतिका का निवास निमाड़ीह से 12 बजे रात्रि शव को जयनगर पुलिस अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल कोडरमा भेज दिया अब देखना है मामला रफा दफा हो जाता है या झोलाछाप डॉक्टर पर करवाई होती है या नहीं।

पतरातू में फिर गूंजी गोलियां कानून-व्यवस्था पर उठे सवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पतरातू : पतरातू थाना क्षेत्र में अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद होते नजर आ रहे हैं। शनिवार की सुबह ओसाम दूध फैक्ट्री गेट के पास हुई फायरिंग की घटना ने एक बार फिर इलाके की कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से स्थानीय लोगों में डर और असुरक्षा का माहौल गहरा गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक बाइक पर सवार दो नकाबपोश अपराधी हेलमेट पहनकर फैक्ट्री गेट के पास पहुंचे और अचानक हवा में कई राउंड फायरिंग कर दी। गोली चलने की आवाज से आसपास के लोग घबरा गए और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी आसानी से फरार हो गए। इस दौरान किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। लगातार हो रही फायरिंग की घटनाओं से स्थानीय लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि सुबह के समय इस तरह की घटना होना बेहद चिंताजनक है और यह दशार्ता है कि अपराधियों में पुलिस का डर खत्म होता जा रहा है। घटना के बाद पुलिस की ओर से अब तक कोई स्पष्ट बयान सामने नहीं आया है। पुलिस की चुप्पी को लेकर लोगों में नाराजगी भी देखी जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि लगातार घटनाएं होने के बावजूद अपराधियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं हो पा रही है। गौरतलब है कि इससे पहले 27 मार्च को पतरातू रेलवे फाटक के पास ओवरब्रिज निर्माण स्थल पर एक सुरक्षा गार्ड को गोली मार दी गई थी।

खेल के मैदान के अभाव में दम तोड़ता चंदवारा के युवाओं का भविष्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : चंदवारा प्रखंड की दो सबसे चर्चित पंचायतों–पूर्वी और पश्चिमी चंदवारा–में इन दिनों भारी जन-आक्रोश देखा जा रहा है। यह आक्रोश किसी राजनीतिक दल के खिलाफ नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य के साथ हो रहे खिलवाड़ के खिलाफ है। बताते चलें कि इन दोनों पंचायतों को मिलाकर लगभग 3 से 4 हजार युवाओं की आबादी है। इनमें से सैकड़ों युवा ऐसे हैं जिनकी आँखों में देश सेवा सेना और पुलिस भर्ती का सपना है। लेकिन विडंबना देखिए इतनी बड़ी आबादी के बीच एक भी खेल का मैदान नसीब नहीं है। मैदान के अभाव में युवा न तो दौड़ लगा पा रहे हैं और न ही शारीरिक व्यायाम कर पा रहे हैं। जब मैदान नहीं मिलता, तो युवाओं की ऊर्जा गलत दिशा में जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मैदान न होने के कारण युवा दिन भर मोबाइल गेम्स और अन्य रास्तों पर भटक कर अपना कीमती युवापन बर्बाद कर रहे हैं। शारीरिक मेहनत न कर पाने के कारण उनके स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है। सबसे बड़ा सवाल क्षेत्र के मुखिया, विधायक और सांसद पर उठता है। आखिर क्यों इस बुनियादी समस्या को आज तक गंभीरता से नहीं लिया गया युवाओं का कहना है कि चुनाव के समय बड़े-बड़े दावे करने वाले नेता अब मौन साधे बैठे हैं। हमें मोबाइल नहीं मैदान चाहिए। अगर हमें तैयारी करने की जगह नहीं मिली तो हम आने वाले समय में जनप्रतिनिधियों से जवाब मागेंगे। स्थानीय युवाओं का आक्रोश युवाओं की मांग है कि प्रशासन और प्रतिनिधि जल्द से जल्द जमीन चिह्नित कर खेल मैदान का निर्माण सुनिश्चित करें, ताकि चंदवारा के युवाओं का भविष्य सुरक्षित हो सके। अब देखना यह है कि क्या स्थानीय प्रतिनिधि इस चुनौती को स्वीकार करते हैं या युवा इसी तरह उपेक्षित रहेंगे।

रामगढ़ में धनंजय पुटूस का 36वां जनता दरबार, समस्याओं पर त्वरित पहल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ में आम लोगों की समस्याओं के समाधान को लेकर एक बार फिर जनसंपर्क की मिसाल देखने को मिली। भाजपा नेता एवं सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार पुटूस द्वारा फ्हरर कार्यालय में 36वां जनता दरबार आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोग अपनी समस्याएं और सुझाव लेकर पहुंचे। जनता दरबार में स्ट्रीट लाइट, पेयजल, रोजगार और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। विभिन्न पंचायतों और वार्डों से आए लोगों ने अपनी परेशानियां सीधे रखीं, जिसे गंभीरता से सुनते हुए धनंजय पुटूस ने संबंधित विभागों से संपर्क कर त्वरित समाधान का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं को सीधे सुनना और उनका शीघ्र निवारण सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि कई मामलों में तत्काल पहल की गई है, जबकि शेष मामलों को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित विभागों को भेजा गया है। धनंजय पुटूस ने कहा कि जनप्रतिनिधि होने का मतलब केवल पद नहीं, बल्कि लोगों की सेवा करना है। उन्होंने कहा कि वे लगातार क्षेत्रवासियों के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझने और समाधान निकालने का प्रयास करते रहेंगे। जनता दरबार में दूर-दराज के गांवों और वार्डों से आए लोगों की अच्छी-खासी भागीदारी देखने को मिली। लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से उनकी आवाज सीधे जनप्रतिनिधियों तक पहुंचती है। कार्यक्रम को सफल बनाने में RBSS के कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने लोगों की समस्याओं को व्यवस्थित तरीके से दर्ज कर अधिकारियों तक पहुंचाने में सहयोग किया।

मरकच्चो में भाजपा कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न, संगठन मजबूती पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : मरकच्चो प्रखंड क्षेत्र के ग्राम डोंगो डीह में भारतीय जनता पार्टी भाजपा मंडल नावडीह1 द्वारा कृष्णा सदन में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन रविवार को शुरू किया गया। इस प्रशिक्षण में मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कोडरमा विधायक डॉक्टर नीरा यादव, जिला अध्यक्ष अनूप योशी , मंडल प्रभारी गोपाल कुमार गुतुल,भा ज पा जिला उपाध्यक्ष राजकुमार यादव, भा ज पा महा मंत्री बिजय यादव,भा ज पा के वरिष्ठ नेता प्रकाश राम,बेदु साव, मंडल अध्यक्ष सुनील यादव,पवन सिंह, अर्जुन यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सर्वप्रथम उपस्थित नेताओं व कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान पार्टी की नीतियों, संगठन की मजबूती, बूथ स्तर तक विस्तार तथा आगामी चुनाव की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम को कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव व वक्ताओं ने अपने सम्बोधन में कार्यकताओं को अनुशासन, समर्पण एवं सेवा भावना के साथ संगठन को मजबूत बनाने का संदेश दिया। प्रशिक्षण के विभिन्न क्षेत्रों में पार्टी के इतिहास, विचारधारा एवं केंद्र सरकार की उपलब्धियां की जानकारी दी गई। साथ ही कार्यकताओं को सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग एवं जनसंपर्क बढ़ाने के गुरु भी सिखाए गए। इस अवसर पर बैजनाथ रॉय, सहदेव मोदी, वीरेंद्र वर्णवाल, चुरामन साव, सिकन्दर पंडित, बहादुर साव, हरि साव, शिवराम यादव, अजित यादव, उपेंद्र राणा, सबिता देवी, सरिता देवी सहित कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चंदवारा डिग्री कॉलेज में दो दिवसीय भाजपा प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

कोडरमा : प्रदेश भाजपा के निदेर्शानुसार चंदवारा डिग्री कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम रविवार को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा कोडरमा जिलाध्यक्ष अनूप जोशी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण सत्र के दौरान वक्ता के रूप में दिनेश्वर प्रसाद, विजय यादव, नितेश चंद्रवंशी, सुधीर सिंह, बिरेन्द्र सिंह, बैजनाथ यादव और अरुण बर्नवाल ने कार्यकताओं को विभिन्न राजनीतिक, संगठनात्मक एवं वैचारिक विषयों पर मार्गदर्शन दिया। वक्ताओं ने संबोधन में संगठन की मजबूती, कार्यकर्ता विकास, पार्टी की रीति-नीति, जनसंपर्क अभियान तथा बूथ स्तर पर टीम को सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि एक सक्रिय और प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही संगठन का वास्तविक आधार होता है। मौके पर जिला सांसद प्रतिनिधि बंटी मोदी, विधायक प्रतिनिधि लक्ष्मण प्रसाद यादव, मंडल अध्यक्ष नंदकिशोर सोनी, धर्मेंद्र राणा, उमेश सोनी, मंत्री मुन्ना मोदी, ओबीसी मोर्चा वासुदेव साव, सदस्य दशरथ यादव, दिलीप यादव, सदस्य बाबूलाल साहू, सुरेश यादव, विनोद राम, बैजू सिंह, विजय रविदास, अशोक स्वर्णकार, संतोष यादव,रामावतार यादव, रमन यादव समेत अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

जद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव का सुभाष चौक पर भव्य स्वागत

कोडरमा : राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव का 4 अप्रैल को देर रात राजद जिलाध्यक्ष महेन्द्र यादव एवं नगर परिषद के उपाध्यक्ष मनोहर राम के नेतृत्व में झुमरीतिलैया के सुभाष चौक पर भव्य स्वागत किया गया। सड़क मार्ग से रांची के लिए निकले राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव का कोडरमा राजद कार्यकर्ताओ ने ढ़ोल बाजे के साथ स्वागत किया।साथ ही 51 किलो का माला पहनाकर सम्मानित किया। तेजस्वी प्रसाद यादव सुभाष चौक पर काफिला को रोककर कार्यकर्ताओ का अभिनंदन स्वीकार किया एवं रांची के लिए प्रस्थान किया। मौके पर सौरभ यादव,मो मुबारक,सतेंद्र यादव,वार्ड पार्षद नारायण यादव,सोनू चंद्रवंशी,किशोरी यादव,पिंटू यादव, बब्लू पांडेय, मोहन यादव, संजय यादव, संदीप यादव, जैकी यादव, प्रकाश यादव,चुन्नू मंसूरी समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

आंगनबाड़ी यूनियन का जिला सम्मेलन संपन्न, संतोषी अध्यक्ष, बेबी बनी सचिव

झुमरीतिलैया : झारखंड राज्य आंगनबाड़ी सेविका सहायिका यूनियन (सीटू) का तीसरा जिला सम्मेलन रविवार को साहु धर्मशाला में संपन्न हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता शोभा प्रसाद, विमला देवी और संतोषी देवी की तीन सदस्यीय अध्यक्ष मंडल ने किया। सम्मेलन का उदघाटन करते हुए सीटू के जिलाध्यक्ष प्रेम प्रकाश ने कहा कि सेविका सहायिका जितना काम करती है, उसका उचित मानदेय नहीं मिलता है। इसलिए संघर्ष ही रास्ता है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए आंगनबाड़ी यूनियन की प्रदेश अध्यक्ष मीरा देवी ने कहा कि एफआरएस के नाम पर आंगनबाड़ी कार्यकताओं का शोषण हो रहा है। उनके मानदेय रोके जा रहे हैं। जो बिल्कुल अन्याय है। कोडरमा से महिला एवं बाल विकास मंत्री होने के बावजूद सेविका की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। मुख्य वक्ता सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान ने कहा कि केंद्र सरकार अपने कॉरपोरेट पक्षीय एजेंडे को जारी रखते हुए मजदूरों को गुलाम बनाने वाली चार लेबर कोड को लागू करने पर आमदा है। जिसका उद्देश्य आम जनता की बुनियादी लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों पर रोक लगाकर जनवादी आंदोलनों को कुचलना है। आंगनबाड़ी में गैस सिलेंडर नहीं दिया जा रहा है। जिससे बच्चों का पोषाहार बाधित हो सकता है। जिला प्रशासन को इस पर ध्यान देने की जरूरत है। सेविका सहायिकाओं की समस्याओं को लेकर आगे और तीखा आंदोलन के लिए हमें तैयार रहना होगा। इसके लिए हमे संगठन को मजबूत करना होगा। सम्मेलन के अंत में सर्वसम्मति से 31 सदस्यीय नई जिला कमिटी का चुनाव किया गया। जिसमें संतोषी देवी अध्यक्ष, बेबी कुमारी सचिव, उर्मिला देवी कोषाध्यक्ष, शोभा प्रसाद, वर्षा रानी, विमला देवी व चिंतामणी देवी उपाध्यक्ष, मंजू मेहता, कुमारी अनामिका, दीपा, संध्या वर्णवाल व रेखा देवी संयुक्त सचिव के अलावा नीलम यादव, अर्चना देवी, सरिता, तर्रनुम प्रवीण, मुन्नी यादव, ललिता देवी, गंगोत्री सिन्हा, सुषमा देवी, संध्या कुमारी, कंचन देवी, रानी कुमारी, ललिता देवी आदि जिला कमिटी सदस्य चुने गए। सम्मेलन में जिले के सभी परियोजना से चुने हुए प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

चितरपुर में लगा विधिक जागरूकता शिविर मुफ्त कानूनी सहायता का मिला भरोसा

चितरपुर : आम लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और न्याय तक उनकी आसान पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रामगढ़ द्वारा रविवार को चितरपुर बाजार के समीप एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली के निर्देश पर चलाए जा रहे डोर टू डोर अभियान के तहत आयोजित किया गया। शिविर का संचालन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार मो. तौफीकुल हसन तथा सचिव अनिल कुमार के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान अधिकार मित्रों ने लोगों से सीधे संवाद स्थापित कर उन्हें उनके कानूनी अधिकारों की विस्तृत जानकारी दी। शविर में बताया गया कि जो लोग आर्थिक रूप से सक्षम नहीं हैं और निजी अधिवक्ता की फीस वहन नहीं कर सकते, उन्हें सरकार की ओर से जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से नि:शुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराया जाता है। इससे वे अपने मामलों में प्रभावी ढंग से न्याय प्राप्त कर सकते हैं। लोगों को यह भी जानकारी दी गई कि नालसा की टोल फ्री हेल्पलाइन 15100 पर संपर्क कर मुफ्त कानूनी सलाह ली जा सकती है। इसके अलावा पारिवारिक विवाद, बिजली, बैंकिंग और अन्य सुलह योग्य मामलों के त्वरित निपटारे के लिए लोक अदालत का विकल्प भी सुझाया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई, ताकि वे इनका लाभ उठा सकें और अपने जीवन स्तर को बेहतर बना सकें।

ईस्टर संडे पर रामगढ़ में गूंजीं प्रार्थनाएं दिवंगतों को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

रामगढ़ : ईस्टर संडे के पावन अवसर पर रामगढ़ जिले में मसीही समुदाय ने गहरी आस्था और श्रद्धा के साथ विशेष प्रार्थना सभाओं का आयोजन किया। प्रभु यीशु मसीह के पुनरुत्थान दिवस के रूप में मनाए जाने वाले इस पर्व पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हुए और आध्यात्मिक वातावरण में अपने दिवंगत परिजनों को याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के तहत तड़के सुबह से ही लोग सीएनआई कैथा कब्रिस्तान पहुंचे। यहां धार्मिक परंपराओं के अनुसार सामूहिक प्रार्थना की गई। श्रद्धालुओं ने अपने प्रियजनों की कब्रों के पास मोमबत्तियां जलाकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उन्हें नम आंखों से याद किया। कब्रिस्तान परिसर में शांति और श्रद्धा का अनोखा दृश्य देखने को मिला, जहां हर व्यक्ति अपने दिवंगत परिजनों की स्मृतियों में खोया नजर आया। पूरे आयोजन के दौरान वातावरण अत्यंत शांत, अनुशासित और आध्यात्मिक बना रहा। उपस्थित लोगों ने एकजुट होकर प्रेम, शांति और भाईचारे का संदेश दिया। समुदाय के लोगों का कहना था कि ईस्टर केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि यह नई आशा, जीवन और सकारात्मकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ऐसे अवसर समाज में आपसी सद्भाव और एकता को मजबूत करने का काम करते हैं और लोगों को एक-दूसरे के करीब लाते हैं। ईस्टर संडे का यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक रहा, बल्कि जीवन में आशा और विश्वास बनाए रखने का भी संदेश देता नजर आया।

एक नजर

रक्तदान शिविर में 20 यूनिट रक्त संग्रह 50 पौधों का वितरण

पूर्वी सिंहभूम : आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल और जमशेदपुर ब्लड सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को आयोजित दो घंटे के रक्तदान शिविर में समाजसेवा की मिसाल देखने को मिली। शिविर के दौरान कुल 20 यूनिट रक्त संग्रह किया गया, वहीं पर्यावरण संरक्षण के संदेश के तहत 50 पौधों का वितरण भी किया गया। शिविर में शामिल रक्तदाताओं ने निस्वार्थ भाव से रक्तदान कर मानव सेवा का परिचय दिया। इस अवसर पर सुनील आनंद ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के कर्मयोग के सिद्धांत से प्रेरित होकर रक्तदान करना एक निष्काम सेवा है। उन्होंने बताया कि बिना किसी फल की इच्छा के किया गया कार्य ही सच्चा कर्मयोग है और ऐसे कार्यों में ईश्वर स्वयं साक्षी होते हैं। उनके अनुसार, जो लोग निस्वार्थ भाव से रक्तदान करते हैं, वे ईश्वर कोटि के मनुष्य हैं क्योंकि वे दूसरों के कष्ट दूर करने के लिए अपना योगदान देते हैं। कार्यक्रम के दौरान टाटा वर्कर्स यूनियन के कमिटी मेंबर ज्ञान रंजन श्रीवास्तव ने रक्तदाताओं को पौधे और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। पूरे आयोजन में सेवा, समर्पण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रमुख रूप से देखने को मिला।

रक्तदान सामाजिक जिम्मेदारी : डॉ. एसएन चौधरी

लोहरदगा : वोलेंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन और इमरजेंसी केयर के संयुक्त तत्वावधान में नगर भवन में सुरक्षित रक्तदान को लेकर आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम का रविवार को समापन हुआ।सम्मान समारोह एवं जागरूकता कार्यक्रम के दूसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में रांची के प्रसिद्ध ऑर्थो सर्जन डॉ. विशाल, गुमला के सिविल सर्जन डॉ. शंभू नाथ चौधरी, प्रसिद्ध व्यवसायी विवेक अग्रवाल सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए। मौके पर गुमला के सिविल सर्जन डॉ. शंभू नाथ चौधरी ने कहा कि रक्तदान सामाजिक जिम्मेदारी है। आज प्रतिदिन मरीजों को जितनी रक्त की आवश्यकता होती है, हम उतना उपलब्ध नहीं करा पाते हैं। ऐसे में नियमित रक्तदान अत्यंत आवश्यक हो जाता है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी स्थिति बनने ही नहीं देनी चाहिए कि किसी को रक्त के लिए परेशान होना पड़े। रांची के ऑर्थो सर्जन डॉ. विशाल ने कहा कि रक्तदाता समूह एक स्वस्थ समाज की आवश्यकता है। हमें अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़कर दूसरों की मदद करनी चाहिए। रक्तदान से बढ़कर कोई मानवीय कार्य नहीं है। व्यवसायी विवेक अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान के क्षेत्र में इमरजेंसी केयर ने सराहनीय कार्य किया है और आगे भी टीम भावना से कार्य करने की जरूरत है।

पिकअप चालक की बाइक से गिरकर मौत

पलामू : गढ़वा जिले के ओबरा में बहन के घर से अपने एक साथी के साथ बाइक से लौट रहे पिकअप चालक की गढ़वा के कितासोती गांव के पास सड़क हादसे में शनिवार रात मौत हो गई। उसका साथी बाल बाल बचा। गढ़वा में ही उसे इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। युवक की पहचान पलामू जिले चैनपुर थाना क्षेत्र के रबदा केवालपर गांव निवासी गोलू उर्फ अमरेश कुमार विश्वकर्मा के रूप में हुई है। रविवार दोपहर शव का पोस्टमार्टम मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में किया गया। यहां परिजनों ने बताया कि गोलू विश्वकर्मा अपने साथी पंकज विश्वकर्मा के साथ मोटरसाइकिल से शनिवार शाम गढ़वा के ओबरा बहन के घर गया था। वहां से रात 8 से 9 बजे के बीच लौट रहा था। रास्ते में कितासोती गांव के पास उसकी बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में गंभीर रूप से जख्मी होने के कारण उसे इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में ले जाया गया, वहां कुछ देर इलाज के बाद एमएमसीएच रेफर कर दिया गया। यहां लाने पर उसकी मौत हो गई।

असफलता से टूटना नहीं, भागीदारी ही सफलता की कुंजी : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : छत्तीसगढ़ में आयोजित खेलो इंडिया राष्ट्रीय जनजातीय खेल एवं चंडीगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय रिले चैंपियनशिप के सेंटर आफ एक्सिलेंस (एथलेटिक्स) चंदनकियारी के 11 खिलाड़ियों को मा. विधायक चंदनकियारी उमाकांत रजक एवं उपायुक्त अजय नाथ झा ने गोपनीय स्थित कार्यालय कक्ष में किया सम्मानित। छत्तीसगढ़ में आयोजित खेलो इंडिया राष्ट्रीय जनजातीय खेल एवं चंडीगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय रिले चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चंदनकियारी के खिलाड़ियों ने न केवल जिले बल्कि पूरे राज्य का नाम गौरवान्वित किया है। इन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को रविवार को गोपनीय स्थित कार्यालय कक्ष में माननीय विधायक चंदनकियारी उमाकांत रजक एवं उपायुक्त अजय नाथ झा द्वारा पौधा झअंग वस्त्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मौके पर सभी खिलाड़ियों के साथजिला खेल पदाधिकारी हेमलता बून, कोचआशु भाटिया व खेल मित्रों को भी सम्मानित किया गया।

यह अंतिम उपलब्धि नहीं, एक नई शुरूआत: विधायक

मौके पर विधायक उमाकांत रजक ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सफलता उनकी यात्रा का अंतिम उपलब्धि नहीं, बल्कि एक नई शुरूआत है। उन्होंने कहा कि आपकी उपलब्धियां यह साबित करती हैं कि सीमित संसाधनों के बावजूद मजबूत इच्छाशक्ति से बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है। अब लक्ष्य और ऊंचा रखें और देश के लिए खेलें। उन्होंने खिलाड़ियों कोअनुशासन, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास बनाए रखने की सलाह दी। मा. विधायक ने खिलाड़ियों को व्यावहारिक सुझाव देते हुए कहा कि वे बालू (रेत) में दौड़ लगाकर अभ्यास करें, जिससे उनकी ताकत, संतुलन और सहनशक्ति में वृद्धि होगी। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, उपकरण और अन्य आवश्यक संसाधनों की हर संभव सुविधा प्रदान करेगा। मौके पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने सपनों को सीमित नहीं रखें, बल्कि आंधी की तरह आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि आप सभी जिले की पहचान हैं। अब आपका लक्ष्य राष्ट्रीय - अंतरराष्ट्रीय स्तर होना चाहिए। बड़े खिलाड़ियों के खेल को देखें, उनसे सीखें और खुद को उस स्तर तक तैयार करें। उपायुक्त ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल में हार - जीत दोनों महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि असफलता से कभी टूटना नहीं चाहिए, भागीदारी ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि यही अनुभव आगे चलकर सफलता का आधार बनता है। कहा कि वे अपने प्रदर्शन को केवल व्यक्तिगत उपलब्धि तक सीमित नहीं रखें, बल्कि जिला - राज्य और देश का नाम रोशन करने के लक्ष्य के साथ खेलें। इन राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कीं। जिसमें शिव कुमार सोरेन 100 मीटर, 200 मीटर एवं 4.100 मीटर मिश्रित रिले में स्वर्ण पदक, नेहा खालखो 10,000 मीटर वॉक में स्वर्ण पदक, आशा किरण बरला 4.400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक, अरश्नान अली 4.100 मीटर मिश्रित रिले में स्वर्ण एवं 4.100 मीटर में कांस्य पदक, दीपक टोप्पो 4.100 मीटर रिले में रजत पदक, अनामिका उरांव 200 मीटर में रजत पदक, जैकलिन खेस 4.400 मीटर रिले में कांस्य पदक शामिल है।

सरना धर्म समाज का हो संरक्षण : बगरय मुंडा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : सरना धर्म सोतो समिति शाखा दुलवा के सरना स्थल में रविवार को सरहुल पूजा महासमिति के तत्वावधान में भगवान सिंगबोगा की पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर समाज की सुख, शांति और खुशहाली की कामना की गई। कार्यक्रम के दौरान धर्मगुरु बगरय मुण्डा ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने जिस समृद्ध और संगठित समाज की कल्पना की थी, वह आज भी पूरी तरह साकार नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में धार्मिक और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के कारण सामाजिक-धार्मिक परंपराओं और रीति-रिवाजों पर प्रभाव पड़ रहा है, जिससे कई लोग अपने मूल धर्म और संस्कृति से दूर होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज भी समाज का एक वर्ग शोषण, जुल्म, अन्याय और अत्याचार का शिकार हो रहा है। वहीं दूसरी ओर समाज में व्याप्त कुरीतियां, धार्मिक आडंबर और अंधविश्वास भी लोगों को प्रभावित कर रहे हैं।

धर्मगुरु बगरय मुण्डा ने कहा कि सरना धर्म की पहचान, संरक्षण और संवर्धन के लिए सामाजिक और धार्मिक व्यवस्थाओं में एकरूपता लाना जरूरी है। उन्होंने सामाजिक संगठनों के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकार से सरना धर्म को संवैधानिक दर्जा दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की, ताकि सरना धर्म समाज का संरक्षण और संवर्धन सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर सनिका तिड़ू, जितू पाहन, मथुरा कंडीर, मंगरा ढोडराय, बुधराम सिंह मुण्डा, चैतन मुण्डा, गोपाल मुण्डा, सिनु मुण्डा सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

पत्रकार को जान से मारने की धमकी, थाना में दिया आवेदन

अवैध पत्थर परिवहन माफिया और कथित पुलिस संलिप्तता का आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में अवैध पत्थर खनन और फर्जी माइनिंग चालान के खिलाफ खबर लिखने वाले एक पत्रकार को जान से मारने, झूठे मुकदमे में फंसाने और एक्सीडेंट कराने की धमकी मिलने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़ित पत्रकार ने नगर थाना पाकुड़ में लिखित शिकायत देकर सुरक्षा की गुहार लगाई है। पुलिस को अपने दिए आवेदन में पत्रकार मैनुल हक ने कहा हाल ही में पाकुड़झ्रदुमका मुख्य सड़क पर फर्जी माइनिंग चालान के जरिए हो रहे अवैध पत्थर परिवहन के खिलाफ उन्होंने समाचार प्रकाशित किया था। पत्रकार का आरोप है कि इस खुलासे के बाद अवैध कारोबार से जुड़े माफिया और उनसे कथित रूप से जुड़े कुछ पुलिस अधिकारी उनके खिलाफ साजिश रच रहे हैं। उन्हें लगातार जान से मारने, झूठे केस में फंसाने और सड़क दुर्घटना के जरिए नुकसान पहुंचाने की धमकियां दी जा रही हैं। इतना ही नहीं, आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि उनके और उनके परिवार के खिलाफ सोशल मीडिया पर फर्जी पोस्ट, फोटो, वीडियो और ऑडियो वायरल करने की साजिश रची जा रही है, ताकि उनकी छवि को धूमिल किया जा सके। इस साजिश में कुछ तथाकथित पत्रकारों के शामिल होने की भी उन्होंने आशंका जताई है। पीड़ित ने पुलिस प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और अपनी व अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। इस घटना के सामने आने के बाद जिले में पत्रकारों की सुरक्षा और अवैध खनन के खिलाफ उठती आवाजों को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

दुर्गम गांवों तक पहुंची सेवा की रोशनी, गरीब बेटियों को मिला लहंगा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : विकास की मुख्यधारा से अब तक अछूते रहे दुर्गम क्षेत्रों में भी अब सेवा और सहयोग का संदेश पहुंचने लगा है। यह बात बरही विधानसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव ने कही। उन्होंने बताया कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के प्रयासों से दूर-दराज के गांवों तक भी सरकारी योजनाओं और जनसेवा की पहल का लाभ पहुंचाया जा रहा है। इसी क्रम में सांसद की पहल पर गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह को ध्यान में रखते हुए लहंगा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम प्रखंड मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर स्थित सिकदा, ढोढीया, मोरानिया और करगा जैसे दुर्गम गांवों में संपन्न हुआ।

इन क्षेत्रों में अब भी सड़क, बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं पूरी तरह विकसित नहीं हो सकी हैं, जिससे यहां तक पहुंचना काफी चुनौतीपूर्ण बना रहता है। चारों ओर जंगल, पहाड़ और नदियों से घिरे इन गांवों में आयोजित कार्यक्रम के दौरान चार जरूरतमंद बच्चियों को लहंगा प्रदान किया गया। लहंगा पाकर बच्चियों के चेहरे खिल उठे, वहीं उनके परिजन भी भावुक और प्रसन्न नजर आए। ग्रामीणों ने सांसद के प्रति आभार जताते हुए उनके स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामना की। इस दौरान सांसद मनीष जायसवाल ने मोबाइल के माध्यम से बच्चियों को आशीर्वाद भी दिया। कार्यक्रम में मुकुंद साव, खेमलाल खेरवार, बिनोद भोक्ता, प्रदीप भोक्ता, रामेश्वर सिंह समेत कई गणमान्य लोग एवं स्थानीय महिलाएं उपस्थित रहीं।

लंबी कतारों के बीच चौपारण में गैस वितरण सुचारू, एमओ खुद संभाले रहे मोर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : जिला खाद आपूर्ति पदाधिकारी के निर्देश पर प्रखंड क्षेत्र में गैस वितरण को लेकर विशेष व्यवस्था लागू की गई है। इस क्रम में प्रखंड के आपूर्ति पदाधिकारी (एमओ) विक्रम पाण्डेय सुबह से ही सक्रिय नजर आए और उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराने में जुटे रहे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एचपी गैस एजेंसी द्वारा 31 मार्च 2026 से 1 अप्रैल 2026 के बीच बुकिंग कराने वाले उपभोक्ताओं को निर्धारित तिथि पर गैस सिलेंडर का वितरण किया जा रहा है। वितरण केंद्र पर सुबह से ही उपभोक्ताओं की लंबी कतार देखी गई, जहां लोग अपने-अपने क्रम के अनुसार सिलेंडर लेने पहुंचे थे। भीड़ को देखते हुए व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन एवं संबंधित कर्मियों द्वारा लगातार निगरानी की जा रही थी। एमओ विक्रम पाण्डेय स्वयं मौके पर मौजूद रहकर पूरे वितरण कार्य की मॉनिटरिंग करते दिखे, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो और सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस मिल सके। हालांकि अधिक भीड़ के कारण कुछ उपभोक्ताओं को इंतजार करना पड़ा, लेकिन प्रशासन की सक्रियता के चलते वितरण कार्य सुचारू रूप से चलता रहा। उपभोक्ताओं ने भी व्यवस्था पर संतोष जताते हुए उम्मीद व्यक्त की कि भविष्य में भी इसी तरह समय पर गैस की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

बारिश में भी दौड़ा रामगढ़, 'दौड़ेगा रामगढ़' मिनी मैराथन बना ऐतिहासिक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : खेल भावना, फिटनेस और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित दौड़ेगा रामगढ़, बढ़ेगा रामगढ़ मिनी मैराथन रविवार को भारी बारिश के बावजूद ऐतिहासिक रूप से सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। हजारों की संख्या में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर इस आयोजन को यादगार बना दिया। सुबह निर्धारित समय पर जैसे ही दौड़ शुरू हुई, तेज बारिश ने चुनौती पेश की, लेकिन प्रतिभागियों का उत्साह कम नहीं हुआ। बारिश में भी दौड़ते युवाओं और बच्चों का जोश यह साबित कर रहा था कि रामगढ़ में फिटनेस के प्रति नई जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। आयोजन के दौरान रामगढ़ पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। पूरे रूट पर पीसीआर, पैंथर मोबाइल और एंबुलेंस तैनात रही। विभिन्न चौक-चौराहों पर पुलिस बल की मौजूदगी और ट्रैफिक नियंत्रण के बेहतर प्रबंधन से आयोजन पूरी तरह सुरक्षित और व्यवस्थित रहा। मैराथन के दौरान पूरे शहर में उत्सव जैसा दृश्य देखने को मिला। जगह-जगह नागरिक सड़कों पर उतरकर धावकों का उत्साहवर्धन करते नजर आए। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने तालियों और नारों के जरिए प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाया। 10 किलोमीटर पुरुष वर्ग में बबलू टुडू ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि अर्जुन टुडू दूसरे और सुशील कुमार मोदी तीसरे स्थान पर रहे। वहीं 6 किलोमीटर महिला वर्ग में अनीता दास ने बाजी मारी, मंजू कुमारी दूसरे और निशा कुमारी साव तीसरे स्थान पर रहीं। सभी विजेताओं को नगद पुरस्कार, प्रमाण पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा जिया हेंब्रम, पुष्पा कुमारी, रविंद्र सोनकर, हर्ष कुमार सहित अन्य उभरते प्रतिभागियों को राइजिंग स्टार सम्मान देकर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीश आनंदा सेन की पत्नी दीपवंता सेन ने भी महिला वर्ग की दौड़ में भाग लिया और प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। पुरस्कार वितरण समारोह में उन्होंने और अंचल अधिकारी रमेश कुमार ने विजेताओं को सम्मानित किया। आयोजन समिति के अध्यक्ष राजीव जायसवाल ने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक सोच को मजबूत करते हैं। भारी बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी यह दर्शाती है कि रामगढ़ अब फिट और सक्रिय समाज की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

संक्षिप्त खबरें

उपायुक्त आवास के पास से गुजर रहा अवैध बालू, बोकारो में तस्करी बेखौफ

बोकारो : बोकारो में बालू तस्करी धड़ल्ले से जारी है जहां दामोदर नदी से लगातार अवैध बालू का उत्खनन जारी है जिसके चलते अब नदी के अस्तित्व पर ही संकट खड़ा हो गया है। सबसे ताज्जुब की बात है कि बोकारो के उपायुक्त लगातार अवैध उत्खनन पर बड़ी बड़ी बाते करते है वही दूसरी तरफ बालू तस्करी कर ट्रैक्टर धड़ल्ले से उनके आवास के बगल से ही गुजर रहा है ऐसे में बालू तस्कर निडर होकर बालू तस्करी का काम कर रहा है। वही अवैध बालू के जरिए एसपी कार्यालय का भी मरम्मत का काम किया जा रहा है। अब समझ सकते है कि अवैध बालू तस्करी को रोकने का जिम्मा जिन अधिकारियों के कंधे पर है उन्हीं के आवास के ठीक बगल से बालू तस्करी का काम जारी है और उसी अवैध बालू से सरकारी ऑफिस का काम भी किया जा रहा है। ऐसे में अधिकारी सबकुछ जानकर भी क्यों खामोश है सोचनेवाली बात है। या तो कानून से ऊपर बालू तस्कर अपने आप को मान रहा है या फिर बालू तस्कर पर कानून का कोई डर नहीं है। बालू तस्कर अवैध बालू का स्टॉक करके भी रखा हुआ है और ये चौफान भतूआ से लगातार हो रहा है जहां जंगल विभाग के सैकड़ों पेड़ को काटकर अवैध बालू तस्करी का खेल जारी है।

बांदाबीर में छऊ नृत्य का शानदार आयोजन दर्शकों की उमड़ी भीड़

कुकड़ू : सरायकेला-खरसावां जिले के बांदाबीर में शनिवार को सांस्कृतिक परंपरा को जीवंत बनाए रखने के उद्देश्य से भव्य छऊ नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि, पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक साव एवं लेटेम्दा पंचायत के मुखिया भवानी सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।यह कार्यक्रम बजरंगबली सोलोआना कमिटी, बांदाबीर के तत्वावधान में आयोजित हुआ। आयोजन में प्रसिद्ध कलाकार उस्ताद हेम चन्द्र महतो और उस्ताद निपेन सहिस ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि अशोक साव ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन क्षेत्र की लोक संस्कृति और परंपरा को सहेजने व आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आयोजकों की सराहना करते हुए इस तरह के कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखने की अपील की।कार्यक्रम में हजारों की संख्या में दर्शकों की भीड़ उमड़ी, जिससे पूरा क्षेत्र उत्सव के माहौल में डूबा नजर आया।इस अवसर पर मुखिया प्रतिनिधि इंद्रजीत सिंह मुंडा, ग्राम प्रधान कार्तिक महतो, राजीव महतो, लखींदर सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

चयकला उर्स में कव्वाली की धूम, सूफियाना सुरों पर झूमे हजारों लोग

चौपारण : प्रखंड के ग्राम पंचायत चयकला स्थित हजरत दुलाह शाह बाबा के दरबार में आयोजित तीन दिवसीय उर्स के दूसरे दिन शनिवार की रात कव्वाली की भव्य महफिल सजी, जिसने मजहबी एकता और भाईचारे की मिसाल पेश की। इस दौरान हर धर्म और वर्ग के लोग एक साथ बैठकर सूफियाना कलाम का आनंद लेते नजर आए। महफिल में मशहूर कव्वाल इश्तेयाक भारती और शाह मुराद चिश्ती के बीच शानदार मुकाबला हुआ। दोनों ने अपने सुरों और अंदाज से ऐसा समां बांधा कि पूरी रात माहौल गुलजार रहा। अकीदतमंदों ने नारे लगाकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया और पूरी महफिल रूहानी रंग में रंगी रही। शाह मुराद चिश्ती की प्रस्तुति ने विशेष रूप से लोगों को आकर्षित किया, जिनकी कव्वाली पर श्रोता देर रात तक झूमते रहे। लगभग एक सदी से चली आ रही इस उर्स की परंपरा में झारखंड सहित विभिन्न राज्यों से लोग बड़ी संख्या में जियारत और कव्वाली सुनने पहुंचते हैं। उर्स के दूसरे दिन भी दरगाह में अकीदतमंदों की भीड़ उमड़ी रही। लोगों ने चादरपोशी कर अमन-चैन, तरक्की और खुशहाली की दुआ मांगी। साथ ही, दूर-दराज से आए अन्य नातखां ने भी अपने कलाम पेश कर महफिल को यादगार बना दिया। चयकला का यह उर्स महज दीनी अकीदत का मरकज ही नहीं, बल्कि आपसी मोहब्बत, भाईचारे और सामाजिक हमआहंगी की एक रौशन व जिंदा मिसाल बनकर उभर रहा है, जहाँ हर तबके के लोग एक साथ मिलकर एकता और इंसानियत का पैगाम दे रहे हैं।

अधिकारों की लड़ाई को धार देने जुटे शिक्षक चौपारण में बनी नई प्रखंड कमिटी

चौपारण : प्रखंड संसाधन केंद्र के समीप स्थित पुराने ब्लॉक परिसर में रविवार को झारखंड राज्य आकलन प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने और शिक्षकों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने पर विशेष बल दिया गया। बैठक में बड़ी संख्या में सहायक अध्यापकों की उपस्थिति ने उनकी एकजुटता को स्पष्ट रूप से दशार्या। कार्यक्रम की अध्यक्षता कैलाश साव ने की, जबकि संचालन सत्यनारायण पांडे ने किया। इस दौरान शिक्षकों ने अपने अधिकारों, सेवा शर्तों एवं विभिन्न समस्याओं पर गंभीरतापूर्वक चर्चा की और एकजुट होकर संघर्ष करने की आवश्यकता पर जोर दिया। वक्ताओं ने कहा कि संगठन की मजबूती ही शिक्षकों के हितों की रक्षा का सबसे सशक्त माध्यम है। बैठक के दौरान प्रखंड स्तरीय कमिटी का गठन भी किया गया, जिसे संगठन विस्तार की दिशा में अहम कदम माना गया। सर्वसम्मति से दिनेश कुमार यादव को प्रखंड अध्यक्ष, अभिषेक कुमार सिन्हा को सचिव तथा मनोज कुमार बारा को कोषाध्यक्ष चुना गया। नवगठित कमिटी को उपस्थित शिक्षकों ने समर्थन देते हुए संगठन को जमीनी स्तर तक सक्रिय करने का भरोसा जताया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष दिनेश कुमार यादव ने कहा कि शिक्षकों के हितों की अनदेखी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी साथियों को साथ लेकर संगठन को मजबूत करने और आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन का रास्ता अपनाने की बात कही। साथ ही उन्होंने प्रखंड से लेकर जिला स्तर तक संगठन को और सशक्त बनाने का संकल्प भी दोहराया। बैठक में सरयू राणा, गुलाब कृष्णा विश्वकर्मा, उदित प्रसाद, विनोद कुमार दांगी, संतोष सिंह, जय मंगल सिंह समेत सैकड़ों सहायक अध्यापक मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में संगठन को मजबूत करने और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष तेज करने का संकल्प लिया।

बाबू जगजीवन राम : सामाजिक न्याय की अनवरत साधना का अध्याय

आज 5 अप्रैल को पूरा देश बाबू जगजीवन राम की जयंती मनाता है। ये जयंती हमें भारतीय लोकतंत्र के संघर्ष, संकल्प और सामाजिक न्याय की अनवरत साधना के अध्याय की याद दिलाती है। बिहार के एक साधारण परिवार में जन्में जगजीवन बाबू ने अपने जीवनकाल में बड़े ही कठिन समय को देखा। उन्हें न केवल आर्थिक अभावों का सामना करना पड़ा, बल्कि जातिगत भेदभाव जैसी गहरी सामाजिक व्यवस्थागत बाधाओं से भी जूझे। इन विपत्तियों के बावजूद वे भारत के इतिहास के सर्वाधिक प्रभावशाली नेताओं में से एक बन खड़े हुए।

उनका सार्वजनिक जीवन उपलब्धियों का पर्याय रहा। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रमुख नेता के रूप में उन्होंने रक्षा और कृषि जैसे महत्वपूर्ण पदों पर अपना दायित्व निभाया। विशेषकर हरित क्रांति के दौर में उनका दूरदर्शी नेतृत्व भारत को आत्मनिर्भर कृषि राष्ट्र बनाने में निर्णायक सिद्ध हुआ। उनके इस समावेशी विकास दृष्टिकोण का ही परिणाम था कि कृषि क्षेत्र में सुधारों ने करोड़ों किसानों के जीवन को बदल कर रख दिया।

उनका योगदान कृषि तक ही सीमित नहीं रहा, उन्होंने स्वतंत्र भारत के निर्णायक क्षणों में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। खासकर 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में, जिसके फलस्वरूप बांग्लादेश का उदय हुआ। उनकी रणनीतिक सूझबूझ एवं राष्ट्र-सुरक्षा के प्रति अटल निष्ठा ने भारत की संप्रभुता व कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को उजागर किया।

हालाँकि, उनके जीवन का एक पक्ष यह भी है कि अपार योग्यता और अनुभव के बावजूद वे प्रधानमंत्री पद तक नहीं पहुंच सके। फिर भी उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। वे कभी विचलित न हुए, अपितु अपने मंच से हाशिए के लोगों के अधिकारों की पैरवी की तथा उत्पीड़ितों की पुकार को मुखर किया। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्ची पहचान अपने कर्म और मूल्यों से बनती है।

बाबू जगजीवन राम की तरह मैं भी उसी सामाजिक पृष्ठभूमि से आता हूँ। एक पूर्व आईपीएस अधिकारी के रूप में, मैं बाबू जगजीवन राम की विरासत से गहरी प्रेरणा ग्रहण करता हूँ। उनका जीवन हम सभी के लिए एक स्पष्ट संदेश है- न्याय, समानता और अवसर केवल आदर्श नहीं, बल्कि सतत प्रयास से प्राप्त किए जाने वाले लक्ष्य हैं। उन्होंने सिखाया कि सच्चा नेतृत्व उपाधियों से नहीं, अपितु दूसरों के जीवन पर पड़े प्रभाव से मापा जाता है।

आज, उनकी जयंती के अवसर पर, हमें केवल उनके योगदानों का स्मरण ही नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को अपने आचरण में उतारने का संकल्प भी लेना चाहिए। आइए, हम एक ऐसे महान नेता का सम्मान करें, जो केवल एक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि आशा, संघर्ष और परिवर्तन का प्रतीक हैं। आपकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करती रहेगी। उनका सार्वजनिक जीवन उपलब्धियों का पर्याय रहा। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रमुख नेता के रूप में उन्होंने रक्षा और कृषि जैसे महत्वपूर्ण पदों पर अपना दायित्व निभाया। विशेषकर हरित क्रांति के दौर में उनका दूरदर्शी नेतृत्व भारत को आत्मनिर्भर कृषि राष्ट्र बनाने में निर्णायक सिद्ध हुआ। उनके इस समावेशी विकास दृष्टिकोण का ही परिणाम था कि कृषि क्षेत्र में सुधारों ने करोड़ों किसानों के जीवन को बदल कर रख दिया। उनका योगदान कृषि तक ही सीमित नहीं रहा, उन्होंने स्वतंत्र भारत के निर्णायक क्षणों में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। खासकर 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में, जिसके फलस्वरूप बांग्लादेश का उदय हुआ। उनकी रणनीतिक सूझबूझ एवं राष्ट्र-सुरक्षा के प्रति अटल निष्ठा ने भारत की संप्रभुता व कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को उजागर किया।

महिलाओं का अंधविश्वासी होना भी उनके यौन शोषण का बड़ा कारण

निर्मल रानी

महिलाओं को देवियां कहकर संबोधित करने व देवियों की पूजा करने वाले हमारे देश में आये दिन महिलाओं के यौन शोषण की नई से नई व घिनौनी से घिनौनी खबरें सामने आती रहती हैं। वैसे तो राजनीति,निजी व सरकारी सेवा क्षेत्र,शैक्षणिक संस्थान आदि सभी क्षेत्रों में महिलाओं के यौन शोषण की खबरें सुनाई देती हैं परन्तु बड़े ही दुःख व शर्म की बात यह है कि महिलाओं का सबसे अधिक शोषण उनके अन्धविश्वास के चलते या उनकी धर्मान्धता के कारण होता है। देश के अनेक बड़े से बड़े स्वयंभू धर्मगुरु जो ईश्वरीय अवतार होने तक का दावा किया करते थे, महिलाओं के यौन शोषण यहाँ तक कि बलात्कार व हत्या जैसे मामलों में जेल की सजा काट चुके हैं और कई अब भी जेलों में हैं परन्तु आश्चर्य यह है कि उनके काले कारनामों से पर्दा हटने के बावजूद ऐसे दुराचारी स्वयंभू धर्मगुरुओं के अनुयायियों खासकर महिला अनुयायियों में कोई कमी नहीं देखी जा रही है। बल्कि उनके प्रति अंधआस्था रखने वाले लोग यह कहते सुने जाते हैं कि उनके गुरु जी को 'जबरन फंसाया' गया है। शायद यही वजह है कि हमारे देश में आये दिन इस तरह के नित नये मामले सामने आते रहते हैं।

पिछले दिनों ऐसा ही हैरान करने वाला एक मामला महाराष्ट्र के नासिक से सामने आया। यहाँ कैप्टन अशोक खरात उर्फ अशोक कुमार उर्फ एकनाथ खरात नाम से प्रसिद्ध एक ज्योतिषी की हैरान कर देने वाली काली करतूत उजागर हुई। इस व्यक्ति का नासिक के कनाडा कॉर्नर क्षेत्र में 'ओकस प्रॉपर्टी डीलर्स एंड डेवलपर्स' नाम से एक कार्यालय था जो ज्योतिष के केंद्र के रूप में प्रसिद्ध था । उसके करीब ही सिन्नर में उसका एक विशाल फार्म हाउस था जिसमें उसने ईशान्येश्वर मंदिर बना रखा था। वह एक ट्रस्ट बनाकर इस व्यवस्था को स्वयं संचालित करता था। वह खुद ही ट्रस्ट का प्रमुख था। उसके पास और भी अनेक संपत्तियां थीं। खरात के नेताओं, अधिकारियों, सेलिब्रिटी और व्यापारियों से भी गहरे संबंध थे। इस 67 वर्षीय पूर्व मर्चेंट नेवी कर्मचारी जो कि स्वयं को 'कैप्टन' बताता था उसने ज्योतिष और आध्यात्मिक शक्तियों के नाम पर अनेक महिलाओं को अपने जाल में फंसाया हुआ था । वह स्वयं को रसूखदार व शक्तिशाली ज्योतिषी व आध्यात्मिक गुरु बताता था। यहां तक कि भगवान शिव का अवतार होने का दावा भी किया करता था। यह व्यक्ति संपन्न ऊंचे रसूख वाली उच्च पदों पर आसीन महिलाओं व उच्च पदों पर विराजमान लोगों की पत्नियों को उनके व्यक्तिगत , पारिवारिक, वैवाहिक या फिर भविष्य व कैरियर संबंधी समस्याओं का समाधान बताने के बहाने से अपने कार्यालय या अपने फार्म हाउस पर बुलाया करता था। इसके बाद वह उन महिलाओं की कुंडली देखता था। फिर किसी महिला को उसके 'पति की मौत' का खतरा बताता तो किसी को कोई और परिवारिक संकट बता देता। किसी को उसका 'भविष्य खराब' होने की भविष्यवाणी कर देता तो किसी को गंभीर बीमारी का भय बता देता। और इसी की आड़ में वह पूजा-पाठ व अन्य धार्मिक अनुष्ठान करने की बातें किया करता था। यह स्वयंभू ज्योतिषी अपने कार्यालय या फार्म हाउस के एक प्राइवेट केबिन में 'शुद्धिकरण' या 'रीतियों ' के नाम पर अपना शिकार बनाने वाली महिलाओं को किसी पेय के माध्यम से ऐसा नशीला पदार्थ पिलाता जिससे वे बेहोश हो जातीं या फिर सम्मोहित हो जातीं। उसके बाद वह अपने कार्यालय में ही उन महिलाओं का यौन शोषण किया करता था। और वहां गुप्त रूप से लगे सी सी टी वी कैमरों से उनकी वीडियो रिकॉर्ड करता। बाद में इसी वीडियो के माध्यम से शिकार की गयी महिलाओं को डराता धमकाता। वह यह धमकी भी देता कि यदि उन्होंने किसी से इस 'घटना ' का जिक्र किया तो उनके पति की जान जा सकती है और उसका पूरा परिवार बर्बाद हो सकता है। वह उन महिलाओं को वीडियो वायरल करने की धमकी भी देता। और इसी के बहाने वह न केवल इन महिलाओं का बार-बार शारीरिक शोषण करता बल्कि उनसे पैसे भी ऐंठता रहता था।

बहरहाल आखिरकार उस स्वयंभू आध्यात्मिक गुरु व स्वयंभू शिवावतार के पाप का घड़ा फूट ही गया। एक महिला ने पिछले दिनों उसकी पुलिस में शिकायत की कि तीन साल से भी अधिक समय तक उसने अपने इसी कुचक्र में उसे उलझाये रखा। जबकि अनेक महिलाएं या तो डर के मारे या अपनी बदनामी के भय से खामोश रहीं। इसी महिला की शिकायत पर नासिक क्राइम ब्रांच ने पिछले दिनों उसके फार्म हाउस पर छापा मारा। पुलिस को यहां से जो पेन ड्राइव मिले उसमें लगभग एक सौ के करीब महिलाओं की आपत्तिजनक वीडिओ प्राप्त हुई। इसके अलावा उसके ऑफिस और फार्म हाउस से पिस्तौल, कारतूस व अनेक संदिग्ध दस्तावेज मिले व करोड़ों की संपत्ति का खुलासा हुआ। हद तो यह है कि इस व्यक्ति ने महिलाओं के हितों की रक्षा करने वाली महाराष्ट्र महिला आयोग की एक पूर्व अध्यक्ष को भी नहीं बख़्शा।इस के साथ भी उसकी आपत्ति जनक तस्वीरें व वीडिओ वायरल हुये। अब जबकि खरात पुलिस हिरासत में है और एस आई टी मामले की जांच कर रही है ऐसे में अब और भी कई महिलाएं शिकायत दर्ज कराने के लिये सामने आ रही हैं। परन्तु कई महिलायें अभी भी भय व बदनामी के चलते खामोश हैं।

ऐसे में एक बार फिर वही सवाल पैदा होता है कि देश में पाखण्डी व दुराचारी प्रवृति के अनेकानेक धर्मगुरुओं,ज्योतषियों के तमाम काले कारनामों के उजागर होने के बावजूद भी आखिर महिलायें क्योंकर ऐसे पाखंडियों के चंगुल में फँस जाती हैं ? प्रायः अशिक्षित महिलाओं को तो ऐसे कुचक्रों में फंसता हुआ देखा ही जा चुका है परन्तु इस मामले ने तो सभी को इसलिये भी हैरान कर दिया है कि खरात ने शिक्षित व उच्च पदों पर रहने वाली या रसूखदार परिवारों की महिलाओं को ही अपने जाल में फंसाया । इससे यह साफ जाहिर है कि अंधआस्था व अंधविश्वास केवल गरीब व अशिक्षित महिलाओं में ही नहीं बल्कि शिक्षित महिलायें भी इसका शिकार हैं। इसलिये यह कहना गलत नहीं होगा कि महिलाओं का अंधविश्वासी होना भी उनके यौन शोषण का एक बड़ा कारण है।

युद्ध अपराधी है डोनॉल्ड ट्रंप व नेतन्याहू - तनवीर जाफरी

तनवीर जाफरी

अमेरिका व इस्राईल द्वारा संयुक्त सैन्य अभियान चलाकर ईरान पर थोपे गये बलात युद्ध को पांच सप्ताह बीत चुके हैं। पूरी दुनिया में अपनी फजीहत होती देख राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने अब खिसियाहट में ईरान के आधारभूत ढांचों को नुक़सान पहुँचाना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में अमेरिका ने पिछले दिनों ईरान की राजधानी तेहरान और कराज को जोड़ने के लिए बनाये जा रहे राजधानी के सबसे ऊँचे सस्पेंशन ब्रिज को ध्वस्त कर दिया। लगभग 1 किलोमीटर से अधिक लंबे और 136 मीटर ऊँचे इस निमार्णाधीन हाई-राइज ब्रिज पर पिछले दिनों अमेरिका और इजराइल ने मिलकर दो बार एयरस्ट्राइक की। इन हवाई हमलों के परिणामस्वरूप पुल का बड़ा हिस्सा बर्बाद हो गया। इस हमले में कम से कम 8 लोग मारे गए और 100 से अधिक घायल हुए। इस हमले के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इस पुल के ढहते हुए वीडियो शेयर कर ईरान को धमकी देते हुये लिखा कि ह्लडील कर लो, वरना बहुत देर हो जाएगीह्व। उन्होंने लिखा कि अगर ईरान ने अपना रुख नहीं बदला तो ह्लउस देश में कुछ भी नहीं बचेगा जो कभी महान देश बन सकता था,ह्व। ट्रंप ने इस हमले को ह्लअमेरिकी सेना की ताकत का छोटा नमूनाह्व बताया और यह संकेत दिया कि अगर ईरान डील से मना करता है तो देश के पावर प्लांट, ट्रांसपोर्ट नेटवर्क आदि अन्य इंफ़्रास्ट्रक्चर भी अगले निशाने हो सकते हैं।

इसी अमेरिका ने युद्ध की शुरूआत में 28 फरवरी को ही ईरान के मिनाब शहर में शजारेह तैय्येबह बालिका प्राथमिक स्कूल की ईमारत पर टॉमहॉक मिसाइल मिसाइल से हमला कर लगभग 175 लोगों को शहीद कर दिया था इनमें अधिकांश स्कूल की बच्चियां शामिल थीं। स्कूल के पास ही दवाखाना व अन्य नागरिक सुविधाएं भी थीं। इसी हमले के चलते न केवल ईरान ने अमेरिका को युद्ध अपराध का दोषी ठहरा दिया था बल्कि दुनिया भर में भी इसे ₹युद्ध अपराध₹ करार दिया गया। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के मूल सिद्धांतों के तहत जिनेवा कन्वेंशन्स 1949 व इसके एडिशनल प्रोटोकॉल्स 1977 के अंतर्गत युद्ध में रिहाइशी इलाकों,स्कूलों, अस्पताल, पानी की व्यवस्था संबंधित प्लांट्स, बिजली ग्रिड,पुल जैसे बुनियादी ढांचों पर हमले सामान्यतः नहीं किए जा सकते। ये युद्ध अपराध माने जाते हैं। युद्ध में लड़ाई के दौरान सैनिकों,सैन्य लक्ष्यों और नागरिकों व नागरिक सुविधा संबंधी वस्तुओं के बीच स्पष्ट अंतर करना जरूरी है।? परन्तु अमेरिका तो क्या उसकी शह व संरक्षण में युद्धरत इस्राइल को भी न तो मानवीय कानून की फिक्र है न ही जिनेवा कन्वेंशन्स में निर्धारित युद्ध के सिद्धांतों की। इसीलिये अपनी अपार शक्ति व सर्वोच्चता के नशे में चूर अमेरिका व उसके पिछलग्गू इस्राईल द्वारा हर संभव युद्ध अपराध किया जा रहा है।

गजा में तो नेतन्याहू के नेतृत्व में इस्राईल ने दरिन्दिगी का वह इतिहास रचा है जिसने युद्ध अपराध की सभी सीमाओं को पार कर दिया है। सरकारी आंकड़े बताते है कि 7 अक्टूबर 2023 से 25 मार्च 2026 तक इस्राईली सेना द्वारा 72,265 फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं जबकि 1,71,959 लोग घायल हुए। यहाँ तक कि 10 अक्टूबर 2025 को लागू हुये युद्धविराम के बाद भी इस्राईल ने लगभग 700 लोगों को मार दिया है। हालाँकि कुछ स्वतंत्र अध्ययन कुल मौतों का आंकड़ा 75,000 से ज्यादा बता रहे हैं। स्वयं इस्राइली सेना ने जनवरी 2026 में 70,000 मौतों का आंकड़ा स्वीकार किया था। कुल लगभग 22-23 लाख की आबादी वाले इस इलाके में 19 लाख से ज्यादा लोग एक या कई बार विस्थापित हुए हैं। नतीजतन आज भी 17 लाख से ज्यादा लोग अस्थायी विस्थापन कैंप्स में रह रहे हैं। इनमें से ज्यादातर लोगों के घर-मकान नष्ट हो चुके हैं जिसके चलते लोग बेघर हैं। नेतन्याहू के इशारों पर यह हत्याएं घने रिहायशी इलाकों, स्कूल्स, बाजार,अस्पताल,स्कूल यहाँ तक कि शरणार्थी कैम्पस में और भूख की तपिश से जूझ रहे खाद्य सामग्री लेने की लाइन में लगे असहाय लोगों पर बम व गोले बरसा कर उनकी जान लेकर की गयी हैं। यही वजह है कि नेतन्याहू पर अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने युद्ध अपराध वारंट जारी किया हुआ है। नेतन्याहू पर भुखमरी को युद्ध का हथियार बनाना, जानबूझकर नागरिक आबादी पर हमला निर्देशित करना,मानवता के खिलाफ अपराध,हत्या,उत्पीड़न व अन्य अमानवीय कृत्य जैसे युद्ध अपराध शामिल हैं। आज भी नेतन्याहू अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के भगौड़े अपराधियों की श्रेणी में शामिल हैं। परन्तु युद्ध अपराधी भगौड़ा नेतन्याहू अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के अधिकार क्षेत्र को मान्यता नहीं देता। उल्टे इसे ₹यहूदी-विरोधी₹ तथा राजनीतिक साजिश बताकर अपने युद्ध अपराध पर पर्दा डालने की कोशिश करता है।

इसी युद्ध अपराधी नेतन्याहू के जाल में फंसकर राष्ट्रपति ट्रंप भी युद्ध अपराध करते जा रहे हैं। ईरान को 'पाषाण युग' में पहुंचाने की उनकी धमकी इस बात का सुबूत है कि ऐसे मानसिक रोगी राजनीतिज्ञ की जगह जेल में होनी चाहिये। दुनिया को यह सोचना पड़ेगा कि आखिर क्या वजह है कि उनके सलाहकारों से लेकर सैन्य विभाग के अनेक बड़े अधिकारी तक इस अवैध युद्ध का विरोध करते हुये क्योंकर इस सनकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ खड़े होने के बजाये अपने इस्तीफे दे रहे हैं। नाटो सहित उसके कई सहयोगी देश खुलकर ट्रंप के ईरान में सैन्य हस्तक्षेप का विरोध कर रहे हैं। और आज ईरान की ताकत व उसकी रक्षात्मक व आक्रामक शक्ति का अंदाजा किये बिना ईरान पर हमला बोल देने और परणामस्वरूप अमेरिका द्वारा ऐतिहासिक क्षति का सामना करने से अमेरिका के महाशक्ति होने का जो भरम टूटा है उसका जिम्मेदार भी ट्रंप ही है। और इसी सन्दर्भ में ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची को यह कहना पड़ा है कि -'अधूरे बने पुलों समेत इंफ्रास्टक्चर पर हो रहे हमले ईरानियों को सरेंडर करने के लिये मजबूर नहीं कर सकते। यह केवल अव्यवस्था में फंसे दुश्मन की हार और उस के नैतिक पतन को दिखाता है। साथ ही अरागची ने यह भी कहा कि हर पुल और ईमारत को पहले से ज्यादा मजबूती के साथ बनाया जायेगा। परन्तु जिसकी कभी भरपाई नहीं हो पायेगी वह है अमेरिकी साख को हुआ नुकसान।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने भी अमेरिकियों के नाम एक खुला पत्र लिखकर कहा है कि वे युद्ध के प्रोपेगैंडा के धुंध से बाहर देखें और मनगढ़ंत खतरे को नकारें। राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने सवाल उठाया है कि क्या अमेरिका सचमुच 'अमेरिका फर्स्ट' को आगे रख रहा है या फिर वह केवल 'इजरायल के लिए एक प्रॉक्सी' के तौर पर काम कर रहा है ? पेजेश्कियन ने आगे कहा कि ईरानियों के मन में अमेरिका, यूरोप या किसी भी पड़ोसी देश के प्रति कोई दुश्मनी नहीं है।' परन्तु सच्चाई तो यही है कि युद्ध अपराधी भगौड़े नेतन्याहू के चक्रव्यूह में उलझकर ट्रंप ने भी युद्ध अपराध को हीअंजाम दिया है। गोया डोनॉल्ड ट्रंप व नेतन्याहू दोनों ही युद्ध अपराधी हैं।

सूडोकु नवताल- 7756

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7755 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

अंत्योदय से आत्मनिर्भरता तक : जनकल्याण की धारा में बहता नया भारत

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय लोकतंत्र के व्यापक और जीवंत परिदृश्य में भारतीय जनता पार्टी अपने वैचारिक मूल्यों, विशेष तौर पर अंत्योदय, सुशासन और ह्यराष्ट्र प्रथमह्ण को व्यवहार में उतारते हुए जनकल्याण की एक निरंतर प्रवाहित धारा के रूप में जानी जाती है। वर्ष 2014 के बाद नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार तथा विभिन्न राज्यों में भाजपा सरकारों ने शासन की कार्यशैली को मूलतः परिवर्तित किया है। विकास अब योजनाओं की घोषणा से आगे परिणाम आधारित प्रशासन का पर्याय बन चुका है, जिसका प्रभाव देश के सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक ढांचे पर स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

यदि आज देश के विभिन्न हिस्सों का अवलोकन करें तो यही दिखाई देता है कि भाजपा की शासन प्रणाली का केंद्र बिंदु समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की पहुंच सुनिश्चित करना है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने जिस ह्यअंत्योदयह्ण की अवधारणा प्रस्तुत की थी, वह आज मूर्त रूप में दिखाई देती है। इसी उद्देश्य से प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री जनधन योजना ने वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त की है। वर्ष 2025-26 तक इस योजना के अंतर्गत 50 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले जा चुके हैं। इन खातों में जमा राशि दो लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी है।

आज यह पहल सिर्फ बैंकिंग सुविधा तक सीमित न होकर इसने गरीबों को आर्थिक मुख्यधारा में लाने का कार्य किया है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली के माध्यम से अब तक 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है। कहना होगा कि इससे पारदर्शिता और जवाबदेही में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।

गरीब कल्याण की दिशा में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों ने समाज के वंचित वर्गों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 2026 तक 10 करोड़ से अधिक एलपीजी कनेक्शन वितरित किए जा चुके हैं (स्रोतः पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, 2026)। इस योजना ने महिलाओं को धुएं से मुक्त रसोई प्रदान कर उनके स्वास्थ्य और सम्मान दोनों की रक्षा की है। इसी प्रकार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2025 तक तीन करोड़ से अधिक पक्के घरों का निर्माण या स्वीकृति दी जा चुकी है। जिससे गरीब परिवारों को स्थायित्व और सुरक्षा का आधार मिला है। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत 11 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया और देश को खुले में शौच से मुक्त घोषित किया गया, जिसने स्वच्छता को एक सामाजिक आंदोलन का रूप दिया। इसी तरह से कृषि क्षेत्र में भी सरकार की नीतियों ने व्यापक प्रभाव डाला है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 2026 तक 11 करोड़ से अधिक किसानों को प्रतिवर्ष 6000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। इस योजना के तहत अब तक 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित की जा चुकी है (स्रोतः पीएम-किसान पोर्टल, 2026)। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के माध्यम से सिंचित क्षेत्र का विस्तार हुआ है और जल प्रबंधन को सुदृढ़ किया गया है। सॉयल हेल्थ कार्ड योजना के अंतर्गत 22 करोड़ से अधिक कार्ड वितरित किए जा चुके हैं, जिससे किसानों को वैज्ञानिक खेती अपनाने में सहायता मिली है। फसल बीमा योजना के तहत करोड़ों किसानों को प्राकृतिक आपदाओं के समय आर्थिक सुरक्षा प्रदान की गई है।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी सरकार की पहलें उल्लेखनीय रही हैं। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के परिणामस्वरूप लिंगानुपात में सुधार हुआ है और बालिका शिक्षा में वृद्धि दर्ज की गई है। सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत 03 करोड़ से अधिक खाते खोले जा चुके हैं, जो बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। तीन तलाक जैसी कुप्रथा को समाप्त कर मुस्लिम महिलाओं को न्याय और समान अधिकार प्रदान किया गया, जो सामाजिक सुधार की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि है। इसके अतिरिक्त नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को भी सशक्त बनाने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य के क्षेत्र में आयुष्मान भारत योजना ने गरीबों के लिए जीवन रक्षक कवच का कार्य किया है। 2026 तक इस योजना के अंतर्गत 50 करोड़ से अधिक लोगों को 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान किया जा रहा है (स्रोतः राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, 2026)। अब तक 06 करोड़ से अधिक अस्पताल में भर्ती उपचार इस योजना के तहत किए जा चुके हैं, जिससे करोड़ों परिवारों को आर्थिक संकट से बचाया गया है। साथ ही, देशभर में 1.5 लाख से अधिक हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर स्थापित किए जा चुके हैं, जोकि प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत कर रहे हैं। डिजिटल इंडिया अभियान के अंतर्गत भारत ने डिजिटल क्रांति का नेतृत्व किया है। 2025-26 में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से प्रति माह 1500 करोड़ से अधिक लेनदेन दर्ज किए जा रहे हैं (स्रोतः एनपीसीआई, 2026)। यह भारत को विश्व का अग्रणी डिजिटल भुगतान राष्ट्र बनाता है। मेक इन इंडिया पहल के तहत भारत मोबाइल निर्माण में वैश्विक स्तर पर शीर्ष देशों में शामिल हो चुका है। स्किल इंडिया मिशन के माध्यम से 1.5 करोड़ से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है, जिससे रोजगार के अवसरों में वृद्धि हुई है।

दैनिक पंचांग

6 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.16 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	वृष	07.56 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.54 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.08 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.24 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.36 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.47 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.01 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.17 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मकर	01.22 बजे से
		कुंभ	03.09 बजे से
		मीन	04.42 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 96 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्थी 14.11 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 02.57 बजे रात्र को समाप्त।
योग सिद्धि(असृक) 15.25 बजे को समाप्त।
करण बालव 14.11 बजे तदनन्तर कौलव 03.22 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 17.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 06° 22'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872671
जूलियन दिन 2461136.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल **तारीख** 17

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

पाकुड़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई : 76 स्थायी वारंटी गिरफ्तार

पाकुड़ : जिले में फरार वारंटियों के खिलाफ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल हुई है। पुलिस ने 1 जून 2025 से 4 अप्रैल 2026 तक लगातार छापेमारी अभियान चलाकर कुल 76 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ये सभी आरोपी विभिन्न थानों में दर्ज संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे थे। अभियान के दौरान जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दबिश देकर इनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित की गई और सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थाना-वार गिरफ्तारी का विवरण इस प्रकार है— महेशपुर थाना से 27, पाकुड़ (नगर) थाना से 25, हिरणपुर थाना से 10, लिट्टीपाड़ा थाना से 7, मालपहाड़ी ओपी से 4, नगर थाना से 1, अमड़ापाड़ा थाना से 1 तथा पाकुड़िया थाना से 1 वारंटी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि स्थायी वारंटियों के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा, ताकि जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक युवक पुलिस ने गिरफ्तार किया। मिली जानकारी के अनुसार मुफस्सिल थाना कांड संख्या 36/26, दिनांक -04 अप्रैल 26, धारा 126(2)/115(2)/74/75(2)/351(2)/3(5) बीएनएस एवं 8 पोस्को एक्ट के प्राथमिक अभियुक्त रबिल पिता मोहम्मद जलान उर्फ कलुआ, साकिन सिद्दीक टोला लालबथानी, थाना मुफस्सिल जिला साहिबगंज को पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

वरिष्ठ साहित्यकार विजय कुमार भारती का निधन

साहिबगंज : जिले के प्रख्यात साहित्यकार, समाजसेवी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व संघचालक विजय कुमार ह्यभारतीह्ण का आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही साहेबगंज सहित पूरे संथाल परगना क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और साहित्यिक व सामाजिक जगत ने गहरी संवेदना व्यक्त की। विजय कुमार ह्यभारतीह्ण भारतीय रेल सेवा से लंबे समय तक जुड़े रहे और 1 जुलाई 2016 को सेवानिवृत्त हुए थे। सेवा निवृत्ति के बाद उन्होंने स्वयं को पूरी तरह साहित्य, भाषा और सामाजिक कार्यों के लिए समर्पित कर दिया। वे हिंदी और भोजपुरी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर सक्रिय रहे और क्षेत्रीय साहित्य को नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे आरण्यक काव्य मंच, साहेबगंज के संस्थापक थे तथा अखिल भारतीय साहित्य परिषद, झारखंड प्रदेश में उपाध्यक्ष एवं संथाल परगना प्रमंडल के प्रभारी के रूप में कार्यरत थे। इसके अलावा केंद्रीय सचिवालय हिंदी परिषद, साहेबगंज के संरक्षक और राष्ट्रीय भोजपुरी संस्थान, झारखंड प्रदेश के महामंत्री के रूप में भी उन्होंने अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज में मध्यस्थ के रूप में भी वे समाज सेवा से जुड़े रहे। हिंदी राजभाषा के प्रचार-प्रसार में उनके योगदान को देखते हुए वर्ष 2010 में पूर्व रेलवे मालदा, कोलकाता और रेल मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया था। इसके अतिरिक्त उन्हें साहेबगंज गौरव सम्मान (2017), भोजपुरी साहित्यकार सम्मान (2021), राजभाषा गौरव सम्मान (2022) तथा सर्वभाषा साहित्यकार सम्मान (2024) सहित कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया।

भीषण आग की चपेट में पलासबोना : कई एकड़ में लगी गेहूं की फसल जलकर राख

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के पलासबोना गांव में रविवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब खेत में खड़ी गेहूं की लहलहाती फसल में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और कई एकड़ में फैली फसल को अपनी चपेट में ले लिया। इस अगलगी में किसानों की महीनों की मेहनत और पूंजी कुछ ही मिनटों में जलकर खाक हो गई। आग की लपटें और धुआं उठता देख भारी संख्या में स्थानीय ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। बिना किसी सरकारी मदद का इंतजार किए, ग्रामीणों ने साहस का परिचय देते हुए अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने बाल्टियों से पानी डालकर और पारंपरिक तरीकों का इस्तेमाल कर आग पर काबू पाने की जी-तोड़ कोशिश की, ताकि आसपास के अन्य खेतों को इस तबाही से बचाया जा सके। हैरानी की बात यह है कि आग कैसे लगी, इसका सटीक कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। ग्रामीण और पीड़ित किसान इस अनहोनी से स्तब्ध हैं। कुछ लोग इसे शॉर्ट सर्किट का नतीजा मान रहे हैं, तो कुछ किसी की लापरवाही की आशंका जता रहे हैं। हालांकि, अभी तक आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है। फसल कटाई का समय नजदीक था और किसानों को इस बार अच्छी पैदावार की उम्मीद थी। लेकिन इस प्राकृतिक आपदा (अगलगी) ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। पीड़ित किसानों ने प्रशासन से मुआवजे की गुहार लगाई है ताकि वे इस आर्थिक नुकसान से उबर सकें।

चलती हाइवा गाड़ी में लगी आग, ड्राइवर और खलासी ने कूद कर बचाई जान

साहिबगंज : जिले के बोरियो थाना क्षेत्र अंतर्गत बोरियो-तीनपहाड़ मुख्य मार्ग के डुमरिया गांव के पास आज रविवार सुबह चलती हाइवा में आग लग गई। चालक और खलासी ने गाड़ी से कूद कर किसी तरह अपनी जान बचाई।
मिली जानकारी के मुताबिक (बी.आर. 10 जी.बी. 7652) संख्या का हाइवा स्टोन चिप्स लोड कर बोरियो की ओर आ रहा था। इसी क्रम में डुमरिया सामने हाइवा के केबिन में अचानक आग लग गई। आग लगते ही चालक चंदन मंडल अपने खलासी के साथ गाड़ी से कूद कर जान बचाई। जिसके बाद सड़क पर हाइवा धु-धु कर जलने लगी। घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गयी। ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग की लपटें इतनी तेज थी कि देखते ही देखते आग पूरी गाड़ी मे फैल गयी और कुछ देर में जलकर राख हो गयी। स्थानीय लोगों ने अग्नि-शामक यन्त्र के मदद से आग बुझाने की कोशिश की। लेकिन आग पर काबू नही पाया जा सका। इधर बोरियो पुलिस को घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग को सूचना दी गयी। सूचना के बाद दमकल विभाग की गाड़ी घटनास्थल पर पहुंचकर आग को बुझाया गया।

बरहरवा स्टेशन परिसर में अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद, जीआरपी जांच में जुटी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बरहरवा स्टेशन परिसर स्थित टैम्पो पार्किंग के पास शौचालय टंकी के समीप रविवार सुबह एक 55 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया गया। यह कार्रवाई जीआरपी पुलिस, बरहरवा द्वारा की गई। मिली जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह लगभग 10 बजे स्टेशन परिसर में मौजूद लोगों की सूचना पर जीआरपी टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। मृतक की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। शव के पहनावे की बात करें तो मृतक ने सफेद रंग की सैंडो गंजी, घीया रंग का फुल पैंट तथा ऊपर से कत्था रंग का बेल्ट पहना हुआ था। इस संबंध में बरहरवा जीआरपी थाना प्रभारी रामाशंकर प्रसाद ने बताया कि प्रथम द्दष्टया मामला किसी पुरानी बीमारी से मृत्यु का प्रतीत होता है। हालांकि, वास्तविक कारणों का पता जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही चल सकेगा। जीआरपी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर राजमहल स्थित शीतगृह भेज दिया है तथा यूडी केस दर्ज कर आगे की छानबीन शुरू कर दी है।

बरहरवा आरपीएफ की कार्रवाई, ट्रेन सर्च अभियान में अवैध शराब जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बरहरवा आरपीएफ ने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर अवैध शराब तस्करी पर लगाम लगाते हुए भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त की है, बरहरवा आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने बताया कि उनके दिशा निदेर्शानुसार, हेड कांस्टेबल अजीत कुमार, कांस्टेबल राजीव कुमार एवं कांस्टेबल, मनीष कुमार सीपीडीएस टीम (मालदा) द्वारा बरहरवा से साहेबगंज की ओर जाने वाली ट्रेन संख्या 53403 की जांच के दौरान उक्त ट्रेन के पिछले हिस्से से चौथे कोच के बैटरी बॉक्स से दो बोरे (कट्टे) बरामद किए गए। बरामद बोरों को खोलकर जांच करने पर उसमें अवैध विदेशी शराब एवं बीयर पाई गई। दोनों बोरों को खोलकर जांच की गई, जिसमें रॉयल झारखंड डीलक्स लिकर 300 एमएल का 100 बोतल, अनुमानित कीमत 6,500 रुपए, गॉडफादर कैन बीयर (स्ट्रांग बियर 2) 12 कैन प्रत्येक 500 एमएल, अनुमानित कीमत 1,800 रुपए, दोनों की कुल कीमत-8,300 रुपए है।उपरोक्त बरामद शराब एवं बीयर को इंस्पेक्टर बरहरवा द्वारा उपस्थित गवाहों के समक्ष विधिवत जब्त किया गया तथा जब्त सामग्री को आरपीएफ पोस्ट बरहरवा लाया गया। आगे की आवश्यक विधिक कार्रवाई हेतु इस संबंध में आबकारी विभाग, साहिबगंज को सूचित किया गया तथा जब्त की गई शराब को अग्रिम कार्रवाई हेतु आबकारी विभाग, साहिबगंज को सुपुर्द किया गया। कार्यवाही को लेकर बरहरवा आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने कहा कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि बर्दाश्त नहीं कि जाएगी। पकड़े जाने पर आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

एम.के. फैजी के झारखंड दौरे को लेकर एसडीपीआई की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया की प्रदेश कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को पाकुड़ स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम.के. फैजी के प्रस्तावित झारखंड दौरे को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान उनके आगमन को संगठन के विस्तार और मजबूती के लिहाज से काफी अहम बताया गया। बैठक में प्रदेश प्रभारी एनयू अब्दुस सलाम की उपस्थिति रही, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सह जिला परिषद सदस्य मोहम्मद हंजेला शेख ने की। नेताओं ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का यह दौरा केवल औपचारिक नहीं, बल्कि राज्य में पार्टी की सक्रियता बढ़ाने और जमीनी स्तर पर संगठन को सशक्त बनाने की एक रणनीतिक पहल है। बैठक के दौरान इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि एम.के. फैजी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक सक्रिय किया जाए। साथ ही, राज्य के विभिन्न जिलों से युवाओं और नए चेहरों को पार्टी की विचारधारा से जोड़ने की योजना पर भी विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। नेताओं का मानना है कि युवाओं की भागीदारी से संगठन को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। इसके अलावा, राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत को लेकर भी व्यापक तैयारियों पर चर्चा की गई। उनके द्वारा संबोधित किए जाने वाले कार्यक्रमों—जैसे जनसभाएं, कार्यकर्ता सम्मेलन और संगठनात्मक बैठकें—के संभावित स्थानों और तिथियों पर भी विचार किया गया। बैठक में उपस्थित नेताओं ने कहा कि एम.के. फैजी का झारखंड दौरा राज्य की राजनीति में एसडीपीआई की उपस्थिति को और प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। कार्यकताओं में उनके आगमन को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है और सभी स्तरों पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव तहमीदुर रहमान, प्रदेश महासचिव (संगठन) शमीम अख्तर, प्रदेश सचिव वजीदा खातून, अमीर हमजा सहित प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य एवं विभिन्न जिलों के जिला अध्यक्ष मौजूद रहे।

तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर गिरी, दो युवक गंभीर रूप से घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज: तालझारी थाना क्षेत्र के बागजोरी गांव में एक तेज रफ़्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पर गिरने से दो मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलों की पहचान गुलाबी हेंब्रम व मारंगमोय मरांडी के रूप में की गई है। मिली जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल चालक अपनी गाड़ी पर नियंत्रण खो बैठा और सड़क किनारे रोड का काम श्रीराम फाइनेंस कंपनी के द्वारा चल रहे दोनों साइड पर मिट्टी गिराकर स्लोपिंग का काम करना है, परन्तु मिट्टी गिराकर स्लोपिंग का काम नहीं किया जा रहा है जिसे दोनों साइड मिट्टी गिराकर रखा गया है। काम कर रहे लोगों द्वारा मनमानी एवं वर्चस्व दिखाते हुए अपना काम कर रहे हैं। जिससे रोड कन्जेस्टेड हो गया है, जिससे गाड़ी आने जाने में बहुत दिक्कत हो रही है जिससे कारण आए दिन इस तरह का दुर्घटना ज्यादा हो रही है। मेहंदीपुर से तीनपहाड़ बाजार करने के लिए अपनी बाइक में पत्नी एवं साली को लेकर जा रहा था। गाड़ी इतनी तेज रफ्तार में था कि बागजोड़ी के पास अभिमंत्रित होकर गिर गया और लहूलुहान हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए तालझारी थाना एसआई बृजेश कुमार ने तत्काल गश्ती टीम के साथ स्वास्थ्य केंद्र तालझारी पहुंचा। फिलहाल दोनों घायलों का उपचार अस्पताल में चल रहा है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

साहिबगंज कॉलेज में धूमधाम से मनाया गया बाहा पर्व, सरहुल एवं संताली साहित्य दिवस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : साहिबगंज कॉलेज परिसर में रविवार को बाहा पर्व, सरहुल एवं संताली साहित्य दिवस का भव्य एवं सांस्कृतिक उल्लास से भरपूर आयोजन किया गया। इस अवसर पर आदिवासी संस्कृति, परंपरा एवं साहित्य की समृद्ध विरासत की जीवंत झलक देखने को मिली, जिसने उपस्थित जनसमूह को गहराई से प्रभावित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक विधि-विधान एवं प्रकृति पूजन के साथ हुआ। इसके पश्चात विभिन्न कलाकारों द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक संथाली लोकनृत्य, गीत एवं वाद्य यंत्रों की मनमोहक प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे कलाकारों की प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और आदिवासी जीवनशैली की झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मॉडल कॉलेज राजमहल, साहिबगंज के प्राचार्य सह प्रसिद्ध भू-वैज्ञानिक डॉ. रणजीत कुमार सिंह रहे। उन्होंने अपने संबोधन में बाहा पर्व एवं सरहुल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये पर्व प्रकृति, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक एकता के प्रतीक हैं। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि संताली साहित्य समाज का दर्पण है, इसलिए इसके संरक्षण, संवर्धन एवं नई पीढ़ी तक इसके प्रभावी प्रसार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इस अवसर पर वक्ताओं ने संताली साहित्य दिवस की प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि वर्तमान समय में संताली भाषा एवं साहित्य को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि संताली साहित्य का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद किया जा रहा है, जिससे इसकी व्यापक पहुँच सुनिश्चित हो रही है। साथ ही भारत सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा गया कि अलचिकी (ओआई चिकी) लिपि के माध्यम से संताली भाषा को नई पहचान और मजबूती मिल रही है। कार्यक्रम में शिक्षक अतिथि के रूप में कमल किशोर जेराई भी उपस्थित रहे, जिन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए इसे सांस्कृतिक संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षक, शोधकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे, जिनकी सहभागिता ने आयोजन को और भी सफल एवं प्रभावशाली बनाया।

संक्षिप्त खबरें

प्रमाण पत्र निर्गत में अड़चन: शेरशाहवादी समाज ने प्रशासन का खटखटाया दरवाजा

पाकुड़ : जिले में शेरशाहवादी समुदाय के लोगों को जाति प्रमाण पत्र निर्गत कराने में आ रही समस्याओं को लेकर शुक्रवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने अंचल अधिकारी (सीओ) अरविंद कुमार बेदिया से मुलाकात की। यह प्रतिनिधिमंडल शेरशाहबादी डेवलपमेंट सोसायटी के तत्वावधान में पहुंचा था। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधियों ने अंचल अधिकारी को अवगत कराया कि शेरशाहवादी समुदाय के कई लोगों को जाति प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया में अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। दस्तावेजों की जांच, प्रक्रिया की अस्पष्टता एवं अन्य प्रशासनिक अड़चनों के कारण लोगों को बार-बार कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ रहा है। इस पर अंचल अधिकारी अरविंद कुमार बेदिया ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि जल्द ही इस संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि एक नोटिफिकेशन जारी कर उसे अंचल कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा किया जाएगा, ताकि आम लोगों को प्रक्रिया की पूरी जानकारी मिल सके और किसी प्रकार की परेशानी न हो। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने प्रशासन से मांग की कि जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने की प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाया जाए, जिससे जरूरतमंद लोगों को समय पर लाभ मिल सके। इस अवसर पर शेरशाहबादी डेवलपमेंट सोसायटी के संयोजक मो० आजफारुल हक, मो० बाबर शेख, कांग्रेस पार्टी के जिला अल्पसंख्यक अध्यक्ष शाहीन परवेज, एसडीपीआई के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अधिवक्ता अब्दुल हन्नान, प्रदेश कोषाध्यक्ष सह पंचायत समिति सदस्य ओबैदुर रहमान सहित समुदाय के कई अन्य लोग मौजूद थे। प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद जताई कि प्रशासन द्वारा जल्द उठाए जाने वाले कदमों से शेरशाहवादी समुदाय के लोगों को राहत मिलेगी और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में आसानी होगी।

शिव मंदिर चोरी मामले में पुलिस कबाड़ी दुकानदार से कर रही लंबी पूछताछ

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के बंगाली टोला स्थित शिव मंदिर में हुई चोरी की घटना में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले का खुलासा कर दिया है। इस मामले में अब पुलिस कबाड़ी दुकानदार से लंबी पूछताछ कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार 11 मार्च की रात अज्ञात चोरों ने दीपक फर्नीचर के पीछे स्थित शिव मंदिर को निशाना बनाया था। चोरों ने मंदिर का लोहे का घंटा चुरा लिया और दान पेटी तोड़कर उसमें रखे करीब पांच हजार रुपये नकद उड़ा लिए थे। घटना के बाद इलाके में आक्रोश फैल गया था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आयी और जांच शुरू की। 12 मार्च को पुलिस ने चोरी किया गया सामान अंजुमन नगर स्थित एक कबाड़ी दुकान से बरामद कर लिया। इसके बाद दुकान में छापेमारी भी की गयी। जांच के क्रम में 13 मार्च को पुलिस ने इस मामले में एक नाबालिग आरोपी की पहचान कर उसे पकड़ लिया, जिसे बाद में बाल सुधार गृह भेज दिया गया। वहीं, जिस कबाड़ी दुकान से चोरी का सामान बरामद हुआ, वहां के संचालक मोहम्मद नसीम उर्फ पिंटू से पुलिस गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि चोरी करने वाले के साथ-साथ चोरी का सामान खरीदने वाला भी उतना ही दोषी होता है। इसी आधार पर मामले के हर पहलू की जांच की जा रही है। नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और जल्द ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आकलन पास सहायक अध्यापक सड़क पर उतरने को तैयार, 6 मांगों पर संघर्ष तेज

साहिबगंज : प्रखंड में बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष जितेंद्र हरि बोरियो प्रखंड में बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष रवि कुमार एवं रेखा कुमारी, तालझारी प्रखंड में बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष गमाल हेंब्रम, मंडरो प्रखंड में बैठक की अध्यक्षता प्रखंड सचिव वीरेंद्र ठाकुर ने किया। अलग-अलग प्रखंडों में सहायक अध्यापकों की बैठक में मौजूद सहायक अध्यापकों ने कहा कि झारखंड की वर्तमान सरकार सहायक अध्यापकों का शोषण लगातार कर रही है एवं विगत समझौता के 19 महीने बाद भी समझौते का अनुपालन करने में सरकार एवं उनके अधिकारियों को तनिक भी रुचि नहीं है मजबूर होकर सहायक अध्यापक सड़क पर अब उतरने को विवश हो चुके हैं। सहायक अध्यापकों की मांग (1) विगत 28 /08/ 2024 को सरकार के साथ लिखित समझौता के तहत आकलन परीक्षा को टेट के समतुल्य मान्यता दी जाए (बिहार में दक्षता परीक्षा को टेट के समतुल्य मान्यता दी गई है। (2) कार्यरत सहायक अध्यापकों के लिए विभागीय टेट का आयोजन करवाया जाए एवं टेट परीक्षा का कट ऑफ मार्क्स बिहार की तर्ज पर 10प्रतिशत सभी केटेगरी में कम किया जाए। (3) प्रस्तावित टेट परीक्षा में संथाल परगना प्रमंडल के लिए क्षेत्रीय भाषा में अंगिका एवं पलामू प्रमंडल के लिए भोजपुरी मगही एवं सभी जिला में उर्दू भाषा को शामिल किया जाए , वर्तमान में संथाल परगना प्रमंडल एवं साहिबगंज जिला में क्षेत्रीय भाषा खोरठा को जबरदस्ती सरकार थोपने का प्रयास कर रही है। (4) प्रस्तावित टेट परीक्षा में प्राथमिक वर्ग में नियुक्त सहायक अध्यापकों के लिए इंटरमीडिएट उतीर्ण की न्यूनतम योग्यता का निर्धारण किया जाए, वर्तमान में इंटर में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों की बाध्यता रखी गई है जिससे हजारों सहायक अध्यापक टेट परीक्षा में बैठने से वंचित हो जाएंगे। (5) सुप्रीम कोर्ट के आदेश अनुसार सहायक अध्यापकों को समान काम का समान वेतन दिया जाए। वर्तमान में झारखंड सरकार के द्वारा अनुबंध कर्मचारियों को वेतनमान के समतुल्य मानदेय भुगतान प्रदान किया जा रहा है, जबकि सरकार सहायक अध्यापकों को अनुबंध कर्मचारी मानती है लेकिन मानदेय भुगतान का अंतर तकरीबन 15000 रखा गया है। (6) सहायक अध्यापकों की सेवानिवृत्ति 62 वर्ष की जाए एवं वार्षिक वृद्धि 4प्रतिशत चक्रवृद्धि बढ़ोतरी के रूप में प्रदान किया जाए जैसा की कैबिनेट से पारित किया गया था वर्तमान में वार्षिक बढ़ोतरी को फिक्स कर दिया गया है। उपरोक्त 6 सूत्री मांग को लेकर झारखंड के तकरीबन 45000 आकलन पास एवं प्रशिक्षित सहायक अध्यापक सरकार के खिलाफ आंदोलन का आगाज कर चुके हैं। जिसके प्रथम चरण में आज 5 अप्रैल को तमाम प्रखंड कमेटी की बैठक आयोजित की गई, यह बैठक झारखंड के तमाम 264 प्रखंड में आयोजित की गई है। अगर सरकार 12 अप्रैल तक झारखंड राज्य आकलन प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के साथ मुख्यमंत्री सह विभागीय मंत्री की अध्यक्षता में विभागीय बैठक नहीं करवाती है तो आगामी 18 अप्रैल 2026 से मुख्यमंत्री आवास के समक्ष धरना प्रदर्शन सह आमरण अनशन प्रारंभ किया जाएगा एवं यह कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा। जहां अलग-अलग प्रखण्ड कमेटी की बैठक में प्रदेश महासचिव विकास कुमार चौधरी, जिला अध्यक्ष अशोक कुमार शाह, प्रखंड अध्यक्ष जितेंद्र हरि, रवि कुमार, मनोज हरिजन, धर्मराज मंडल, जितेंद्र शाह, जितेंद्र दुबे, वीरेंद्र ठाकुर, शहादत अशरफी, चंद्रकांत ठाकुर, सुशांत मंडल, मुजीबुर रहमान, मोहसिन अजमल, रेखा कुमारी, स्नेहलता कुमारी, नूतन कुमारी, रश्मि रंजन, मोनी कुमारी, फुलवंती कुमारी, नीरज सिंह, सहित प्रखंड कमेटी के सभी सदस्य जिला कमेटी के तमाम सदस्य मौजूद थे।

निर्णायक सप्ताह आरबीआई नीति और वैश्विक तनाव तय करेंगे बाजार की दिशा

– तेल की कीमत, रुपये की स्थिति और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर भी रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई ।

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट का दौर रहा, जिससे निवेशकों की चिंता बढ़ गई है।

नए वित्त वर्ष की शुरुआत में यह सप्ताह बाजार की दिशा तय करने वाला माना जा रहा है। घरेलू आर्थिक संकेतों के साथ-साथ वैश्विक अनिश्चितताओं ने निवेशकों की सोच में असमंजस पैदा कर दिया है। इस हफ्ते कई ऐसे प्रमुख कारक हैं, जो बाजार की चाल पर निर्णायक असर डाल सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक 6 से 8 अप्रैल तक होगी। इस बैठक में ब्याज दर, महंगाई और लिक्विडिटी जैसे अहम मुद्दों पर फैसला लिया जाएगा। निवेशकों की निगाह इस पर है कि आरबीआई महंगाई और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच किस तरह की नीति अपनाता है। यदि ब्याज दर बढ़ाई जाती है, तो बैंकिंग और रियल एस्टेट सेक्टर पर दबाव बढ़ सकता है। वहीं, उदार नीति से उपभोक्ता खर्च और कॉर्पोरेट निवेश को बढ़ावा मिल सकता है। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अनिश्चितता बढ़ा रहा है। इसी बीच कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने भारत जैसे आयातक देश के लिए दबाव बढ़ा दिया है। महंगे तेल का असर चालू खाता घाटे और महंगाई पर पड़ सकता है। इसके अलावा, कंपनियों की लागत बढ़ने और उपभोक्ताओं की जेब पर असर डालने से बाजार की नकारात्मक भावना को बढ़ावा मिल सकता है। पिछले सप्ताह रुपये का डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर गिरना निवेशकों की चिंता का मुख्य कारण बना। आरबीआई के हस्तक्षेप से थोड़ी स्थिरता आई, लेकिन मुद्रा की अस्थिरता विदेशी निवेश और आयात लागत को प्रभावित कर सकती है। विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारी बिकवाली भी बाजार पर दबाव बनाए रख रही है। यदि यह रुझान जारी रहा, तो तेजी की उम्मीदें कमजोर पड़ सकती हैं। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा आरबीआई की नीति, तेल की कीमत, रुपये की स्थिति और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर निर्भर करेगी। निवेशकों को सतर्क रहना और इन संकेतकों पर नजर रखना जरूरी है, क्योंकि किसी भी बदलाव से बाजार में तेजी या गिरावट दोनों तेज़ी से देखने को मिल सकती है।

एफपीआई ने बाजारों से अप्रैल में की पहले दो सत्रों में 19,837 करोड़ की बिकवाली

- पश्चिम एशिया संघर्ष, बढ़ते तेल दाम और रुपये में कमजोरी ने विदेशी निवेशकों को बेचने पर मजबूर किया

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की भारतीय शेयर बाजार से निकासी का सिलसिला अप्रैल 2026 में भी जारी है। केवल अप्रैल के पहले दो कारोबारी सत्रों में ही एफपीआई ने 19,837 करोड़ रुपये (लगभग 2.1 अरब डॉलर) के शेयर बेचे। यह मार्च में हुई रिकॉर्ड निकासी के बाद बाजार पर दबाव बनाए रखने वाला नया संकेत है। मार्च 2026 में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार से लगभग 1.17 लाख करोड़ रुपये (लगभग 12.7 अरब डॉलर) निकाले थे, जो किसी भी महीने की अब तक की सबसे बड़ी निकासी थी। वहीं फरवरी में निवेशकों ने शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये डाले थे, जो पिछले 17 महीनों का सबसे ऊँचा निवेश था। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, 2026 में अब तक एफपीआई ने कुल 1.5 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली की है। बाजार के जानकारों के अनुसार, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, कच्चे तेल के दाम के 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जाने, रुपये में लगातार कमजोरी और डॉलर की मजबूती ने बिकवाली को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि युद्ध के बाद रुपये में लगभग चार प्रतिशत की गिरावट आई है, और आगे भी कमजोरी की आशंका बिकवाली को और बढ़ा रही है।

अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ने से निश्चित आय वाली परिसंपत्तियों का आकर्षण बढ़ा है। ऐसे में निवेशक अपने निवेश को शेयरों से अन्य संपत्तियों की ओर संतुलित कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक अनिश्चितताओं और घरेलू मुद्रा कमजोरी के बीच, एफपीआई की बिकवाली का दबाव बाजार पर और कुछ समय तक बना रह सकता है।

सोने के दामों में 18.5 फीसदी गिरावट

– गिरवी सोने को नीलामी से बचाने सावधान रहें, 50–60त्न से ज्यादा लोन लेने से बचें

मुंबई ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच सोने के दामों में करीब 18.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। कीमतों में इस कमी का असर गोल्ड लोन लेने वाले ग्राहकों पर भी पड़ रहा है। जिन लोगों ने ऊंचे भाव पर सोना गिरवी रखकर अधिक राशि का कर्ज लिया था, उनके सामने अब 'मार्जिन कॉल' का खतरा बढ़ गया है।विशेषज्ञों के अनुसार, जब सोने की कीमत घटती है तो गिरवी रखे आभूषणों की वैल्यू कम हो जाती है और लोन-टू-वैल्यू (एलटीवी) अनुपात बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में बैंक या वित्तीय संस्थान अतिरिक्त रकम जमा कराने या आंशिक लोन चुकाने का नोटिस दे सकते हैं।

तय समय में भुगतान नहीं करने पर गिरवी सोने की नीलामी की प्रक्रिया भी शुरू हो सकती है।वित्तीय सलाहकारों का कहना है कि मौजूदा अस्थिर बाजार में सोने के वर्तमान मूल्य का 50 से 60 फीसदी तक ही लोन लेना सुरक्षित माना जाता है। इससे कीमतों में गिरावट आने पर भी उधारकर्ता के पास सुरक्षा का पर्याप्त मार्जिन रहता है और नीलामी की नौबत नहीं आती। ग्राहकों को समय-समय पर बाजार भाव पर नजर रखने और जरूरत पड़ने पर लोन आंशिक रूप से चुकाने की सलाह दी गई है।

एफएमसीजी कंपनियों की जनवरी-मार्च तिमाही में स्थिर मांग के बीच वृद्धि मजबूत रही

नई दिल्ली ।

रोजमर्रा के उपभोग के सामान बनाने वाली एफएमसीजी कंपनियों की वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में स्थिर मांग के बीच वृद्धि मजबूत रही। हालांकि, पश्चिम एशिया के बाजारों में जारी भू-राजनीतिक तनाव चिंता का विषय बना हुआ है। मैरिको, डाबर और एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस (पूर्व में अदाणी विल्मर) जैसी कंपनियों ने मात्रा और मूल्य दोनों में वृद्धि दर्ज की है। यह बढ़ोतरी मूल्य निर्धारण में बदलाव, विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में गति, मजबूत घरेलू खपत और संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों को छोड़कर अंतरराष्ट्रीय बाजारों में वृद्धि के कारण संभव हुई है। कंपनियों को उम्मीद है कि महंगाई में कमी आने से मार्जिन में सुधार होगा। हालांकि वे आने वाली तिमाहियों को लेकर सतर्कता के साथ आशावादी बनी हुई हैं। उनका मानना है कि स्थिर आर्थिक परिस्थितियों और बेहतर खपत रुझानों के कारण घरेलू मांग में सुधार जारी रहेगा। घरेलू कंपनी मैरिको ने अपनी की तिमाही की जानकारी में बताया कि इस अवधि में उसकी एकीकृत आय में सालाना आधार पर करीब 20 प्रतिशत के आसपास वृद्धि हुई है। यह वृद्धि मूल्य निर्धारण उपायों, केश तेल श्रेणी में मजबूत प्रदर्शन और अंतरराष्ट्रीय कारोबार में बेहतर मांग से संभव हुई। डाबर ने भी अपेक्षाकृत संतुलित प्रदर्शन दर्ज करते हुए मार्च तिमाही में मध्यम एकल अंक की आय वृद्धि का अनुमान जताया है। कंपनी ने कहा कि घरेलू मांग में क्रमिक सुधार देखा गया और भारत में उसका त्वरित उपभोग वस्तु कारोबार उच्च एकल अंक की वृद्धि दर्ज कर सकता है।

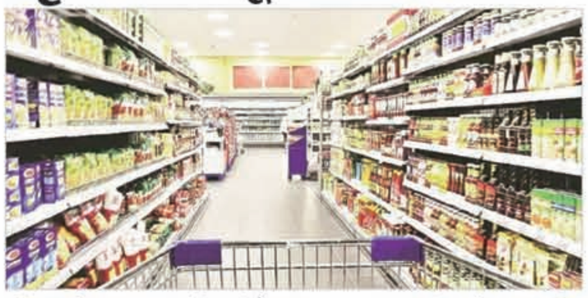

सेंसेक्स की शीर्ष छह कंप नियों का का बाजार पूंजीकरण 64,734 करोड़ घटा

– शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह कम कारोबारी सत्रों वाले में सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 64,734.46 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान में भारती एयरटेल रही। समीक्षाधीन सप्ताह में भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 29,993.07 रुपये करोड़ घटकर 10,20,420.26 करोड़ रुपये पर आ गया।

आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 12,845.81 करोड़ रुपये घटकर 8,70,705.49 करोड़ रुपये रह गई।बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 11,169.36 करोड़ रुपये कम होकर 5,14,226.12 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 7,822.79 करोड़ रुपये घटकर 11,56,195.90 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 2,349.59 करोड़ रुपये घटकर 4,85,190.60 करोड़ रुपये रहा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 553.84 करोड़ रुपये घटकर 9,41,015.31 करोड़ रुपये रह गई। इस रुख के उलट टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 22,359.78 करोड़ रुपये बढ़कर 8,87,028.43 करोड़ रुपये हो गया।इंफोसिस का पूंजीकरण 12,374.76 करोड़ रुपये बढ़कर 5,27,409.43 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। लार्सन एंड टुब्रो का मूल्यांकन 6,575.43 करोड़ रुपये बढ़कर 4,97,111.62 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 3,518.45 करोड़ रुपये बढ़कर 18,28,034.07 करोड़ रुपये हो गई। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

मिडिल ईस्ट युद्ध से राजस्थान के बीकानेरी स्नैक्स निर्यात पर भारी असर

– माल ढुलाई की लागत में तेज़ी से वृद्धि हुई है और व्यापार पर दबाव बढ़ा

नई दिल्ली ।

अमेरिका-ईरान संघर्ष और होर्मुज स्ट्रेट की बंदिशों ने राजस्थान के बीकानेर के स्नैक्स उद्योग को भी झकझोर दिया है। भुजिया, पापड़ और मसालों का निर्यात अब महंगा और लंबा हो गया है, जिससे व्यापारियों की चिंता बढ़ गई है।

निर्यातक बताते हैं कि पहले 30 दिनों में पहुंचने वाले कंटेनर अब लंबे और सुरक्षित मार्ग अपनाने के कारण 60 दिन तक ले जा रहे हैं। इससे माल ढुलाई की लागत में तेज़ी से वृद्धि हुई है और व्यापार पर दबाव बढ़ा है। बीकानेरी स्नैक्स खाड़ी देशों और यूरोप में बड़े पैमाने पर निर्यात होते हैं।

यूएस-ईरान युद्ध के कारण माल ढुलाई शुल्क बढ़ा, कंटेनरों की कमी हुई और सप्लाई चेन प्रभावित हुई। अरब देशों में मांग मजबूत है, लेकिन डिलीवरी में देरी के कारण नुकसान हो रहा है। खाद्य तेल की कीमत में पिछले एक महीने में लगभग 20 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि पैकेजिंग लागत में 30-40 फीसदी का इजाफा हुआ। ताड़ के तेल और सोयाबीन जैसे कच्चे माल के आयात में भी बाधा आई है। इन कारणों से उद्योग पर वित्तीय दबाव और बढ़ गया है।

बीकानेर से हर महीने 15-20 कंटेनर भुजिया और पापड़ तथा लगभग 60 कंटेनर अन्य स्नैक्स और मसाले निर्यात किए जाते हैं। मुख्य बाजार ईरान, इराक, ओमान, यूएई, कतर, बहरीन और यूरोप के ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, इटली व स्पेन हैं। युद्ध और वैश्विक टेंशन के कारण करोड़ों रुपये का माल बंदरगाहों पर या रास्ते में फंसा हुआ है।

सरसों की गिरावट के बीच सोयाबीन, पामतेल और बिनौला तेल में मजबूती

- शादी-विवाह के मौसम की मांग और विदेशी बाजार में गतिविधियों के कारण तेलों की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजार में सरसों के दाम घटे, जबकि सोयाबीन, मूंगफली, पामतेल और बिनौला तेल की कीमतें मजबूती दिखाईं। शादी-विवाह के मौसम की मांग और विदेशी बाजार में गतिविधियों के कारण अन्य तेलों की कीमतें बढ़ीं। बड़ी तेल मिलों ने सस्ते दाम पर सरसों खरीदने के लिए उत्पादन अनुमान बढ़ाया और आयात शुल्क को लेकर अफवाहें फैलाईं। किसानों ने अपनी फसल रोक-रोक कर बाजार में उतारी, जिससे सरसों तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। सोयाबीन तेल की कीमत 1,390-95 डॉलर प्रति टन तक बढ़ गई। इंडोनेशिया में जुलाई से बायो-डीजल में पामतेल के बढ़ते उपयोग और मलेशिया में निर्यात में वृद्धि ने पाम और पामोलीन तेल के दामों को मजबूती दी। कपास नरमा की आवक घटने और मूंगफली तेल महंगा होने के कारण बिनौला तेल की मांग बढ़ी।

इसके चलते बिनौला तेल के दाम भी मजबूती के साथ बंद हुए, जबकि बाजार में कुल मिलाकर तेल-तिलहन विविधता में हलचल रही। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 100 रुपये की गिरावट के साथ 6,925-6,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 14,725 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 20-20 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,440-2,540 रुपये और 2,440-2,585 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 75-75 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 5,800-5,850 रुपये और 5,475-5,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 375 रुपये के सुधार के साथ 16,825 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 475 रुपये के सुधार के साथ 16,225 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 175 रुपये के सुधार के साथ 13,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तिलहन का दाम 50 रुपये की मजबूती के साथ 7,300-7,775 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 100 रुपये के सुधार के साथ 17,650 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 15 रुपये की मजबूती के साथ 2,785-3,085 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में कारोबारी धारणा में आम मजबूती के रुख के अनुरूप, सीपीओ तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,725 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 250 रुपये सुधरकर 15,675 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 250 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 14,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।तेजी के आम रुख के अनुरूप, बिनौला तेल का दाम 600 रुपये के सुधार के साथ 15,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

रिजर्व बैंक की ऐप से बिना बैंक जाए मिलेगा लोन

- किसानों, डेयरी संचालकों और पर्सनल लोन लेने वालों के लिए प्रक्रिया होगी आसान

नई दिल्ली ।

अब लोन लेने के लिए बैंकों के चक्कर लगाने और लंबी कागजी प्रक्रिया से गुजरने की जरूरत नहीं पड़ेगी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) जल्द ही एक नई डिजिटल व्यवस्था शुरू करने जा रहा है, जिसके तहत मोबाइल ऐप के माध्यम से मिनटों में लोन स्वीकृत किया जा सकेगा। इस पहल का उद्देश्य छोटे कर्जदारों, किसानों, डेयरी संचालकों और पर्सनल लोन लेने वाले ग्राहकों को त्वरित और पारदर्शी सुविधा उपलब्ध कराना है।नई प्रणाली के तहत जमीन के रिकॉर्ड, क्रेडिट स्कोर और आय संबंधी जानकारी एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगी। इससे बैंक और वित्तीय संस्थानों को आवेदक की पात्रता जांचने में आसानी होगी और लोन प्रक्रिया तेज होगी। शुरुआत में छोटे कर्ज और कृषि से जुड़े ऋण दिए जाएंगे, जिससे ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।बताया जा रहा है कि इस डिजिटल प्लेटफॉर्म से कई बैंक और डेटा सेवा प्रदाता जुड़ेंगे, जिससे सूचनाओं का आदान-प्रदान सुरक्षित और त्वरित होगा। इससे बैंकों की परिचालन लागत भी कम होगी और ग्राहकों को कम समय में ऋण मिल सकेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम देश में डिजिटल बैंकिंग को नई दिशा देगा और वित्तीय समावेशन को मजबूती प्रदान करेगा।

ईरान युद्ध की वजह से अमेरिका में भी बढ़ने लगी है महंगाई

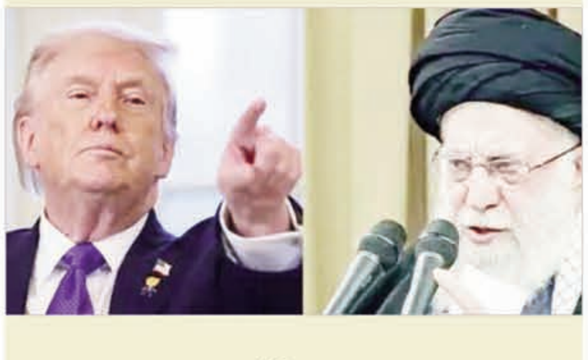

वाशिंगटन ।

ईरान के खिलाफ संभावित युद्ध ने अमेरिका में आर्थिक दबाव बढ़ा दिया है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी और डिलीवरी कंपनियों द्वारा अधिभार लगाने से आम उपभोक्ताओं की जेब पर असर दिखने लगा है। अमेरिका में पेट्रोल की औसत कीमत शुक्रवार को 4.09 डॉलर प्रति गैलन पहुंच गई, जो अगस्त 2022 के बाद का उच्चतम स्तर है। डीजल की कीमत 3.64 डॉलर से बढ़कर 5.53 डॉलर प्रति गैलन हो गई है। डीजल का व्यापक उपयोग कृषि, निर्माण और परिवहन उद्योगों में होता है। ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन ने 17 अप्रैल से तीसरे पक्ष विक्रेताओं पर 3.5 फीसदी ईंधन अधिभार लगाने की घोषणा की। अमेरिकी डाक सेवा (यूएसपीएस) भी अस्थायी रूप से 8 फीसदी ईंधन अधिभार लागू करने की योजना बना रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर युद्ध लंबा खिंचता है, तो अमेरिका की आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होगी। शिकागो फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष ऑस्टन गूल्सबी ने चेताया कि बढ़ी हुई परिवहन लागत अन्य वस्तुओं की कीमतों पर भी असर डालेगी, जिससे जीवनयापन महंगा होगा।

मूडीज ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर घटाकर 6 फीसदी की, महंगाई बढ़ने का खतरा

- निजी उपभोग में कमी, औद्योगिकी गतिविधियों में सुस्ती और निवेश में गिरावट मुख्य कारण

नई दिल्ली ।

मूडीज रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण ईंधन और खाद्य कीमतों में वृद्धि होगी, जिससे महंगाई पर दबाव बढ़ेगा और घरेलू उपभोग प्रभावित होगा। मूडीज की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की वृद्धि दर पहले अनुमानित 6.8 फीसदी से घटकर 6 फीसदी रहने की संभावना है। निजी उपभोग में कमी, औद्योगिकी गतिविधियों में सुस्ती और निवेश में गिरावट इसका मुख्य कारण हैं। ईंधन और रसोई गैस (एलपीजी) की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ-साथ उर्वरक आयात पर निर्भरता से खाद्य मुद्रास्फीति में भी बढ़ोतरी हो सकती है। मूडीज ने चेताया है कि भूराजनीतिक तनाव महंगाई के जोखिम को ऊपर की ओर ले जा सकता है। एजेंसी ने 2026-27 में औसत मुद्रास्फीति 4.8 फीसदी रहने का अनुमान जताया है, जो 2025-26 की 2.4 फीसदी से अधिक है। इस पर नीतिगत प्रतिक्रिया के रूप में रेपो दर या तो स्थिर रखी जाएगी या धीरे-धीरे बढ़ाई जाएगी। पश्चिम एशिया से भारत का कच्चा तेल आयात लगभग 55 फीसदी और एलपीजी का 90 फीसदी आता है। इसी कारण ईंधन और परिवहन लागत बढ़ सकती है। इसके अलावा खाड़ी देशों से भेजे जाने वाले रेमिटेंस पर भी असर पड़ेगा, क्योंकि इसके 40 फीसदी हिस्से की आपूर्ति वहीं से होती है। दूसरी एजेंसियों का भी अनुमान है। ओईसीडी ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.1 फीसदी, जबकि आईसीआरए ने 6.5 फीसदी बताई है। आईसीआरएने कहा कि निर्यात स्थिर रहेगा, लेकिन आयात बढ़ने से चालू खाता घाटा बढ़ सकता है।

सुजुकी मोटरसाइकिल का लक्ष्य वैश्विक बिक्री में 50 फीसदी योगदान

- खरखौदा नया संयंत्र घरेलू और निर्यात बिक्री बढ़ाएगा

नई दिल्ली ।

सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएमआईपीएल) ने अपनी वैश्विक बिक्री में योगदान बढ़ाने के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। कंपनी का उद्देश्य सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन (एसएमएसी) की दुनिया भर में मोटरसाइकिल बिक्री में 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा देना है। वित्त वर्ष 2025-26 में एसएमआईपीएल ने 14,39,415 इकाइयों की अब तक की सबसे ऊंची बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की 12,56,155 इकाइयों से 15 फीसदी अधिक है। घरेलू बिक्री 11,74,874 इकाई रही और निर्यात 26 फीसदी बढ़कर 2,64,541 इकाई हुआ। कंपनी हरियाणा के खरखौदा में नया संयंत्र बना रही है, जिसमें लगभग 1,174 करोड़ रुपये का निवेश होगा और इसकी सालाना उत्पादन क्षमता 7.5 लाख इकाई की होगी। वर्तमान खेरकी दौला संयंत्र 14 लाख इकाई का उत्पादन करता है।

संक्षिप्त डायरी

बिहार में बदला मौसम का मिजाज,12 जिलों में आज बारिश-आंधी का अलर्ट

पटना (एजेंसी) बिहार में मौसम ने अचानक करवट ले ली है. भीषण गर्मी से परेशान लोगों को राहत तो मिलेगी, लेकिन इसके साथ आंधी, बारिश और ओलावृष्टि का खतरा भी बढ़ गया है, क्टऊ ने 9 अप्रैल तक राज्य में खराब मौसम का अलर्ट जारी किया है, जिसमें कई जिलों में तेज हवाओं और गरज-चमक के साथ बारिश की चेतावनी दी गई है. बिहार में चिलचिलाती धूप और लू जैसी गर्मी झेल रहे लोगों के लिए राहत और आफत दोनों एक साथ दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं. क्टऊ ने राज्य के आसमान में एक विशाल बदलाव की आहट सुनी है, जो अगले चार दिनों तक बिहार की तस्वीर बदलने वाली है. लगभग 1000 किलोमीटर लंबे बादलों के समूह ने राज्य में प्रवेश कर लिया है. इसका नतीजा यह होगा कि अगले 96 घंटों तक बिहार के कई जिलों में धूल भरी आंधी, मूसलाधार बारिश और जानलेवा ओलावृष्टि का तांडव देखने को मिल सकता है. आज इन जिलों में रहेगा मौसम खराब रविवार को गया, जमुई, बांका, नवादा, औरंगाबाद, रोहतास, कैमूर और पश्चिम व पूर्वी चंपारण समेत कुल 12 जिलों में बारिश और तेज आंधी की संभावना है. इन इलाकों में हवा की रफ्तार 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है. बाकी जिलों में भी बादल छाए रहेंगे और मौसम तेजी से बदल सकता है. पश्चिमी विक्षोभ के असर से उत्तर प्रदेश और झारखंड होते हुए बिहार की ओर बढ़ रहा है. इसी कारण अगले कुछ दिनों तक मौसम अस्थिर बना रहेगा कब किस दिन कितना असर? 6 अप्रैल को राज्य के अधिकांश जिलों में आंधी और बारिश का असर देखने को मिलेगा. 7 अप्रैल को यह पूरे बिहार में फैल जाएगा, जहां कई जगहों पर ओला गिरने की भी संभावना है. 8 अप्रैल को मौसम सबसे ज्यादा खराब हो सकता है, खासकर दक्षिण बिहार में ओले गिरने और ठनका गिरने का खतरा ज्यादा रहेगा. 9 अप्रैल तक यह सिलसिला जारी रहेगा, हालांकि 10 अप्रैल से मौसम साफ होने के संकेत हैं. अभी तापमान 38 डिग्री के आसपास बना हुआ है, लेकिन आने वाले दिनों में इसमें तेज गिरावट होगी. 8 अप्रैल तक तापमान गिरकर 25 डिग्री तक पहुंच सकता है, जिससे गर्मी से राहत मिलेगी और मौसम ठंडा हो जाएगा.

दरभंगा लूट के बाद एसटीएफ का एक्शन, बेगूसराय में एनकाउंटर

पटना (एजेंसी) दरभंगा में ज्वेलरी लूट के बाद बेगूसराय में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई. इस दौरान एक आरोपी घायल हुआ और चार लोगों को गिरफ्तार किया गया. पुलिस अब फरार अपराधियों की तलाश में सर्च ऑपरेशन चला रही है. बिहार के बेगूसराय जिले में शनिवार को पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई. यह कार्रवाई दरभंगा में एक दिन पहले हुई बड़ी ज्वेलरी लूट की घटना के बाद की गई. दरभंगा में प्रेम ज्वेलर्स से 2 करोड़ रुपये से ज्यादा के कैश और गहनों की लूट हुई थी. इसके बाद पुलिस लगातार अपराधियों की तलाश में जुटी थी. सूचना मिली कि इस लूटकांड से जुड़े कुछ बदमाश बेगूसराय के मंसूरचक थाना इलाके के नारायण चौक के पास छिपे हुए हैं. बिहार एसटीएफ की टीम जैसे ही वहां पहुंची और छापेमारी शुरू की, बदमाशों ने पुलिस को देखते ही ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी. खुद को बचाने के लिए पुलिस को भी जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी और दोनों तरफ से कई राउंड गोलियां चलीं. कई घंटों तक चली मुठभेड़ यह मुठभेड़ सुबह करीब 10 बजे के बाद शुरू हुई और कई घंटों तक चलती रही. इस दौरान एक बदमाश को गोली लगी. पुलिस ने चार संदिग्धों को पकड़ लिया है. इन सभी से पूछताछ की जा रही है ताकि पूरे गैंग के बारे में जानकारी मिल सके. जानकारी के मुताबिक, लूट के बाद बदमाश भागते हुए अलग-अलग जगहों पर छिप गए थे. कुछ घरों और खेतों में छिपे हुए थे, जहां से उन्होंने पुलिस पर हमला कर दिया. इसके बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और पुलिस ने इलाके को घेरकर सर्च ऑपरेशन शुरू किया. बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें सर्च ऑपरेशन जारी घटना की जानकारी मिलते ही बेगूसराय के एसपी मनीष भी मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जांच शुरू की. पुलिस को शक है कि इस गिरोह के कुछ और सदस्य आसपास के इलाकों में छिपे हो सकते हैं. दशरथपुर इलाके में भी बदमाशों के छिपे होने की सूचना मिल रही है. फिलहाल पुलिस लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है और फरार अपराधियों की तलाश में जुटी है. अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही पूरे गैंग का खुलासा किया जाएगा और सभी आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा.

बिहार में 125 यूनिट फ्री के बाद अब 20% और बचत का मौका, जानें कैसे मिलेगा फायदा

पटना (एजेंसी) बिहार में बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है. 125 यूनिट मुफ्त बिजली के साथ अब ऑफ-पीक समय में सस्ती दर का भी लाभ मिलेगा. सही समय पर बिजली उपयोग करने से लोग अपने बिल में अच्छी बचत कर सकते हैं और यह योजना सिस्टम को भी संतुलित बनाएगी. बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड ने सस्ती बिजली को लेकर नई जानकारी साझा की है. अब लोग सिर्फ मुफ्त बिजली ही नहीं, बल्कि तय समय पर बिजली इस्तेमाल करके अतिरिक्त बचत भी कर सकते हैं. राज्य सरकार पहले से ही हर महीने 125 यूनिट तक बिजली मुफ्त दे रही है. इसका फायदा लाखों उपभोक्ताओं को मिल रहा है. लेकिन अब इससे आगे भी राहत का मौका दिया गया है. अगर कोई उपभोक्ता 125 यूनिट से ज्यादा बिजली खर्च करता है, तो वह ऑफ-पीक समय में बिजली इस्तेमाल कर 20 प्रतिशत तक की बचत कर सकता है. बिजली कंपनी ने क्या बताया बिजली कंपनी के मुताबिक, सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक का समय ऑफ-पीक आवर्स माना गया है. इस दौरान बिजली की खपत करने पर उपभोक्ताओं को सामान्य दर का सिर्फ 80 प्रतिशत ही भुगतान करना होगा. यानी इस समय बिजली इस्तेमाल करना जेब के लिए फायदेमंद साबित होगा. रात 11 बजे से सुबह 9 बजे तक बिजली की दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है. इस समय पहले की तरह ही सामान्य दर लागू रहेगी. इस समय सस्ती बिजली का लाभ नहीं मिलेगा. बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें बिजली बिल में अच्छी-खासी बचत हो सकती है इस योजना के तहत रोजाना 8 घंटे सस्ती बिजली का फायदा उठाया जा सकता है. अगर लोग अपने घर के काम जैसे वॉशिंग मशीन, पानी मोटर या अन्य उपकरणों का इस्तेमाल इसी समय में करते हैं, तो उनके बिजली बिल में अच्छी-खासी बचत हो सकती है. बिजली कंपनी ने उदाहरण देते हुए बताया कि अगर कोई उपभोक्ता रोजाना 2 यूनिट बिजली को पीक समय से हटाकर ऑफ-पीक समय में इस्तेमाल करता है, तो वह करीब 2.96 रुपये रोज और लगभग 89 रुपये महीने की बचत कर सकता है.

दो महाविद्यालयों पर गंभीर आरोप

तिरहुत-मुजफ्फरपुर (एजेंसी)
वैशाली के हाजीपुर स्थित दो कॉलेजों के निरीक्षण में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। जिला पदाधिकारी के निर्देश पर हुई जांच में पाया गया कि संस्थानों में शैक्षणिक गतिविधियां लगभग ठप हैं, न छात्र मौजूद थे, न शिक्षक और न ही जरूरी संसाधन। वैशाली जिले में शिक्षा व्यवस्था को लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह के निर्देश पर हाजीपुर के दो कॉलेजों की जांच में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। जांच जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह के निर्देश पर हाजीपुर के इंदू देवी रंजीत कुमार प्रकाश प्रोफेशनल कॉलेज और डॉ. रंजीत कुमार प्रकाश कॉलेज का 23 मार्च 2026 को गठित जांच समिति द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया गया।

10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य की शपथ लेंगे नीतीश कुमार, नए CM की रेस शुरू

राज्यसभा जाएंगे नीतीश कुमार, बिहार की कमान अब किसके हाथ? नितिन नवीन और उपेंद्र कुशवाहा भी बने सांसद

पटना (एजेंसी) मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने जा रहे हैं. इस खबर के सामने आते ही राज्य में नए मुख्यमंत्री को लेकर चचाएं तेज हो गई हैं. बिहार की राजनीति में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जिन्होंने साल 2005 से बिहार की कमान संभाली है, अब राज्य की सत्ता की बागडोर छोड़कर दिल्ली की राजनीति में नई पारी शुरू करने जा रहे हैं. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने पुष्टि की है कि नीतीश कुमार 10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे. 2005 से लगातार सत्ता में रहे नीतीश नीतीश कुमार 2005 से बिहार की राजनीति के केंद्र में रहे हैं और लंबे समय तक मुख्यमंत्री पद संभालते रहे. राज्यसभा जाने के उनके फैसले ने सभी को चौंका दिया. तीश कुमार का मुख्यमंत्री पद से हटकर राज्यसभा जाना बिहार की राजनीति के एक युग का समापन माना जा रहा है. अप्रैल के दूसरे सप्ताह में बिहार को नया मुख्यमंत्री मिल सकता है. बिहार की जनता और राजनीतिक पंडितों की निगाहें अब एनडीए के अगले कदम पर टिकी हैं, जो राज्य के भविष्य की नई दिशा तय करेगा. किन-किन नेताओं का नाम चर्चा में? स बार राज्यसभा चुनाव के नतीजे काफी दिलचस्प रहे हैं. नीतीश कुमार के साथ-साथ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और रालोमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा भी निर्वाचित हुए हैं. इसके अलावा केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर और शिवेश कुमार भी ऊपरी सदन में बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगे. तीन-तीन राष्ट्रीय अध्यक्षों का एक साथ राज्यसभा जाना केंद्र में बिहार के बढ़ते सियासी वजन की ओर इशारा कर रहा है. राज्यसभा शपथ के बाद क्या होगा अगला कदम? नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले ने उत्तराधिकारी की चचाओं को हवा दे दी है. राजनीतिक गलियारों में कयास लगाए जा रहे हैं कि अब बिहार में भाजपा का मुख्यमंत्री हो सकता है. कई पार्टी नेताओं और समर्थकों ने मुख्यमंत्री के पुत्र निशांत कुमार को सत्ता सौंपने की वकालत की है, जिसके समर्थन में पटना की सड़कों पर पोस्टर भी देखे जा रहे हैं. एनडीए का केंद्रीय नेतृत्व और नीतीश कुमार मिलकर जल्द ही नए नाम पर मुहर लगा सकते हैं, ताकि शासन-प्रशासन में निरंतरता बनी रहे.

शादियों के सीजन से पहले पटना में गैस का संकट, 1.71 लाख पहुंचा बैकलॉग

पटना (एजेंसी) : बिहार में शादी का सीजन शुरू होने से पहले ही रसोई गैस की भारी किल्लत ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है. 14 अप्रैल को खरमास खत्म होते ही 16 अप्रैल से शादियों का सिलसिला शुरू होगा, लेकिन सिलेंडर की कमी ने परिवारों, कैटरर्स और मैरेज हॉल संचालकों के सामने बड़ा संकट खड़ा कर दिया है. : बिहार में 14 अप्रैल को खरमास खत्म होते ही शहनाइयां बजनी शुरू हो जाएंगी, लेकिन इस बार दूल्हे और उनके परिवारों के माथे पर चिंता की लकीरें खिंची हुई हैं. पटना सहित कई जिलों में रसोई गैस (LPG) की भारी किल्लत जारी है. शादियों के घरों में इस बात का डर सता रहा है कि अगर समय पर सिलेंडर नहीं मिला, तो बारातियों के स्वागत और खाने-पीने का इंतजाम कैसे होगा. प्रशासन ने अभी तक शादी-ब्याह जैसे आयोजनों के लिए किसी अतिरिक्त कोटे की व्यवस्था नहीं की है. शादी वाले घरों में बढ़ी टेंशन शादी समारोहों के लिए बुकिंग तो महीनों पहले हो चुकी है, लेकिन अब गैस की कमी ने संचालकों के हाथ-पांव फुला दिए हैं. पटना के बेली रोड और दीघा आशियाना रोड के बैंक्वेट हॉल प्रबंधकों का कहना है कि उन्हें जरूरत का आधा कमर्शियल सिलेंडर भी नहीं मिल पा रहा है. ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि मेहमानों के सामने परोसे जाने वाले व्यंजनों की लिस्ट छोटी करनी पड़ सकती है. वहीं, जिन घरों में श्राद्ध या अन्य आकस्मिक आयोजन हैं, वहां के लोग एक-एक सिलेंडर के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं. कालाबाजारी करने वालों पर एस्मा के तहत कार्रवाई गैस संकट की गंभीरता को देखते हुए डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम ने अधिकारियों और गैस एजेंसियों के साथ आपात बैठक की है. उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया है कि जो भी एजेंसी या व्यक्ति कालाबाजारी, ओवर-प्राइसिंग या गैस के अवैध उपयोग में शामिल पाया जाएगा, उस पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तारी की जाए. प्रशासन ने लापरवाही बरतने वालों पर एस्मा) के तहत कार्रवाई की चेतावनी दी है. उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए जिला कंट्रोल रूम का नंबर (0612-2219810) जारी किया गया है, जहां 24 घंटे शिकायत दर्ज कराई जा सकती है. 1.71 लाख तक पहुंचा बैकलॉग स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एलपीजी सिलेंडर का बैकलॉग 1.71 लाख तक पहुंच गया है.

बिहार से इंटरनेशनल उड़ान की शुरुआत, पटना और गया से इन 5 देशों के लिए डायरेक्ट फ्लाइट

पटना (एजेंसी) बिहार सरकार ने पटना और गया से सीधे विदेशों के लिए उड़ान सेवा शुरू करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है और इसके लिए टेंडर भी जारी कर दिया गया है. उम्मीद है कि जल्द ही कई बड़े अंतरराष्ट्रीय रूट्स पर फ्लाइट्स शुरू हो जाएंगी. बिहार के लोगों के लिए अंतरराष्ट्रीय सफर अब और भी आसान और किफायती होने जा रहा है. लंबे इंतजार के बाद, राज्य सरकार ने पटना और गया हवाई अड्डों से सीधे विदेशी शहरों के लिए हवाई सेवा शुरू करने की दिशा में कदम उठाया है. अब यात्रियों को बैंकॉक की मौज-मस्ती हो या काठमांडू की धार्मिक यात्रा, दिल्ली या कोलकाता के चक्कर काटने की जरूरत नहीं पड़ेगी. नागरिक उड्डयन विभाग ने इसके लिए आधिकारिक तौर पर टेंडर जारी कर दिया है, जिससे बिहार की कनेक्टिविटी सीधे ग्लोबल मैप पर चमकने वाली है. किन-किन शहरों के लिए मिलेगी सीधी उड़ान? बिहार को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन और व्यापार का केंद्र बनाने के लिए पांच प्रमुख वैश्विक शहरों को चुना है. नई योजना के तहत पटना से नेपाल की राजधानी काठमांडू के लिए सीधी उड़ान शुरू होगी. गया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का विस्तार करते हुए वहां से शारजाह (यूएई), बैंकॉक (थाईलैंड), बल्कि खाड़ी देशों में काम करने वाले बिहार के कामगारों और बौद्ध सर्किट की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं है. एयरलाइंस को मिलेगा करोड़ों का सपोर्ट हवाई सेवा को सुगम और सफल बनाने के लिए बिहार सरकार ने वायबिलिटी गैप फंडिंग का एक आकर्षक मॉडल तैयार किया है. सरकार ने एयरलाइंस कंपनियों को शुरूआती घाटे से उबारने के लिए कुल 36.5 करोड़ रुपये तक की आर्थिक सहायता देने का प्रस्ताव रखा है. पटना-काठमांडू और गया-काठमांडू रूट के लिए 18-18 करोड़ रुपये की सहायता राशि तय की गई है

मुजफ्फरपुर-दरभंगा समेत 2 नई रेल लाइनों को मिली 511 करोड़ की सौगात, सफर होगा तेज और आसान

पटना (एजेंसी) बिहार में लंबे समय से ठंडे बस्ते में पड़ी मुजफ्फरपुर-दरभंगा और मुजफ्फरपुर-कटरा-जनकपुर रोड रेल लाइन परियोजनाओं को अब नई जिंदगी मिलती दिख रही है. पूर्व मध्य रेलवे ने इन दोनों प्रोजेक्ट्स के लिए कुल 511 करोड़ रुपये का आवंटन किया है, जिससे काम में तेजी आने की उम्मीद है. लंबे समय से फाइलों में दबी मुजफ्फरपुर-दरभंगा और मुजफ्फरपुर-कटरा-जनकपुर रोड (सीतामढ़ी) नई रेल लाइन परियोजनाओं को अब नई रफ्तार मिलने वाली है. केंद्र सरकार द्वारा बजट आवंटन के बाद पूर्व मध्य रेलवे (एउफ) ने इन दोनों महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स के लिए □511 करोड़ की भारी-भरकम राशि जारी कर दी है. इस निवेश से न केवल यात्रा का समय घटेगा, बल्कि मुजफ्फरपुर, दरभंगा और सीतामढ़ी जिलों के बीच कनेक्टिविटी का एक नया अध्याय शुरू होगा. सालों पुरानी योजनाओं को मिला नया जीवन मुजफ्फरपुर से दरभंगा के बीच वर्तमान में ट्रेनों को समस्तीपुर होकर लगभग 91 किलोमीटर की लंबी दूरी तय करनी पड़ती है. नई रेल लाइन बन जाने के बाद यह दूरी घटकर मात्र 67 किलोमीटर रह जाएगी. इस 67 किमी लंबे नए रेलखंड के लिए रेलवे ने □282.30 करोड़ आवंटित किए हैं. यह प्रोजेक्ट साल 2007-08 से ही लंबित था, लेकिन अब फंड मिलने से निर्माण कार्य में तेजी आएगी. इससे मिथिलांचल और तिरहुत क्षेत्र के बीच व्यापारिक और सामाजिक संबंध और भी मजबूत होंगे. जनकपुर रोड प्रोजेक्ट को मिली संजीवनी मुजफ्फरपुर-कटरा-जनकपुर रोड (सीतामढ़ी) नई रेल लाइन परियोजना के लिए भी □229.05 करोड़ का प्रावधान किया गया है. लगभग 66.55 किलोमीटर लंबी यह रेल लाइन मुजफ्फरपुर के ग्रामीण इलाकों जैसे कटरा और औराई को सीधे रेल नेटवर्क से जोड़ देगी. इस रूट के शुरू होने से सीतामढ़ी और नेपाल सीमा के पास स्थित जनकपुर रोड तक पहुंचना बेहद सुगम हो जाएगा. यह प्रोजेक्ट 2008-09 में मंजूर हुआ था, लेकिन फंड की कमी के कारण अब तक ठंडे बस्ते में था. अब इन क्षेत्रों के लोगों का दशकों पुराना सपना सच होने की उम्मीद जगी है. रोजगार और व्यापार को मिलेगा बढ़ावा इन दोनों परियोजनाओं के पूरा होने से मुजफ्फरपुर, दरभंगा और सीतामढ़ी जिलों के लाखों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा. रेलवे के इस विस्तार से स्थानीय स्तर पर छोटे व्यापारियों और किसानों को अपने उत्पाद दूसरे शहरों तक पहुंचाने में आसानी होगी. साथ ही, नए स्टेशनों के निर्माण से रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे. इन दोनों रेल परियोजनाओं के पूरा होने के बाद उत्तर बिहार के कई जिलों की तस्वीर बदल सकती है. बेहतर रेल कनेक्टिविटी से न सिर्फ सफर आसान होगा, बल्कि रोजगार, व्यापार और विकास के नए रास्ते भी खुलेंगे.

पटना-राजगीर के बीच नई एक्सप्रेस ट्रेन शुरू, हर दिन चलेगी, जानें टाइमिंग और स्टॉपेज

पटना (एजेंसी) बिहार में पटना और राजगीर के बीच अब एक नई एक्सप्रेस ट्रेन का नियमित संचालन शुरू हो रहा है. पहले स्पेशल ट्रेन के तौर पर चल रही इस सेवा को अब स्थायी रूप दे दिया गया है, जिससे यात्रियों और पर्यटकों को बड़ी राहत मिलेगी. पूर्व मध्य रेलवे ने पटना और राजगीर के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेन को अब नियमित एक्सप्रेस (Regular Express) सेवा में बदलने का फैसला किया है. कल, यानी सोमवार 06 अप्रैल से गाड़ी संख्या 13354/13353 पटना-राजगीर-पटना एक्सप्रेस पटरी पर दौड़ने लगेगी. अब यात्रियों को नंबर वाली स्पेशल ट्रेनों के भरोसे नहीं रहना होगा, बल्कि कन्फर्म टाइमिंग के साथ यह नई सेवा हर दिन उपलब्ध होगी. अब रोज चलेगी पटना-राजगीर एक्सप्रेस लंबे समय से पटना-राजगीर रूट पर चल रही स्पेशल ट्रेन (03250/03249) की सेवा अब समाप्त की जा रही है. इसकी जगह अब नियमित ट्रेन संख्या 13354 और 13353 प्रभावी होगी. रेलवे के इस कदम से न केवल यात्रियों को टिकट बुकिंग में आसानी होगी, बल्कि राजगीर की कनेक्टिविटी सीधे झारखंड के प्रमुख स्टेशनों से भी जुड़ जाएगी. राजगीर स्टेशन प्रबंधक के अनुसार, गाड़ी संख्या 13354 पटना-राजगीर एक्सप्रेस प्रतिदिन सुबह 09:20 बजे पटना जंक्शन से रवाना होगी और दोपहर 12:45 बजे राजगीर पहुंचेगी. वापसी में गाड़ी संख्या 13353 राजगीर-पटना एक्सप्रेस प्रतिदिन दोपहर 15:10 बजे राजगीर से खुलेगी और शाम 19:05 बजे पटना जंक्शन पहुंचेगी. यह ट्रेन उन लोगों के लिए सबसे मुफीद है जो पटना से राजगीर जाकर शाम तक वापस लौटना चाहते हैं. इन स्टेशनों पर होगा ठहराव यह एक्सप्रेस ट्रेन अपने सफर के दौरान कई प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी. पटना से राजगीर जाते समय यह राजेंद्र नगर टर्मिनल, गुलजारबाग, पटना साहिब, फतुहा, खुसरूपुर, बख्तियारपुर, हरनौत, बिहारशरीफ और नालंदा जैसे स्टेशनों पर ठहराव करेगी. वापसी में भी यही स्टॉपेज रहेंगे, जिससे रास्ते में आने वाले यात्रियों को भी फायदा मिलेगा. राजगीर एक अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल है,

बिहार के गांवों में ही अब होगी बीमारियों की पहचान, आशा-जीविका दीदी संभालेंगी जिम्मेदारी

पटना (एजेंसी) बिहार में स्वास्थ्य व्यवस्था को जमीनी स्तर तक मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है. अब पंचायत स्तर पर ही बीमारियों की शुरूआती पहचान की जाएगी, ताकि मरीज गंभीर होने से पहले इलाज तक पहुंच सकें. इसके लिए आशा और जीविका दीदी को विशेष ट्रेनिंग देने की तैयारी शुरू हो गई है. बिहार की पंचायतों में अब स्वास्थ्य सुविधाओं का चेहरा बदलने वाला है. राज्य सरकार ने ग्रामीण स्तर पर बीमारियों की शुरूआती पहचान और इलाज के लिए एक बेहद महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है. अब गली-मुहल्ले की आशा कार्यकर्ता और जीविका दीदियां केवल जागरूकता तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि वह ह्यबीमारी की शुरूआती पहचान करने वाले के रूप में काम करेंगी. हीट वेव से निपटने के लिए खास तैयारी बढ़ती गर्मी और लू (हीट वेव) के खतरों को देखते हुए सरकार ने सबसे पहले आशा और जीविका दीदियों को विशेष प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया है. अक्सर ग्रामीण इलाकों में लोग लू लगने या मौसमी बुखार के शुरूआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं,आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) की मदद ली जाएगी. राज्य स्वास्थ्य समिति एक विशेष डिजिटल पोर्टल और डैशबोर्ड विकसित कर रही है, जिसे सीधे ह्यकमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जोड़ा जाएगा. आशा और जीविका दीदियां प्रतिदिन जो डेटा भेजेंगी, उसका एआई के जरिए विश्लेषण किया जाएगा ताकि यह पता चल सके कि किस इलाके में कौन सी बीमारी पैर पसार रही है. ट्रेनिंग के दौरान आशा और जीविका दीदी को हर मौसम में होने वाली बीमारियों की पहचान सिखाई जाएगी. बारिश, ठंड या गर्मी–हर मौसम में फैलने वाली बीमारियों के लक्षणों को पहचानकर वे मरीजों को समय पर इलाज के लिए भेज सकेंगी. इससे गांव स्तर पर ही स्वास्थ्य सुरक्षा मजबूत होगी. गांव-गांव बनेगा बीमारियों का अपना डेटाबेस इस नई व्यवस्था के तहत हर पंचायत का अपना एक हेल्थ डेटाबेस तैयार होगा. ट्रेनिंग के दौरान दीदियों को सिखाया जाएगा कि कैसे अलग-अलग मौसम में होने वाली बीमारियों के लक्षणों को पहचानना है. प्रतिदिन की रिपोर्टिंग से स्वास्थ्य विभाग को यह समझने में आसानी होगी कि किन क्षेत्रों में दवाओं और डॉक्टरों की अतिरिक्त जरूरत है. यह कदम न केवल स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करेगा, बल्कि आपदा की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया देने की बिहार की क्षमता को भी नई ऊंचाई प्रदान करेगा. इससे न केवल इलाज आसान होगा बल्कि आपदा के समय तेजी से प्रतिक्रिया देना भी संभव होगा.

मोतिहारी के मदरसे में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, लोडेड पिस्टल बरामद होने के बाद मदरसा सील

पटना (एजेंसी) बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में उस वक्त हड़कंप मच गया जब पुलिस ने चकिया क्षेत्र के एक मदरसे में छापेमारी कर हथियार बरामद किया. कार्रवाई के दौरान एक पिस्टल मिलने के बाद मदरसे को सील कर दिया गया है और पूरे मामले में जांच तेज कर दी गई है. इस घटना के बाद इलाके में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं.
: बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में चकिया थाना क्षेत्र के गवंद्रा स्थित एक मदरसे में पुलिस की विशेष टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर एक लोडेड पिस्टल बरामद की है. पुलिस कप्तान (SP) स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर हुई इस त्वरित कार्रवाई के बाद मदरसे को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया है. इस मदरसे का पुराना नाता प्रतिबंधित संगठन ढत्रक्क(पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया) से रहा है, जिससे इलाके में किसी बड़ी आतंकी या आपराधिक साजिश की बू आ रही है. पुलिस की घेराबंदी में फंसा मदरसा पुलिस को पुख्ता जानकारी मिली थी कि गवंद्रा के इस मदरसे के भीतर अवैध हथियारों का जखीरा छिपाया गया है और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की तैयारी चल रही है. सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी और थानाध्यक्ष के नेतृत्व में भारी पुलिस बल ने मदरसे की घेराबंदी कर सघन तलाशी शुरू की. कमरे की तलाशी के दौरान जैसे ही लोडेड पिस्टल हाथ लगी, पुलिस ने मौके पर मौजूद तीन संदिग्धों को हिरासत में ले लिया. इन तीनों से फिलहाल गुप्त स्थान पर पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता चल सके कि मदरसे को हथियारों का अड्डा बनाने के पीछे मुख्य मास्टरमाइंड कौन है. PFI कनेक्शन ने बढ़ाई चिंता यह कोई पहली बार नहीं है जब यह मदरसा विवादों के घेरे में आया है. सुरक्षा रिकॉर्ड के अनुसार, यह वही मदरसा है जहां से पूर्व में चकिया पुलिस और एसटीएफ (STF) ने PFI के सक्रिय सदस्य उस्मान उर्फ सुल्तान उर्फ याकूब को गिरफ्तार किया था. प्रतिबंधित संगठन PFI के पुराने लिंक और अब फिर से हथियार मिलने के बाद जांच एजेंसियों को शक है कि यहां स्लीपर सेल या किसी नए मॉड्यूल को जिंदा करने की कोशिश की जा रही थी. एसपी स्वर्ण प्रभात ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल किसी भी संस्थान या व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा. साजिश की तह तक जाएगी पुलिस हिरासत में लिए गए तीनों संदिग्धों की निशानदेही पर पुलिस की अलग-अलग टीमें जिले के कई अन्य संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं. पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि यह पिस्टल कहां से लाई गई थी और इसे मदरसे में रखने का असली मकसद क्या था. पूरे चकिया इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और खुफिया तंत्र को सक्रिय कर दिया गया है. पुलिस का मानना है कि पूछताछ में कुछ और बड़े नामों का खुलासा हो सकता है जो पर्दे के पीछे से इस नेटवर्क को संचालित कर रहे हैं.

आशावादी बनिए

एडिसन की प्रयोगशाला एक अग्निकांड में पूरी तरह से जल कर ध्वस्त हो गई। उनके जीवन भर की शोध सामग्री और बहुमूल्य उपकरण सब खाक हो गए। आर्थिक क्षति भी बहुत हुई। यदि कोई सामान्य व्यक्ति होता तो उस हादसे से आसानी से उबर नहीं पाता, किंतु एडिसन ने कहा, इसमें हमारी भूलें भी जल कर नष्ट हो गई हैं। हमें ईश्वर का कृतज्ञ होना चाहिए, अब हम नए सिरे से जीवन को शुरू कर सकते हैं। इन सब के बीच व्यक्ति की जीवन यात्रा उत्थान की दिशा में बढ़ रही है या पतन की दिशा में, इसमें उस व्यक्ति के दृष्टिकोण की भूमिका सबसे बड़ी होती है।

भाग्य को न कोसें

हम में से अधिकांश लोग ऐसी स्थिति में अपने दु:ख-दर्द एवं दुर्भाग्य के लिए भाग्य को कोसते हैं या फिर दूसरों को दोषी मानते हैं। और नहीं तो भगवान पर ही गुस्सा निकालने लगते हैं। एडिसन ने भगवान को कोसने की बजाय उसका धन्यवाद किया। जैसे ही हमारा जीवन के प्रति दृष्टिकोण बदलने लगता है, तो स्थिति पलटने लगती है। आशा मनुष्य की सबसे बड़ी संपदा है।

हमारे जीवन में प्रयास, पुरुषार्थ, अवरोध एवं संघर्ष का लगातार एक क्रम चलता रहता है। और ऐसे में सफलताएं भी मिलती हैं और विफलताएं भी। लेकिन अगर आप हमेशा आशावादी बने रहेंगे तो नित नई ऊंचाइयां प्राप्त करते रहेंगे।

आशा उत्साह की जननी

प्रेमचंद ने एक जगह लिखा है, आशा उत्साह की जननी है। उसमें तेज है, बल है, जीवन है। आशा ही संसार की संचालन शक्ति है। यदि व्यक्ति आशा खो बैठता है तो जीवन नैया डूबने लगती है। आशा घोर अभाव और संकट के बीच भी निर्माण के तत्वों की खोज करती है। वह आभासित अभिशाप को भी वरदान में बदल देती है। ठीक इसके उलट, निराशावादी दृष्टिकोण के कारण हम अनुकूल अवसरों में भी प्रतिकूलता देखने लगते हैं। एडिसन आशावादी था, उसने अनुकूल अवसर खोजकर अपने जीवन को नए सिरे से शुरू कर लिया।

विफलता से मिलती है निराशा

इसलिए यदि घटनाएं हमारे अनुरूप नहीं घटतीं और हमें विफलता एवं निराशा का संदेश देती हैं, तो भी हिम्मत हारने एवं हताश होने की आवश्यकता नहीं। चाहे संघर्ष पथ पर हम गिर जाएं, पिट भी जाएं, तो भी यह नहीं भूलना चाहिए कि कोई भी असफलता अंतिम नहीं होती। यदि लक्ष्य के प्रति मन में लगन हो, तो विफलता भी गिर कर फिर से उठकर खड़े होने और दुगुने उत्साह के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

सफलताओं से सीखें

आशावादी व्यक्ति व्यावहारिक रुख अपनाते हुए अपने जीवन की छोटी - छोटी सफलताओं से क्रमश: आगे बढ़ता है। अपनी कार्यकुशलता और इच्छाशक्ति को क्रमश: विकसित करता जाता है। यह पद्धति रचनात्मकता का स्रोत बनकर उसे लगातार आगे बढ़ाती रहती है। निराशावादी व्यक्ति जहां एक दरवाजा बंद देखते ही अपना प्रयास छोड़ देता है, वहीं आशावादी व्यक्ति दूसरे खुले दरवाजों की तलाश में जुट जाता है। निराशावादी जहां सतत् हारता है, वहीं आशावादी अपनी तात्कालिक विफलताओं के बावजूद एक विजेता बन कर उभरता है। वास्तव में जब तक हम अपने जीवन के अर्थ एवं सुख की खोज के लिए बाहरी वस्तुओं, व्यक्तियों एवं परिस्थितियों पर निर्भर रहते हैं, तब तक निराशा का भाव भी बार-बार आता है। और जब दृष्टि अपने अंदर के मूल स्रोत की ओर मुड़ने लगती है, तो निराशा का कुहासा भी घटने लगता है।

हिम्मत न हारें

यदि हम छोटी-छोटी असफलताओं और रुकावटों से हिम्मत हार बैठते हैं और नकारात्मक भावों को जीवन में हावी होने देते हैं, तो यात्रा का हर कदम दूभर एवं कष्टप्रद बन जाता है। जीवन एक दु:खद घटना एवं दुर्भाग्यपूर्ण मजाक लगने लगता है। हमारी ऊर्जा कुंठित होने लगती है।

परमात्मा का वरदान

यहीं पर हमें परमात्मा की कृपा एवं वरदान की भाव भरी अनुभूति होती है। अपने ईमानदार प्रयास के साथ प्रभु प्रेम एवं उसके अचूक न्याय विधान के प्रति आस्था को धारण कर हम अनायास ही आस्तिकता एवं धार्मिकता के पथ पर बढ़ जाते हैं। वही हमें जीवन की सार्थकता के बोध की ओर ले चलती है।

प्रकृति का दास नहीं मनुष्य

ज्यों ही कोई विज्ञान पूर्ण एकता तक पहुंच जाएगा, त्यों ही उसकी प्रगति रुक जाएगी क्योंकि तब वह अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेगा। उदाहरणार्थ रसायनशास्त्र यदि एक बार उस मूल तत्त्व का पता लगा ले जिससे और सब द्रव्य बन सकते हैं तो फिर वह और आगे नहीं बढ़ेगा।

भौतिकी जब उस एक मूल शक्ति का पता लेगी, अन्य शक्तियां जिसकी अभिव्यक्ति हैं तब वह वहीं रुक जाएगी। वैसे ही धर्मशास्त्र भी उस समय पूर्णता को प्राप्त कर लेगा जब वह उसको खोज लेगा जो इस मृत्युलोक में एकमात्र जीवन है, जो इस परिवर्तनशील जगत का शाश्वत आधार है, जो एकमात्र परमात्मा है, अन्य सब आत्माएं जिसकी प्रतीयमान अभिव्यक्तियां हैं। इस प्रकार अनेकता और द्वैत में होते हुए इस परम अद्वैत की प्राप्ति होती है। धर्म इससे आगे नहीं जा सकता। यही समस्त विज्ञानों का चरम लक्ष्य है।

धर्म का प्रारंभ

धर्म का प्रारम्भ कैसे हुआ और वह क्रमश- विकास द्वारा आध्यात्मिक अद्वैतवाद की इस सीमा तक कैसे पहुंचा? क्या इसके बाद विचार के विकास पर विराम चिह्न लगा देना सम्भव है? मनुष्य मननशील प्राणी है। उसका मस्तिष्क अन्य सभी प्राणियों की अपेक्षा अधिक उन्नत है और यह मस्तिष्क ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। जबकि दूसरे प्राणियों ने आत्मरक्षा की सहज प्रवृत्ति से अपने आप को प्रकृति के अनुरूप ढाला है और निरन्तर ढालता जा रहा है। मनुष्य प्रकृति का दास नहीं विजेता है। उसने अपनी विचार-शक्ति द्वारा आग, पानी, बिजली का प्रयोग करके, शस्त्र-यंत्र का आविष्कार करके और प्रकृति के नियमों की खोज लगाकर अपनी इस विजय को सम्भव बनाया। प्रकृति को बदलने में वह स्वयं भी बदला। अपने इस संघर्ष में ही वह पशु से मनुष्य, हैवान से इंसान बना।

दैविक शक्ति का हाथ

मतलब है कि उसके निर्माण में किसी दैविक शक्ति का हाथ नहीं, बल्कि अपने इस संघर्ष के दौरान देव, दानव तथा ईश्वर आदि दैवी शक्तियों का निर्माण स्वयं उसने किया। सभी विचार भौतिक परिस्थितियों से उत्पन्न हुए, मनुष्य ने उन्हें व्यवहार की कसौटी पर परखा। उनके असार तत्त्व को त्याग कर सारतत्त्व को भौतिक शक्ति में परिणत किया तथा सिद्धान्तों का रूप दिया।

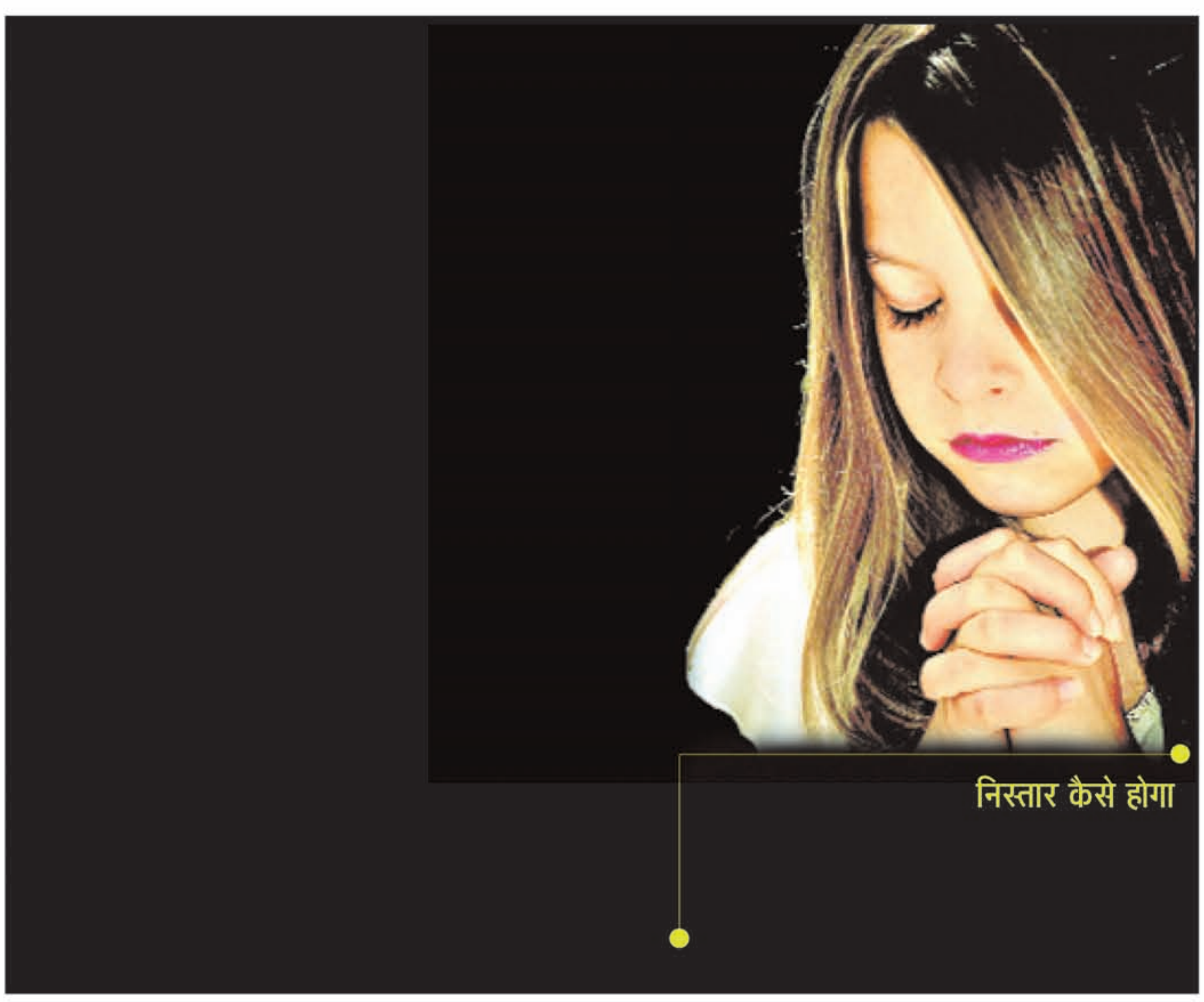

निस्तार कैसे होगा

बुद्धि नहीं हृदय की सुनिए

तुम्हारा हृदय ही कहेगा। हृदय हमेशा कह देता है, मगर तुम सुनते नहीं हो हृदय की। तुम कहते हो, कैसे गुरु को पहचानें? क्या कसौटी है? बुद्धि कसौटी मांगती है, हृदय तत्क्षण कह देता है, हृदय की सुनो, बुद्धि को एक तरफ रख दो।

हृदय से कभी भूल नहीं हुई है। हृदय ऐसे ही है, जैसे तुमने दिशासूचक-यंत्र, जो सदा बताता रहता है पूरब की ओर, सूरज उगने की ओर। हृदय सदा परमात्मा की तरफ इशारा करता है, मगर तुम हृदय नहीं बुद्धि की सुनते हो और बुद्धि की सुनने के कारण अक्सर भ्रांति में पड़ते हो। सच यह है कि जब तक बुद्धि की सुनते रहोगे, तब तक गुरु नहीं मिलेगा। जो मिलेंगे वे गुरु के धोखे होंगे। गुरु के धोखे बुद्धि को राजी कर लेंगे, क्योंकि गुरु के धोखे का मतलब होता है-जो तुम्हें राजी करने को ही बैठा है। तुम जैसा चाहते हो, वैसा बनकर बैठा है। सद्गुरु कभी भी तुम्हारी अभिलाषाओं, आकांक्षाओं, अपेक्षाओं के अनुकूल नहीं होता, हो ही नहीं सकता। नहीं तो जीसस को लोग सूली चढ़ाते? बुद्ध को पत्थर मारते? महावीर को गांव से खदेड़ कर निकालते? सुकरात को जहर पिलाते? यह मत सोचना कि वे सब लोग पागल थे। वे तुम्हारे ही जैसे लोग थे, तुम ही थे-जिन्होंने जीसस को सूली दी, सुकरात को जहर पिलाया, बुद्ध को पत्थर मारे, महावीर के कानों में सींखचे ठोक दिये। वे तुम से जरा भी भिन्न न थे। ऐसा नहीं है कि गुरुओं की पूजा उस दिन नहीं हो रही थी। जब बुद्ध को लोग पत्थर मार रहे थे, तब भी पंडित, पुजारी, पोंगापंथी पूजे जा रहे थे। जब जीसस को लोग सूली पर चढ़ा रहे थे, तब भी धर्मगुरु का सम्मान किया जा रहा था।

तुम्हारी बुद्धि जिससे राजी हो जाती है, वह अक्सर धोखा होता है। उसके पीछे कारण है, क्योंकि वह धोखे की पूरी तैयारी करता है। वह गुरु नहीं, गहरे अर्थ में सिर्फ राजनेता है। राजनेता की कला का सार यही है कि लोग जहां जाना चाहते हैं, वहां जल्दी से उचक कर उनके आगे हो जाता है।

लोग पूरब जा रहे हैं तो वह कहता है पूरब जाना है। लोग पश्चिम जाने लगें तो कहता है, मैं तो सदा कह रहा था कि पश्चिम जाना है और लोगों को समझ नहीं आ पाता कि वह हमारी नजरें परख रहा है, हमारे भाव परख रहा है, हवा का रुख परख रहा है। सद्गुरु तुम्हारे हिसाब से नहीं चल सकता,परमात्मा के हिसाब से चलता है। उसके साथ तो जिसे राजी होना हो, उसे ही राजी होना पड़ता है। वह तुम से राजी नहीं होता। समझ लेना, जो तुमसे राजी है, वह तुम्हें बदल नहीं पाएगा।

मानसिक ऊर्जा का स्रोत

कई बार ऐसा होता है कि ध्यान में जाने और मंत्रों के उच्चारण के बाद भी मन अन्य बातों की ओर भागता है।

जैसे किराने की दुकान खुली या नहीं? या आज खाना कौन बनाएगा? पर जब आप खुद के साथ समय बिताने की आदत डाल लेंगे तो मंत्र आपकी मानसिक शक्ति और ऊर्जा को बढ़ाएंगे और उच्च संस्कारों का निर्माण होगा। आपको अपने मन को इसके अनुकूल बैठाना होगा। अनचाही चीजों के बारे में सोचते रहना मन का स्वभाव होता है। जब भी हम चिंता करते हैं तो हमारा शरीर काफी सारी ऊर्जा खो बैठता है।

ऊर्जा मत खोओ

दो गलत तरह के मंत्रों का उपयोग करने से हम अपनी यह ऊर्जा खो बैठते हैं। पहला है आर्द, जिसका मतलब होता है बार-बार दु:खों को याद करते रहना। दूसरा है रौद्र, जिसका मतलब होता है गुस्से को आने देना। इनका परिणाम यह होता है कि शरीर बीमारियों का शिकार होने लगता है। अपने मन को आर्द और रौद्र से छुटकारा दिलाने के लिए अपनी आध्यात्मिक क्रिया जारी रखें, मंत्रों का उच्चारण करें और ध्यान में जाएं। महर्षि पातंजलि ने योगसूत्रों में कहा है- यदि स्तान संशय अतिरति प्रमाद आलस्य। बीमारी, उत्साह की कमी, शंका, चिंता आदि रुकावटों को दूर करने के लिए एक तत्व अभ्यास का प्रयोग करें। किसी भी एक मंत्र का उच्चारण करें, उस एक ध्वनि का, एक शब्दांश का लंबे समय तक अभ्यास करें।

मन का विचार

तो जब मन में विचार और मंत्र दोनों चल रहे हों, आपका मन और चैतन्य मंत्रों से भरा होना चाहिए। तब मन चिंताओं से मुक्त हो जाता है क्योंकि एक मंत्र में शक्ति के साथ-साथ एक खास स्पंदन भी होता है। जब उसका उच्चारण किया जाता है, तो वह ऊर्जा में बदल जाता है और आपके चैतन्य को भर देता है। जैसे-जैसे चैतन्य में यह ऊर्जा बढ़ती है, हम स्वयं के और करीब आ जाते हैं और हमारी हर चीज में- जैसे कि हमारे घर में, मन में शरीर और वातावरण में यह ऊर्जा और निश्चयात्मकता फैलती चली जाती है।

आईपीएल 2026: सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर लखनऊ सुपर जाएंट्स ने दर्ज की जीत, ऋषभ पंत की बेहतरीन पारी

हैदराबाद (एजेंसी)। आईपीएल 2026 का 10वां लीग मैच सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच खेला गया। जिसे लखनऊ सुपर जाएंट्स ने 1 गेंद शेष रहते हुए 5 विकेट से अपने नाम किया। ये मुकाबला आखिरी ओवर तक रोमांचक रहा। इस दौरान लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत ने दमदार अर्धशतकीय पारी खेली। जबकि मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव और आवेश खान ने 2-2 विकेट अपने नाम किए।

वहीं टॉस गंवा कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद ने हेनरिक क्लासेन और नितीश कुमार रेड्डी के अर्धशतकों के दम पर 156 रन बनाए। जिसके जवाब में लखनऊ ने 5 विकेट खोकर 19.5 ओवर में 157 रनों का टारगेट चेज कर लिया। इस दौरान पंत ने 68 रन बनाकर नाबाद लौटे।

इस दौरान एडेन मार्करम और मिचेल मार्श की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 37 रन की साझेदारी की। मार्श ने 12 गेंदों पर 14 रन बनाकर आउट हुए वहीं मार्करम ने 27 गेंदों पर 45 रन का योगदान दिया। उन्होंने 6 और 2 छक्के जड़े। आयुष बडोनी 12 रन बनाकर आउट हुए वहीं निकोलस पूरन एन रन बनाकर रनआउट हो गए। पंत ने 50 गेंदों पर नाबाद 68 रन बनाए। उन्होंने चौका जडकर टीम को पहली जीत दिलाई। पंत ने अपनी मैच विनिंग पारी में 9 चौके लगाए।

इससे पहले शमी के करिश्माई स्पैल के बाद हेनरिक क्लासेन और नीतिश कुमार रेड्डी की आक्रामक शतकीय साझेदारी की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ 9 विकेट पर 156 रन बनाए। शुरुआती 10 ओवर में 35 रन पर चार विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही हैदराबाद के लिए क्लासेन और नीतिश रेड्डी ने आक्रमण ही सर्वश्रेष्ठ बचाव की रणनीति पर अमल किया। दोनों बल्लेबाजों ने पांचवें विकेट के लिए 63 गेंदों में 116 रन की रिकॉर्ड साझेदारी के दौरान सात छक्के जड़े। दोनों के जल्दी- जल्दी आउट होते ही लखनऊ ने मैच पर फिर से पकड़ बना ली और मेजबान टीम को 160 रन से नीचे रोकने में सफलता हासिल की।

एक दिवसीय वर्ल्ड कप 2027 पर हार्दिक पांड्या की नजर

– 10 ओवर गेंदबाजी के लिए कर रहे खास तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने अभी से वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियां शुरू कर दी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पांड्या ने चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट को स्पष्ट कर दिया है कि वह 2027 विश्व कप का हिस्सा बनना चाहते हैं। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए वह पिछले कुछ महीनों से अपनी गेंदबाजी पर खास काम कर रहे हैं। टीम मैनेजमेंट और सिलेक्टर्स की सबसे बड़ी शर्त यह है कि पांड्या वनडे क्रिकेट में जरूरत पड़ने पर पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करने के लिए पूरी तरह फिट रहें। हालांकि हर मैच में उनसे पूरा स्पेल नहीं कराया जाएगा, लेकिन टीम को जब जरूरत हो, तब वह यह जिम्मेदारी निभा सकें। यही कारण है कि पांड्या अपनी फिटनेस और वर्कलोड मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

इस दिशा में उनकी प्रगति का संकेत विजय हजारे ट्रॉफी में देखने को मिला, जहां उन्होंने चंडीगढ़ के खिलाफ मुकाबले में पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट झटके। इस प्रदर्शन ने यह साफ कर दिया कि वह लंबा स्पेल डालने के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में उन्हें इसी वजह से शामिल नहीं किया गया था क्योंकि तब वह 10 ओवर गेंदबाजी के लिए पूरी तरह फिट नहीं माने गए थे। वर्ल्ड कप 2027 दक्षिण अफ्रीका में खेला जाएगा, जहां की पिचें तेज गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती हैं। ऐसे में हार्दिक पांड्या जैसे सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर की भूमिका टीम के लिए बेहद अहम हो सकती है। हालांकि, चयनकर्ता उनकी फिटनेस को लेकर सतर्क हैं, क्योंकि वह पहले भी चोट के कारण लंबे समय तक टीम से बाहर रह चुके हैं।

पांड्या के बैकअप के तौर पर चयनकर्ताओं की नजर नितीश कुमार रेड्डी पर भी बनी हुई है। उन्होंने भी घरेलू क्रिकेट में अपनी गेंदबाजी पर काम किया है और वर्कलोड बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। अगर पांड्या के पिछले रिकॉर्ड पर नजर डालें, तो 2018 में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर उन्होंने 6 वनडे मैचों में 44 ओवर गेंदबाजी कर 4 विकेट लिए थे और उनका इकॉनमी रेट 4.90 रहा था। हालांकि बल्लेबाजी में वह ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके थे। कुल मिलाकर, हार्दिक पांड्या का फोकस साफ है फिटनेस, निरंतरता और ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर वह 2027 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के लिए अहम भूमिका निभाना चाहते हैं।

ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की दौड़ में समीर, बिश्नोई शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के अब तक हुए मुकाबलों के बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के लिए दावेदार सामने आये हैं। आईपीएल में अबतक 9 मुकाबलों के बाद आरेंज कैप की दौड़ में दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजवी शीर्ष पर पहुच गये हैं। उनके पीछे ईशान किशन और रोहित शर्मा के अलावा आयुष म्हात्रे, अंगकृष रघुवंशी भी हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में रवि बिश्नोई पहले नंबर पर है उनके पीछे विजयकुमार वैशाक, टी नटराजन, लुंगी एनगिडी, जयदेव उनादकट और प्रसिद्ध कृष्णा हैं।

पिछले सीजन के पर्पल कैप विजेता प्रसिद्ध कृष्णा ने इस बार भी बेहतर प्रदर्शन कर दौड़ में अपने को बरकरार रख हैं। इस बार समीर और आयुष जैसे नये खिलाड़ी भी पुरस्कार की दौड़ में शामिल हैं।

ऑरेंज कैप के पहले नंबर के दावेदार

समीर ने 2 मैचों में 160 रन बनाए हैं, दोनों मुकाबलों में अर्धशतक लगाय है। वे जाहिर तौर पर ऑरेंज कैप के बड़े दावेदार दिख रहे हैं। वहीं मुंबई इंडियंस के रोहित ने एक अर्धशतक सहित113 रन बनाए लिए हैं। वहीं केकेआर के अंगकृष रघुवंशी ने अब तक दोनों मैचों में अर्धशतक लगाते हुए कुल 103 रन बना लिए हैं। पंजाब किंग्स के कूपर कॉनोली ने भी बेहतरीन बल्लेबाजी कर 108 रन बनाये हैं।

वहीं पर्पल कैप की बात करें तो रवि विश्नोई के पांच विकेट है और वह सबसे आगे हैं। प्रसिद्ध कृष्णा 4 विकेट के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं।

आईपीएल में आज होगा केकेआर और पंजाब किंग्स का मुकाबला

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम सोमवार को आईपीएल में अपने तीसरे मुकाबले मे पंजाब किंग्स के खिलाफ ईडन गार्डन में जीत की उम्मीद से उतरेगी। केकेआर का लक्ष्य किसी प्रकार ये मैच जीतकर अपना खाता खोलना रहेगा। 2024 की विजेता केकेआर के लिए अब तक का सत्र बेहद खराब रहा है और उसे अपने दोनो ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पहले मैच में उसे मुम्बई इंडियंस जबकि दूसरे मैच में सनराइजर्स से हार का सामना करना पड़ा है। इससे टीम पर काफी दबाव है। वहीं दूसरी ओर पंजाब किंग्स अपने शुरुआती दोनो मैच जीतकर उत्साह से भरी है उसने पहले मैच में गुजरात टाइटंस और दूसरे मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स को हराया था। वहीं आंकड़ों पर नजर डालें तो केकेआर और पंजाब किंग्स के बीच आईपीएल में कड़ी टक्कर हुई है, जिसमें कुल 35 मैचों में से केकेआर ने 21 और पंजाब ने 13 मैच जीते हैं पर ईडन में केकेआर हावी रही है उसने यहां 14 में से 9 मैच जीते हैं। केकेआर की कप्तानी आजिंक्य रहाणे जबकि पंजाब की श्रेयस अय्यर कर रहे हैं।

केकेआर की गेंदबाजी इस बार कमजोर है। उसे हर्षित राणा, आकाश दीप और मथीशा पथिराना जैसे तेज गेंदबाजों के बिना उतरना पड़ रहा है। इसके अलावा उसके कप्तान रहाणे की रणनीति भी अबतक विफल रही है। कप्तान के तौर पर रहाणे ने सबसे अधिक रन बनोय हैं पर वह टीम को प्रेरित नहीं कर पाये हैं। टीम के अन्य बल्लेबाजी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। फिन एलेन, टिम सीफर्ट और रचिन रविंद्र जैसे बल्लेबाजों का भी केकेआर सही तरीके से प्रयोग नहीं कर पायी है। अब तक केवल सिर्फ एलेन को मौका मिला है जबकि सीफर्ट और स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर रविंद्र अबक अंतिम ग्यारह से बाहर हैं। केकेआर के सुनील नारायण भी इस बार प्रभावित नहीं कर पाये। ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन केवल बल्लेबाजी ही कर रहे है और गेंदबाजी नहीं कर रहे जिसका नुकसान कभी केकेआर को हो रहा है। इसके अलावा रोवमैन पावेल को भी अंतिम ग्यारह में अब तक अवसर नहीं मिला है। टीम के लिए राहत की बात ये है कि युवा कार्तिक त्यागी और युवा अंगकृष रघुवंशी का प्रदर्शन अच्छा रहा है पर इसके बाद भी टीम की बल्लेबाजी बेहद सामान्य रही है। रहाणे के सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरने से भी कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा है। पांचवें नंबर के बाद बल्लेबाज क्रम कमजोर हुआ है। अपने मैच में केकेआर टीम सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 16 ओवर में 161 रन ही बना पायी निचले मध्य क्रम में रमनदीप सिंह और अनुकूल रॉय भी विफल रहे हैं। दूसरी ओर श्रेयस की कप्तानी में पंजाब के खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। युवा कूपर कोनोली ने दो मैच में 108 रन बनाकर तीसरे नंबर पर प्रभावित किया है जबकि प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने भी टीम को अच्छी शुरुआत दी है। अय्यर ने बीच के ओवरों में अच्छीसाथ बल्लेबाजी की है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो अर्शदीप सिंह, मार्को यानसेन और विजयकुमार वैशाख के होने से गेंदबाजी बेहतर हुई है। स्पिन की कमान लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल संभालेंगे। कुल मिलाकर इस मैच में देखा जाये तो पंजाब का पलड़ा भारी है और वह अपने जीत के सिलसिले को बरकरार रखने उतरेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

कोलकाता नाइट राइडर्स : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह (उपकप्तान), फिन एलेन, तेजस्वी दहिया, मनीष पांडे, रोवमैन पावेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, सार्थक रंजन, टिम सीफर्ट, राहुल त्रिपाठी, दक्ष कामरा, कैमरन ग्रीन, सुनील नारायण, रचिन रविंद्र, वरुण चक्रवर्ती, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, सौरभ दुबे, कार्तिक त्यागी, ब्लेसिंग मुजरबानी, नवदीप सैनी, प्रशांत सोलंकी और उमरान मलिक।

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, निहाल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसेन, मार्कस स्टोइनिस, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्युसन, हरप्रीत बरार, विजयकुमार वैशाख, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, मुशीर खान, प्रवीण दुबे, विशाल निषाद, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह, पायला अविनाश और शशांक सिंह।

सूर्यकुमार ने हार पर निराशा जतायी, हम 15 से 20 रन कम बना पाये

नई दिल्ली । सूर्यकुमार यादव ने मुंबई इंडियंस को आईपीएल के दूसरे ही मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मिली हार पर निराशा जताया है। नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या के फिट नहीं होने के कारण सूर्या ने इस मैच में टीम की कप्तानी की थी। सूर्या के अनुसार इस मैच में उनकी टीम अगर 15 से 20 रन और बनाती तो परिणाम कुछ और होता। सूर्यकुमार ने कहा, जब आप पहले बल्लेबाजी कर रहे होते हैं, तो कितना स्कोर पर्याप्त रहेगा। इस बारे में नहीं जान सकते हैं। आप बस बल्लेबाजी करते रहते हैं। बाद में अंदाजा आया कि 180 से 185 एक अच्छा स्कोर होता। हम 15 से 20 रन पीछे रह गए। जहां तक विकेट की बात है वह ठीक था। फिर भी बल्लेबाजी को देखें हम 15-20 रन पीछे रह गए। हालांकि गेंदबाजों से अपनी भूमिका ठीक से निभाई। सूर्यकुमार ने इस मैच में 51 रन बनाये पर इसके बाद भी उनकी टीम 6 विकेट पर 162 रन ही बना पायी। नमन ने भी 21 गेंदों में 28 रन बनाये। मुम्बई की बल्लेबाजी को लेकर सूर्यकुमार ने कहा, मैं और नमन, हम दोनों गलत समय पर आउट हो गए, अगर ऐसे नहीं होते तो हम औसत से अधिक स्कोर बना देते। साथ ही कहा कि ऐसा भी होता है जब प्रयास के बाद भी सफलता नहीं मिलती ।

शुभमन के अगले मैच तक फिट होने की संभावना : पार्थिव पटेल

मुम्बई । गुजरात टाइटंस के सहायक कोच पार्थिव पटेल के अनुसार कप्तान शुभमन गिल के अगले मैच में खेलने की काफी संभावनाएं हैं। शुभमन चोटिल होने के कारण राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच से बाहर रहे थे। इस मैच में टीम को उनकी कमी खली थी। इसी कारण प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि शुभमन अगले मैच तक फिट हो जाएंगे। इसी को लेकर पार्थिव ने कहा, इंजरी मैनेजमेंट के बारे में मुझे जानकारी नहीं है पर मैं इतना जरूर कह सकता हूं कि वह ठीक हो जाएंगे। इससे अंदाजा होता है कि कि शुभमन की चोट अधिक गंभीर नहीं है। पार्थिव ने कहा कि शुभमन को कुछ दिन पहले ही मांसपेशियों में खिंचाव आया था। जिसके कारण उन्हें पिछले मैच में जगह नहीं दी गयी थी। उन्होंने कहा, उन्हें पहले गर्दन में मोच आई थी और कुछ दिन पहले मांसपेखी में खिंचाव आया था। हमें उम्मीद है कि वह अगले मैच तक फिट हो जाएंगे। यह चोट ज्यादा गंभीर नहीं लग रही है। टीम प्रबंधन उनकी फिटनेस पर नजर रख रहे हैं। गिल के बाहर होने से पिछले मैच में टीम की कप्तानी राशिद खान ने संभाली थी पर वह टीम को जीत नहीं दिला पाये। वहीं मैच के बाद राशिद ने भी शुभमन की फिटनेस को लेकर कहा, वह ठीक हैं। उम्मीद है कि अगले मैच तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे। उन्हें केवल मांसपेशी में खिंचाव है। इसलिए उम्मीद है कि वह जल्द वापसी करेंगे। शुभमन जैसे बेहतरीन बल्लेबाज के होने से टीम बड़ा स्कोर बना सकती है। गुजरात टाइटंस का अगला मैच 8 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स से होगा। गुजरात की टीम अभी तक दोनों मैच हार चुकी है, जबकि दिल्ली ने अपने दोनों मैच जीते हैं। ऐसे में टीम को जीत की राह पर लौटने के लिए शुभमन की वापसी बेहद जरूरी मानी जा रही है।

आईपीएल 2026: 'अब टी20 में फिनिशर जैसी कोई भूमिका नहीं', स्टीफन फ्लेमिंग का बड़ा बयान

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग का मानना है कि आधुनिक टी20 क्रिकेट में पारंपरिक फिनिशर की भूमिका अब पहले जैसी अहम नहीं रह गई है। उनका कहना है कि आज के खेल में बल्लेबाज शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हैं, जिससे मैच का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार के बाद फ्लेमिंग ने कहा कि अब टी20 क्रिकेट में हर बल्लेबाज पहली ही गेंद से बड़े शॉट खेलने की कोशिश करता है। पहले जहां टीमें 15-16 ओवर तक पारी को संभालकर खेलती थीं और अंत में तेजी लाती थीं, अब ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर में शुरुआत से ही 10-12 रन प्रति ओवर की दर बनाए रखना जरूरी हो गया है, इसलिए टीमों को ऐसे बल्लेबाजों की जरूरत है जो पूरे मैच में आक्रामक खेल सकें।

सीएसके की टीम संरचना पर बात करते हुए फ्लेमिंग ने माना कि टीम में टॉप ऑर्डर बल्लेबाजों की संख्या ज्यादा है, जिससे मिडिल और लोअर ऑर्डर में पारंपरिक फिनिशर की कमी महसूस हो सकती है। हालांकि उन्होंने भरोसा जताया कि टीम के पास पर्याप्त बल्लेबाजी ताकत मौजूद है। उन्होंने बताया कि डेवाल्ड ब्रेविस चोट के कारण बाहर हैं, जबकि महेंद्र सिंह धोनी भी फिट नहीं हैं। इन दोनों की अनुपस्थिति टीम के संतुलन को प्रभावित कर रही है। फ्लेमिंग ने संजू सैमसन का भी समर्थन किया, जो शुरुआती मुकाबलों में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उन्होंने कहा कि सैमसन नेट्स में अच्छा अभ्यास कर रहे हैं और जब वह फॉर्म में आते हैं तो मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। इसलिए उनके खराब प्रदर्शन को लेकर ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है।

कोच ने 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इससे खेल का संतुलन बल्लेबाजों के पक्ष में झुक गया है। उनका मानना है कि इस नियम ने मैच की गति और रणनीति दोनों को प्रभावित किया है, जिससे गेंदबाजों के लिए चुनौती बढ़ गई है। वहीं, पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य की तेज पारी की भी चर्चा रही। इस पर उनके साथी शशांक सिंह ने कहा कि प्रियांश मानसिक रूप से बेहद मजबूत खिलाड़ी हैं और अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझते हैं। उन्होंने कम उम्र में जिस तरह की परिपक्वता दिखाई है, वह काबिल-ए-तारीफ है। कुल मिलाकर, फ्लेमिंग का मानना है कि टी20 क्रिकेट का नया दौर पूरी तरह आक्रामक बल्लेबाजी का है, जहां हर खिलाड़ी को शुरुआत से अंत तक तेज रन बनाने की जिम्मेदारी निभानी होती है।

हेनरिच क्लासेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी से किया इनकार

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज हेनरिच क्लासेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की संभावनाओं को खत्म करते हुए साफ कर दिया है कि वह अब दोबारा राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेलेंगे। 34 वर्षीय क्लासेन ने यह फैसला अपने परिवार को प्राथमिकता देने के कारण लिया है। गौरतलब है कि केंद्रीय अनुबंध नहीं मिलने के बाद उन्होंने पिछले साल जून में क्रिकेट के सभी अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों से संन्यास ले लिया था और तब से वह दुनियाभर की टी20 लीग में सक्रिय हैं। हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग से जुड़े एक वीडियो में क्लासेन ने नीतिश कुमार रेड्डी के साथ बातचीत के दौरान अपने फैसले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वापसी को लेकर उन्होंने करीब दो हफ्तों तक गंभीरता से विचार किया, लेकिन अंतत: यह तय किया कि अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटना सही नहीं होगा। क्लासेन ने स्वीकार किया कि टी20 विश्व कप के दौरान अपने साथियों को अच्छा प्रदर्शन करते देख उनके मन में वापसी का विचार जरूर आया था। उन्होंने कहा कि उस समय उन्हें महसूस हुआ कि वह टीम का हिस्सा क्यों नहीं हैं और उन्होंने दोबारा खेलने की इच्छा भी जताई थी। इस दौरान उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी कप्तान एडन मार्करम से भी बातचीत की थी। हालांकि, क्लासेन ने बताया कि बातचीत के बाद भी स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई और विश्व कप के बाद उन्हें यह एहसास हुआ कि उनकी वापसी की संभावना कम है। इसके चलते उन्होंने दोबारा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट न खेलने का अंतिम निर्णय ले लिया। बता दें कि क्लासेन ने 2024 में ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था और अब वह पूरी तरह से फ्रेंचाइजी क्रिकेट पर फोकस कर रहे हैं। उनका यह फैसला दिखाता है कि आधुनिक क्रिकेट में खिलाड़ी अपने करियर और निजी जीवन के बीच संतुलन को कितना महत्व देने लगे हैं।

मेसी और सुआरेज के गोल से इंटर मियामी ने ऑस्टिन एफसी के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला

नई दिल्ली। इंटर मियामी सीएफ ने 5 अप्रैल को मियामी के बीचों-बीच बने अपने नए और आधुनिक स्टेडियम में ऐतिहासिक होम ओपनर खेला। इंटर मियामी का मुकाबला ऑस्टिन एफसी से था। मैच 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ। मैच की शुरुआत में ऑस्टिन एफसी ने आक्रामक रुख अपनाते हुए छठे मिनट में बढ़त हासिल कर ली। गुइलहर्मे बिरो ने शानदार गोल दागकर मेहमान टीम को 1-0 से आगे कर दिया। हालांकि, इंटर मियामी ने जल्द ही वापसी की। टीम के कप्तान लियोनल मेसी ने बॉक्स के अंदर से बेहतरीन हेडर लगाकर क्लब का पहला ऐतिहासिक गोल किया और स्कोर 1-1 कर दिया। यह इस एमएलएस सीजन में मेसी का पहला गोल भी रहा। पहले हाफ के अंत तक दोनों टीमें बराबरी पर रहीं, लेकिन दूसरे हाफ में ऑस्टिन ने 53वें मिनट में एक और गोल कर बढ़त बना ली। इससे इंटर मियामी पर दबाव बढ़ गया, लेकिन टीम ने हार नहीं मानी। मैच के अंतिम चरण में कोच जेवियर माशेरानो ने रणनीतिक बदलाव करते हुए लुइस सुआरेज को मैदान पर उतारा। सुआरेज ने कोच के भरोसे को सही साबित करते हुए 82वें मिनट में कॉर्नर के बाद शानदार गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। यह इस सीजन में उनका पहला गोल था और इसी के साथ इंटर मियामी ने अपने नए स्टेडियम में कम से कम एक अंक सुनिश्चित कर लिया। मैच के बाद माशेरानो ने स्वीकार किया कि टीम ने आखिरी 20-25 मिनट में काफी जोखिम उठाए, लेकिन घरेलू मैदान पर आक्रामक खेल दिखाना जरूरी था। उन्होंने यह भी कहा कि टीम अपने चैंपियन होने का दर्जा बनाए रखना चाहती है। पहला मैच ड्रॉ रहने के बावजूद इंटर मियामी के लिए यह एक सकारात्मक शुरुआत रही। क्लब पहले ही एमएलएस कप 2025, 2024 सपोर्टर्स शील्ड, और लीग्स कप 2023 जैसे बड़े खिताब जीत चुका है, और अब वह इस नई शुरुआत को और भी यादगार बनाने के इरादे से आगे बढ़ रहा है।

टॉमी पॉल ने टियाफो को हराकर पहले एटीपी टूर क्ले फाइनल में जगह बनाई

ह्यूसटन। टॉमी पॉल ने 5 अप्रैल को ह्यूस्टन में यूएस मेन्स क्ले कोर्ट चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में फ्रांसिस टियाफो को हराकर अपने पहले एटीपी टूर क्ले फाइनल में जगह बनाई। अमेरिकी खिलाड़ी ने तीन सेट तक चले रोमांचक मुकाबले में 7-5, 4-6, 7-6(7) से जीत हासिल की। इस जीत के साथ, पॉल ने ह्यूस्टन में एटीपी 250 इवेंट में लगातार चौथे चैंपियनशिप मैच में पहुंचने की उम्मीदों को समाप्त कर दिया। मैच लगभग दो घंटे और 45 मिनट तक चला। मैच की शुरुआत पॉल ने बेहतरीन खेल से की और पहला सेट 7-5 से जीत लिया। टियाफो ने दूसरे सेट में जल्दी ब्रेक लेकर मुकाबले में वापसी की और सेट 6-4 से अपने नाम किया। मैच के दौरान 90 मिनट की बारिश की देरी ने पॉल के मोमेंटम को थोड़ा बाधित किया, लेकिन उन्होंने फिर भी मजबूती दिखाते हुए ब्रेक पॉइंट बचाया और सेट को अपने पक्ष में किया। तीसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों ने कड़ा संघर्ष किया। टियाफो ने शुरुआती ब्रेक लिया, लेकिन पॉल ने वापसी की और 4-2 से बढ़त बनाई। टियाफो ने फिर 4-4 से बराबरी कर ली, जिससे मुकाबला टाई-ब्रेक में चला गया। टाई-ब्रेक में पॉल 6/4 से आगे थे, लेकिन टियाफो ने दो मैच पॉइंट बचाए। अंतत: चौथे सीड वाले पॉल ने अंतिम गेम में दबाव में रहते हुए रोमांचक मुकाबला अपने नाम किया। पॉल ने मैच के बाद कहा, 'जब मुझे जरूरत थी, मैंने अच्छा खेला। यह टियाफो के साथ एक शानदार मुकाबला था। वह हमेशा देखने में सबसे एंटरटेनिंग खिलाड़ियों में से रहे हैं। मुझे खुशी है कि हमें यह मैच यहां खेलने का मौका मिला।' अब पॉल फाइनल में रोमन एंड्रेस बुरुचागा का सामना करेंगे। बुरुचागा ने सेमीफाइनल में अपने ही देश के खिलाड़ी थियागो अगस्टिन तिरांटे को 6-1, 6-1 से हराकर पहले एटीरी टूर फाइनल में प्रवेश किया।

आईपीएल 2026: 'पिछला सीजन काफी खराब रहा', भारतीय स्पिनर ने खुद बताई अपनी बड़ी कमजोरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय स्पिनर रवि बिश्नोई ने अपने खराब पिछले सीजन और अपनी सबसे बड़ी कमजोरी को लेकर खुलकर बात की है। राजस्थान रॉयल्स के लिए शानदार प्रदर्शन के बाद बिश्नोई ने बताया कि उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अपनी गेंदबाजी की सबसे बड़ी कमी पर काम किया, जिसका फायदा अब आईपीएल में मिल रहा है।

पिछला सीजन रहा मुश्किल

रवि बिश्नोई ने मैच के बाद कहा कि 'पिछला सीजन काफी कठिन रहा था, लेकिन मैंने अपने प्रोसेस पर भरोसा रखा।' उन्होंने कहा कि अगर उनकी लेंथ सही नहीं होती थी तो बल्लेबाज उन्हें आसानी से चौके-छक्के मार देते थे। यही उनकी सबसे बड़ी कमजोरी थी, जिस पर उन्होंने पूरे घरेलू सीजन में काम किया।

बिश्नोई ने बताया कि 'जब उनकी लेंथ सही जगह पर पड़ती है तो बल्लेबाजों के लिए रन बनाना मुश्किल हो जाता है, लेकिन जब गेंद ज्यादा फुल हो जाती है तो उन्हें मार पड़ती है।'

घरेलू क्रिकेट में किया सुधार

बिश्नोई ने बताया कि उन्होंने ऑफ सीजन और घरेलू क्रिकेट के दौरान अपनी गेंदबाजी पर काफी मेहनत की। उन्होंने मानसिक, तकनीकी और शारीरिक - तीनों पहलुओं पर काम किया, जिसका परिणाम अब देखने को मिल रहा है।

आईपीएल में शानदार वापसी

आईपीएल 2026 में रवि बिश्नोई ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में चार महत्वपूर्ण विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। यह गुजरात के खिलाफ किसी स्पिनर का बेहतरीन प्रदर्शन भी रहा।

LSG के लिए ऐसा रहा प्रदर्शन

रवि बिश्नोई 2022 में लखनऊ सुपर जायंट्स से जुड़े थे। पहले दो सीजन में उन्होंने 13 और 16 विकेट लिए, लेकिन इसके बाद उनका प्रदर्शन गिर गया। आईपीएल 2024 में उन्होंने 14 मैच में 10 विकेट लिए, जबकि पिछले सीजन में 11 मैच में सिर्फ 9 विकेट ही ले सके और उनका इकॉनमी रेट भी काफी ज्यादा रहा।

पर्पल कैप की रेस में आगे

आईपीएल 2026 में बिश्नोई शानदार फॉर्म में हैं और दो मैचों में पांच विकेट लेकर पर्पल कैप की रेस में आगे चल रहे हैं। अब उनका अगला मुकाबला मुंबई इंडियंस के खिलाफ 7 अप्रैल को गुवाहाटी में खेला जाएगा।

प्रियंका गांधी के असम दौरे के साथ ही कांग्रेस में भगदड़ मच गई : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

गुवाहाटी : केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को असम की बोकाखात और नाडुआर विधानसभा सीटों पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन -भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में विशाल जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने बोकाखात में बिहरा टी एस्टेट मैदान में असम गण परिषद नेता अतुल बोरा और नाडुआर में भाजपा उम्मीदवार पद्म हजारिका के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व की सराहना करते हुए केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि असम के लोग सरल, देशभक्त और ईमानदार हैं तथा राज्य की चाय विश्वभर में प्रसिद्ध है। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्षी गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस की स्थिति कमजोर हो चुकी है और पार्टी में आंतरिक कलह जारी है। उन्होंने दावा किया कि प्रियंका गांधी के असम दौरे के साथ ही कांग्रेस में भगदड़ मच गई। उन्होंने कहा कि राज्य में "मामा हिमंतह्व की लोकप्रियता के कारण कांग्रेस चिंतित है। कांग्रेस पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ने असम के साथ "पांच महापाप" किए। उन्होंने कहा कि विभाजन के समय असम को पाकिस्तान में शामिल करने की बात, 1962 के युद्ध में राज्य को असहाय छोड़ना, बांग्लादेशी घुसपैठ को संरक्षण देना, युवाओं को रोजगार न देना और परिवारवाद को बढ़ावा देना - ये कांग्रेस की बड़ी गलतियां रही हैं। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राजग सरकार राज्य में पांच वर्षों में दो लाख सरकारी नौकरियां देने और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह भी कहा कि असम में "लैंड जिहाद" और "लव जिहाद" को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा अवैध कब्जों पर सख्ती से कार्रवाई होगी। महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में लोकसभा व विधानसभा चुनावों में 33 प्रतिशत सीटों पर महिलाओं को अवसर दिया जाएगा। उन्होंने अरुणोदय योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे महिलाओं के खातों में सीधे आर्थिक सहायता पहुंची है। चाय बागान श्रमिकों के मुद्दे पर बोलते हुए चौहान ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकारों ने उन्हें वर्षों तक जमीन का अधिकार नहीं दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के प्रयासों से अब श्रमिकों को जमीन के पट्टे दिए जा रहे हैं और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उन्हें पक्के मकान भी उपलब्ध कराए जाएंगे। सभा के अंत में चौहान ने असमिया में "जय आई असम, कांग्रेस खत्म" का नारा देते हुए दावा किया कि राज्य में एक बार फिर भाजपा-राजग की जीत सुनिश्चित है और जनता से गठबंधन के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

पवन खेड़ा के विरूद्ध 48 घंटें में दर्ज होंगे फौजदारी एवं दीवानी मामले : मुख्यमंत्री

एजेंसी

गुवाहाटी : असम में जारी विधानसभा चुनावों के बीच रविवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा और उनकी पत्नी पर गंभीर आरोप लगाये हैं। इन आरोपों पर मुख्यमंत्री डॉ. सरमा ने सोशल मीडिया एक्स के जरिए अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे सिरे से खारिज कर दिया है। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री की पत्नी रिनकी भुइयां शर्मा पर कई पास्पोर्ट रखने का आरोप लगाया गया है, जिसे एआई के जरिए बनाए जाने की बातें कही गयी हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के जरिए जारी अपने संदेश में कहा है कि पवन खेड़ा की रविवार की प्रेस कॉन्फ्रेंस कांग्रेस पार्टी के भीतर गहरे असंतोष और घबराहट को दर्शाती है। जैसे-जैसे असम एक ऐतिहासिक जनादेश की ओर निर्णायक रूप से आगे बढ़ रहा है, इस तरह के हताश और बेबुनियाद हमले केवल उनके कमजोर होते जनाधार को ही उजागर करते हैं। मैं उनके द्वारा लगाए गए हर आरोप को पूरी तरह से खारिज करता हूं। ये दुर्भावनापूर्ण, मनगढ़ंत और राजनीतिक रूप से प्रेरित झूठ हैं, जिनका मकसद असम की जनता को गुमराह करना है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि मेरी पत्नी और मैं अगले 48 घंटों के भीतर पवन खेड़ा के खिलाफ आपराधिक और दीवानी, दोनों तरह के मानहानि के मुकदमे दायर करेंगे। उनके इन गैर-जिम्मेदाराना और मानहानिकारक बयानों के लिए उन्हें पूरी तरह से जवाबदेह ठहराया जाएगा।

नासिक कुंभ 2026 पर 35,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे : देवेंद्र फडणवीस

एजेंसी

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को नासिक में कहा कि राज्य सरकार नासिक सिंहस्थ कुंभ मेला 2026 पर 35,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी। राज्य सरकार नासिक कुंभ को भव्य और दिव्य बनाना चाहती है। मुख्यमंत्री फडणवीस आज नासिक में आयोजित अखिल भारतीय संत सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस साल का कुंभ भव्य और दिव्य होगा, यह कहते हुए मुख्यमंत्री ने 35,000 करोड़ रुपये के कामों का रोडमैप पेश किया। त्र्यंबकेश्वर शहर में भगवान श्री राम और सभी संतों-महंतों का स्वागत करते हुए उन्होंने सनातन संस्कृति के संरक्षण पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुंभ भक्तों के लिए हम सभी सुविधाएं तैयार रखेंगे। उन्होंने कहा कि भले ही नासिक में जगह सीमित है, लेकिन ज्यादा से ज्यादा जगह देने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा, "सनातन संस्कृति ने सब कुछ संभाल रखा है। कई हमलों के बाद भी यह अभी भी बची हुई है। हमारे पास महाराष्ट्र की वारकरी पंथ की परंपरा है। औरंगजेब ने चाहे कितनी भी मुश्किलें क्यों न खड़ी की हों, हमारी वारकरी परंपरा जारी है। संतों के विचार न सिर्फ हमारे मन को पवित्र करते हैं बल्कि हमारी आत्मा को भी पवित्र करते हैं। इसके लिए कुंभ मेला एक महत्वपूर्ण त्योहार है। सभी संत महंतों ने हमें अपना बनाया है। इसलिए हम इस साल के कुंभ को भव्य और दिव्य बनाने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि सिंहस्थ कुंभ मेले के लिए सडक, रेल और एयरपोर्ट की सुविधाएं बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि गोदावरी नदी को साफ रखने के लिए पक्के उपाय किए जाएंगे और त्र्यंबकेश्वर में साल भर पानी बहता रहे, इसके लिए भी काम चल रहा है। अभी तक साधुग्राम के लिए किसानों से किराए पर जमीन ली जा रही थी। हालांकि, उन्होंने घोषणा की कि सरकार ने अब उस जमीन को सीधे खरीदने का फैसला किया है।

बदरीनाथ धाम यात्रा : 7 अप्रैल को ऋषिकेश पहुंचेगी गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा

एजेंसी

ऋषिकेश : बदरीनाथ धाम यात्रा शुरू होने से पहले गाडू घड़ा यात्रा 7 अप्रैल को नरेन्द्र नगर राजदरबार से प्रारंभ होकर रात्रि विश्राम के लिए ऋषिकेश पहुंचेगी। यह गाडू घड़ा यात्रा बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति और डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। मंदिर समिति के अनुसार, 7 अप्रैल की रात्रि को यात्रा रेलवे रोड स्थित चेला चेतराम धर्मशाला में ठहरेगी। 8 अप्रैल की सुबह श्रद्धालु गाडू घड़ा तेल कलश के दर्शन कर सकेंगे। पूजा-अर्चना एवं प्रसाद वितरण के बाद यात्रा लक्ष्मण झूला होते हुए श्रीनगर गढ़वाल के लिए रवाना होगी। इस अवसर पर मंदिर समिति अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी भी उपस्थित रहेंगे। यात्रा का शुभारंभ नरेंद्र नगर राजदरबार से महाराजा मनुजयेंद्र शाह करेंगे। राजमहल में महारानी मालाराज्य लक्ष्मी शाह सहित सुहागिन महिलाएं पारंपरिक विधि से तिलों का तेल तैयार कर कलश डिमरी पंचायत को सौंपेंगी। तेल कलश को कुछ समय के लिए डिमरी तीर्थ पुरोहितों के मूल गांव डिम्मर स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर में रखा जाएगा, जहां नियमित पूजा-अर्चना की जाएगी। इसके बाद यात्रा विभिन्न पड़ावों से होते हुए आगे बढ़ेगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 19 अप्रैल को तेल कलश यात्रा पाखी गांव, 20 अप्रैल को नृसिंह मंदिर ज्योतिर्मठ और रविग्राम, 21 अप्रैल को पांडुकेश्वर में रात्रि विश्राम करेगी। 22 अप्रैल की शाम तक यात्रा श्री बदरीनाथ धाम पहुंच जाएगी। इसके पश्चात 23 अप्रैल को प्रातः 6 बजकर 15 मिनट पर विधि-विधान के साथ श्री बदरीनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इस अवसर पर मंदिर समिति एवं डिमरी पंचायत के पदाधिकारी मौजूद रहेंगे।

यूक्रेन पर रूस के रात भर चले ड्रोन हमलों में पांच लोगों की मौत, 30 घायल

कीव : यूक्रेन पर रूसी हमलों ने एक बार फिर हालात को तनावपूर्ण बना दिया है। रात भर चले ड्रोन हमलों में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की तुर्की यात्रा के दौरान हुए इन हमलों में कई शहरों को निशाना बनाया गया, जिनमें निकोपोल और सूमी शामिल हैं। हमलों से रिहायशी इलाकों, बाजारों और इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति और गंभीर हो गई है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया एनबीसी के अनुसार यूक्रेनी वायु सेना ने एक ऑनलाइन बयान में बताया कि रूस ने रात भर में यूक्रेन पर 286 ड्रोन दागे, जिनमें से 260 को मार गिराया गया।

ध्यान आंतरिक परिवर्तन की शुरूआत, बेहतर सोच से बेहतर बनेगी दुनिया: उपराष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली : उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि ध्यान आंतरिक परिवर्तन की शुरूआत है और सकारात्मक सोच के माध्यम से ही एक बेहतर दुनिया का निर्माण किया जा सकता है। ध्यान व्यक्ति को मानसिक शांति, स्पष्टता और सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करता है। नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में रविवार को आयोजित ह्यग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑफ मेडिटेशन लीडर्स-मेडिटेशन फॉर होलिस्टिक लिविंग एंड ए पीसफुल वर्ल्ड' को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने ये बातें कही। पिरामिड स्पिरिचुअल सोसाइटीज मूवमेंट और बुद्धा-सीईओ क्वांटम फाउंडेशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ध्यान मनुष्य के भीतर एक दीपक जलाने जैसा है, जो अज्ञानता को समाप्त कर व्यक्ति को सत्य और शांति के मार्ग पर ले जाता है। उन्होंने तमिल संत तिरुमूलर की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि मानव शरीर एक मंदिर के समान है और ध्यान के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर स्थित दिव्यता को पहचान सकता है। उन्होंने वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज दुनिया कई प्रकार की चुनौतियों का सामना कर रही है। संघर्ष केवल बाहरी नहीं बल्कि व्यक्ति के भीतर भी चलता रहता है। ऐसे समय में ध्यान शांति और संतुलन स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह तनाव को कम करता है, एकाग्रता को बढ़ाता है और भावनात्मक संतुलन को मजबूत बनाता है। उपराष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि ध्यान केवल आध्यात्मिक साधकों के लिए ही नहीं, बल्कि हर व्यक्ति के लिए उपयोगी है। यह सामान्य व्यक्ति को भी उच्च चेतना की ओर ले जाने में सहायक है। उन्होंने कहा कि भौतिक सफलता की अंधाधुंध दौड़ में जीवन के मूल्यों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और ध्यान इस संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है। 'विकसित भारत-2047' के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश के आर्थिक विकास के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता देना आवश्यक है। इस दिशा में ध्यान एक प्रभावी माध्यम साबित हो सकता है। युवाओं को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ध्यान नशा मुक्ति का एक सशक्त साधन बन सकता है। यह तनाव, चिंता और दिशाहीनता को दूर कर युवाओं को सही मार्ग पर ले जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि बिना मूल्यांकन के अवलोकन करना ही उच्चतम बुद्धिमत्ता है और ध्यान व्यक्ति को यह क्षमता प्रदान करता है। कार्यक्रम में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के पूर्व महानिदेशक डीआर कार्तिकेयन, परमार्थ निकेतन आश्रम ऋषिकेश के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती, क्वांटम लाइफ यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष डॉ. न्यूटन कोंडावेटी, बुद्धा-सीईओ क्वांटम फाउंडेशन के संस्थापक चंद्र पुलामारसेट्टी और पिरामिड स्पिरिचुअल ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय भास्कर रेड्डी सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

एक नजर

मध्य प्रदेश में करंट लगने से संगरूर के युवक की मौत

संगरूर : संगरूर जिले के फग्गूवाला गांव के एक युवक की मध्य प्रदेश में करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतक का रविवार को अंतिम संस्कार किया गया। मृतक की पहचान राजविंदर सिंह पुत्र काका सिंह के रूप में हुई है, जोकि गेहूं की कटाई के लिए मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में कंबाइन पर काम कर रहा था। जानकारी के अनुसार, राजविंदर सिंह कंबाइन पर हेल्पर के तौर पर कार्यरत था। घटना उस समय हुई जब वह कंबाइन की सफाई कर रहा था। इसी दौरान अचानक उसे तेज करंट लग गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। साथियों द्वारा उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के छोटे भाई करमजीत सिंह ने बताया कि दोनों भाई करीब डेढ़ महीने पहले रोजी-रोटी कमाने के लिए सीहोर जिले के दौदी गांव गए थे। उन्होंने बताया कि राजविंदर हर साल फसल कटाई के सीजन में मध्य प्रदेश काम करने जाता था और सीजन खत्म होने के बाद वापस घर लौट आता था। घटना के बाद स्थानीय पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की, जिसके उपरांत शव को पैतृक गांव फग्गूवाला लाया गया। यहां पर परिवार और ग्रामीणों की मौजूदगी में उसका अंतिम संस्कार किया गया। राजविंदर सिंह अपने पीछे पत्नी और दो बेटों को छोड़ गए हैं।

नेपाल सरकार ने ऑनलाइन सट्टेबाजी कराने वाली 7 हजार वेबसाइट बंद कीं

काठमांडू : नेपाल में अवैध रूप से बढ़ रहे ऑनलाइन सट्टेबाजी के खिलाफ सरकार ने बड़ा डिजिटल अभियान शुरू किया है। नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण ने इंटरनेट सेवा प्रदाताओं के साथ तकनीकी समन्वय करते हुए अब तक 7 हजार से अधिक सट्टेबाजी से जुड़े ऐप्लिकेशन और वेबसाइट को पूरी तरह बंद कर दिया है। मंत्रिपरिषद की बैठक में स्वीकृत 100 बिंदुओं वाले 'शासकीय सुधार' कार्यसूची के बिंदु संख्या 42 को लागू करने के क्रम में प्राधिकरण ने यह कड़ा कदम उठाया है। इस निर्णय में सट्टेबाजी से संबंधित सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म को 24 घंटे के भीतर पहचान कर बंद करने का प्रावधान था। उसी निर्देश के अनुसार प्राधिकरण ने अपने तकनीकी तंत्र को सक्रिय कर संदिग्ध यूआरएल और ऐप्स की पहचान और ब्लॉकिंग प्रक्रिया को तेज किया है। नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण के उपनिदेशक सूर्यप्रसाद लामिछाने के अनुसार, पिछले एक सप्ताह में ही ईमेल, टेलीफोन और मैसेज के माध्यम से ऑनलाइन सट्टेबाजी से संबंधित 50 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुई थीं। इन सभी शिकायतों को संबोधित करते हुए प्राधिकरण ने अवैध सट्टेबाजी के नेटवर्क पर डिजिटल रोक लगाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई है। नेपाल के कानून में ऑनलाइन सट्टेबाजी को गंभीर अपराध माना गया है। अपराध संहिता की धारा 125 (4) के अनुसार कोई भी व्यक्ति सट्टेबाजी करने या करवाने का अधिकार नहीं रखता। यदि इस कानून का उल्लंघन होता है, तो सट्टेबाजी में उपयोग की गई पूरी रकम जब्त की जाएगी तथा एक वर्ष तक की कैद और 10 हजार रुपये तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। इसके अलावा, विज्ञापन अधिनियम के तहत जुआ या सट्टेबाजी को बढ़ावा देने वाले विज्ञापन भी पूरी तरह प्रतिबंधित हैं। सरकार ने सट्टेबाजी ऐप और वेबसाइटों का उपयोग न करने की पुनः चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया है कि अनधिकृत रूप से संचालन या उपयोग करते पाए जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

भारत-पाकिस्तान सीमा के पास डेनमार्क का युवक गिरफतार, जांच एजेंसियां सक्रिय

बीकानेर : भारत-पाकिस्तान सीमा के नजदीक खाजूवाला क्षेत्र में डेनमार्क के एक युवक को संदिग्ध परिस्थितियों में घूमते हुए पकड़ा गया। वह करीब सात महीने पहले एक साल के टूरिस्ट वीजा पर भारत आया था। पुलिस के अनुसार खाजूवाला बाजार के हॉस्पिटल रोड पर स्थानीय लोगों ने एक विदेशी युवक को संदिग्ध अवस्था में घूमते देखा। सीमावर्ती क्षेत्र में आमतौर पर विदेशी नागरिकों की आवाजाही नहीं होने के कारण लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही एएसआई किशन सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में लिया। थानाधिकारी सुरेन्द्र प्रजापत ने बताया कि प्राथमिक पूछताछ में युवक ने खुद को डेनमार्क का निवासी बताया और कुछ सवालों के जवाब अंग्रेजी में दिए, लेकिन बाद में वह चुप हो गया। थाने लाए जाने पर युवक भावुक हो गया और रोने लगा, जिससे मामला गंभीर हो गया। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए सीमा सुरक्षा बल सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियों को भी मौके पर बुलाया गया। संयुक्त रूप से पूछताछ के दौरान युवक के पास से कोई संदिग्ध सामग्री बरामद नहीं हुई, लेकिन उसकी मौजूदगी को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि युवक के पास वैध पासपोर्ट और एक साल का वीजा है, हालांकि सीमावर्ती क्षेत्र में प्रवेश के लिए आवश्यक विशेष अनुमति उसके पास नहीं थी। खाजूवाला क्षेत्र पाकिस्तान सीमा के बेहद करीब होने के कारण यहां विदेशी नागरिकों की एंट्री प्रतिबंधित होती है। फिलहाल पुलिस ने युवक को आगे की गहन जांच के लिए बीकानेर स्थित जॉइंट इंटरोगेशन सेंटर भेज दिया है, जहां विभिन्न सुरक्षा एजेंसियां उससे हर पहलू पर पूछताछ कर रही हैं। प्राथमिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि युवक जानकारी के अभाव में इस संवेदनशील क्षेत्र तक पहुंच गया, हालांकि सुरक्षा एजेंसियां किसी भी संभावना को नजरअंदाज नहीं कर रही हैं और मामले की गहराई से जांच की जा रही है।

नाहन के प्रणव गौतम दिल्ली में प्रोफेशनल एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजे गए

नाहन : सिरमौर की प्रतिभाएं आज किसी भी परिचय की मोहताज नहीं हैं। इसी कड़ी में नाहन निवासी और प्रख्यात अंकशास्त्री प्रणव गौतम ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रोफेशनल एक्सीलेंस अवार्ड जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। 5 अप्रैल को दिल्ली के ऐतिहासिक कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में ह्यवोकल फॉर लोकल टैलेंट प्रमोटर्सह्व द्वारा आयोजित इस 15वें सम्मान समारोह में उन्हें उनके उत्कृष्ट पेशेवर कौशल और सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। प्रणव गौतम का मिशन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यवोकल फॉर लोकलह्व विजन को धरातल पर उतारना है। अपने राइडिंग क्लब ह्यबंजारा राइडर्सह्व के माध्यम से वे न केवल सिरमौर पर्यटन बल्कि मध्य प्रदेश के पर्यटन स्थलों को भी राष्ट्रीय स्तर पर प्रमोट कर रहे हैं। उनका उद्देश्य उन स्थानीय और अनछुए पर्यटन स्थलों को दुनिया के सामने लाना है, जो अपनी खूबसूरती के बावजूद मुख्यधारा के पर्यटन मानचित्र से दूर रह गए हैं। वे एक ऐसे सेतु का कार्य कर रहे हैं जो स्थानीय संस्कृति और आधुनिक पर्यटन के बीच तालमेल बिठाता है। प्रणव गौतम का कार्य केवल पेशेवर उपलब्धियों तक सीमित नहीं है। वे समाज के ज्वलंत मुद्दों पर भी पूरी सक्रियता से कार्य कर रहे हैं। वे महिला सशक्तिकरण के प्रबल समर्थक हैं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्यों में पैर पसारते नशे के जाल के खिलाफ वे ह्यएंटी-ड्रग्सह्व अभियान चला रहे हैं, ताकि युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक और रचनात्मक कार्यों में लगाया जा सके।

जिले में गैस आपूर्ति सामान्य, अफवाहों पर ध्यान न दें : जिला प्रशासन

कटिहार : पश्चिम एशिया में चल रहे विवाद के कारण गैस आपूर्ति को लेकर सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाएं और अफवाहें प्रसारित हो रही हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कटिहार जिले में गैस की आपूर्ति सामान्य है और पर्याप्त मात्रा में गैस उपलब्ध है। जिला आपूर्ति पदाधिकारी सुशील कुमार और प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी कुमार किंचित ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि जिले में 54 गैस डिस्ट्रीब्यूटर्स के पास 14170 घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं। शनिवार को 6239 गैस सिलेंडर की आपूर्ति की गई है और आज 5720 सिलेंडर की आपूर्ति की जाएगी। जिला प्रशासन ने बताया कि गैस की कालाबाजारी, मुनाफाखोरी, और अवैध रूप से एलपीजी गैस सिलेंडरों की बिक्री को रोकने के लिए 16 धावा दल का गठन किया गया है। अब तक कालाबाजारी और अवैध भंडारण के खिलाफ 5 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे धैर्य बनाए रखें और अफवाहों पर ध्यान न दें। अनावश्यक रूप से गैस वितरकों के यहां भीड़ न लगाएं। जरूरतमंद संस्थानों जैसे शिक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता के आधार पर गैस की आपूर्ति की जा रही है। जिला प्रशासन ने बताया कि गैस आपूर्ति की स्थिति की गहन निगरानी की जा रही है और आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

पश्चिम एशिया संकट के बीच ऑनलाइन एलपीजी सिलेंडर बुकिंग 95 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया में तेजी से बदलते घटनाक्रमों और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास की स्थिति को देखते हुए देश में शनिवार को 51 लाख से अधिक घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरित किए गए, जबकि उद्योग के आधार पर ऑनलाइन एलपीजी सिलेंडर बुकिंग में 95 प्रतिशत की वृद्धि हुई। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार केंद्र सरकार ने देश की ऊर्जा सुरक्षा और नागरिकों की सुरक्षा के लिए मिशन मोड में काम शुरू कर दिया है। पेट्रोलियम मंत्रालय से लेकर विदेश मंत्रालय तक सभी विभाग सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए तत्पर हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त भंडार है। आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। इस दौरान वितरण में पारदर्शिता के लिए डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड का दायरा फरवरी के 53 प्रतिशत से बढ़ाकर 90 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके अलावा एलपीजी पर निर्भरता कम करने के लिए पीएनजी नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है। मार्च से अब तक 3.6 लाख नए पीएनजी कनेक्शन चालू किए जा चुके हैं। रक्षा मंत्रालय और सड़क परिवहन मंत्रालय ने पाइपलाइन बिछाने की मंजूरी के लिए 'त्वरित अनुमोदन ढांचा' अपनाया है। आवासीय स्कूलों, हॉस्टलों और सामुदायिक रसोई को 5 दिनों के भीतर पीएनजी से जोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। समुद्र में भारतीय हितों की रक्षा के लिए जहाजरानी मंत्रालय अलर्ट पर है। पश्चिमी फारस की खाड़ी में मौजूद सभी 460 भारतीय नाविक और 17 जहाज पूरी तरह सुरक्षित हैं। पिछले 24 घंटों में कोई अप्रिय घटना दर्ज नहीं हुई है। भारत के सभी प्रमुख बंदरगाहों पर कामकाज सामान्य रूप से चल रहा है। महानिदेशक और भारतीय मिशन लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902